राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | महीने में एक दिन डीसीएलआर राजस्व...

डॉ प्रेम कुमार ने मुजफ्फरपुर हॉस्पिटल में... | 02

वर्ष : 14 | अंक : 56 | पटना, शुक्रवार, 05 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31.0°C

न्यूनतम तापमान 21.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	55%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,59,700

चांदी 2,99,600

सेंसेक्स 74,360

निफ्टी 23,416

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खोलने से देश का किसान होगा बर्बाद: राहुल

देहरादू। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अल्मोड़ा और पौड़ी की जनसभाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर करारा प्रहार किया। वर्चुअल संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि देश में आर्थिक तूफान आने वाला है। यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो सत्ता में आते ही सबसे पहले अग्निवीर योजना को समाप्त कर देंगे। अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खोलने से देश केकिसान बर्बाद हो जाएंगे। गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अल्मोड़ा के सिमकनी स्थित एसएसजे विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर परिवर्तन का शंखनाद और पौड़ी में कंडोलिया मैदान पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करना था। पंतनगर से राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर ने अल्मोड़ा की ओर उड़ान तो भरी, लेकिन मौसम खराब होने के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद पंतनगर एयर पोर्ट से फोन के माध्यम राहुल गांधी ने सभा को संबोधित किया। इस बीच पौड़ी कंडोलिया मैदान पर आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को भी राहुल गांधी ने वर्चुअली ही संबोधित किया। उन्होंने अपने वर्चुअली संबोधन में अल्मोड़ा व पौड़ी की जनसभा में शामिल न होने पर माफी मांगी और विश्वास दिया कि जल्द वे उत्तराखंड का दौरा करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिन पहले अमेरिका के साथ डील साइन की। इसमें मोदी ने चार चीजें अमेरिका को सौंपी दीं। इससे एनर्जी सुरक्षा खत्म कर दी। अमेरिका के कहने पर ही हम ईंधन खरीद सकते हैं। प्रधानमंत्री ने फूड सुरक्षा को कमजोर किया। अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खुलेगा। अब अमेरिका का किसान अपने उत्पाद भारत में बेच पाएगा।

मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

सड़कों एवं पुलों के निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं : सम्राट

प्रमुख बिन्दु :

- राज्य के सभी पुलों का विशेषज्ञों से नियमित निरीक्षण तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करायें
- राज्याधीन सड़कों एवं पुलों के निर्माण तथा रख-रखाव के लिए धन की कोई कमी नहीं होनी चाहिए
- सभी सड़कों एवं पुलों का गुणवत्तापूर्ण रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए

ये रहे मौजूद:-

बैठक में पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार' में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने विभाग में विभिन्न सड़क एवं पुल परियोजनाओं की प्रगति, रख-रखाव तथा भावी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़कों एवं पुलों के निर्माण की गुणवत्ता तथा उनके रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो यह सुनिश्चित करें। जनता को सुरक्षित, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

परियोजनायें ससमय एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सकें : उन्होंने कहा कि सड़कों एवं पुलों के निर्माण तथा अनुरक्षण कार्यों के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता तथा प्रबंधन बेहतर ढंग से करें ताकि परियोजनायें ससमय एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सकें। राज्य के सभी पुलों का विशेषज्ञों से नियमित निरीक्षण तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करायें। मुख्यमंत्री ने मुंगेर (सफियाबाद) बरियारपुर-घोरघट-सुल्तानगंज-भागलपुर-सबौर फोरलेन गंगा पथ परियोजना की प्रगति की समीक्षा के क्रम में में कहा कि हाइब्रिड एन्यूटी मोड के तहत इस परियोजना पर काम करें।

परियोजनायें ससमय एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सकें : सीएम ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के कार्यों कोसमयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से आगे बढ़ायें ताकि पूर्वी बिहार की कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं पर्यटन विकास को गति मिले।

ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण और नई संपर्क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें : मुख्यमंत्री

प्रमुख बिन्दु :

- पूर्व से निर्मित ग्रामीण सड़कों का नियमित अनुश्रवण एवं सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करें
- बढ़ते यातायात एवं जन आवश्यकताओं के अनुरूप ग्रामीण सड़कों का चौड़ीकरण किया जाए
- महत्वपूर्ण एवं जन-उपयोगी नए पथों, पुलों एवं पहुंच पथों का निर्माण कराया जाए
- नई सड़क परियोजनाओं की प्राथमिकता तय कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए

ये रहे मौजूद: -

बैठक में उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव दिवेश सेहरा, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प सभागार में ग्रामीण कार्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव श्री दिवेश सेहरा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

सड़कों के रख-रखाव की प्रभावी व्यवस्था विकसित करें: बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन और संपर्क व्यवस्था बनाये रखने के लिए सड़कों एवं पुलों का निर्माण तथा रख-रखाव जरूरी है। पूर्व से निर्मित ग्रामीण सड़कों का नियमित अनुश्रवण करें तथा आवश्यकता के अनुसार उनका सुदृढ़ीकरण कराया जाए, ताकि ग्रामीण जनता को सुरक्षित एवं सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़कों के रख-रखाव की प्रभावी व्यवस्था विकसित करें और किसी भी क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत में अनावश्यक विलंब न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या एवं यातायात की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक लोगों की पहुंच आसान होती है।

परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करें: मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सड़क परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करें तथा जनहित, यातायात की आवश्यकता और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का चयन करें। प्राथमिकता के आधार पर नई परियोजनाओं को स्वीकृत कर गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करें।

स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो : निशांत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में हुई अग्निकांड की घटना में घायल मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत अपनी दिल्ली यात्रा को बीच में ही छोड़कर पटना लौटे। पटना पहुंचते ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री कुमार रवि के साथ जयप्रभा मेदांता अस्पताल पहुंचकर भर्ती 3 घायलों का हाल-चाल जाना और उनके उपचार की व्यवस्था की समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनके उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। श्री निशांत ने कहा कि राज्य सरकार इस घटना में घायल सभी मरीजों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। घायलों के इलाज पर होने वाला संपूर्ण खर्च बिहार सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, ताकि मरीजों और उनके परिवारों को किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मरीजों के बेहतर उपचार और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक प्रभावित मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में चिकित्सकों से मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में लगी भीषण आग, 5 मौतों की पुष्टि

प्रात : किरण

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के प्रमुख निजी अस्पतालों में शुमार प्रसाद हॉस्पिटल में मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित इस अस्पताल में आग लगने के बाद मरीजों और उनके परिजनों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हादसे में कई मरीजों के दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की शुरूआत अस्पताल के आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे आईसीयू में धुआं भर गया। धुएं के कारण वहां भर्ती गंभीर मरीजों की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई। अस्पताल में मौजूद मरीज और उनके परिजन जान बचाकर बाहर निकलने लगे, जबकि आईसीयू में भर्ती मरीजों को निकालने के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान सैकड़ों एंबुलेंस मरीजों को सुरक्षित स्थानों और आसपास के अन्य अस्पतालों तक पहुंचाने में जुटी रहीं। कई मरीजों को तत्काल दूसरे अस्पतालों में रेफर किया गया। घटनास्थल पर देर रात तक चीख-पुकार और भय का माहौल बना रहा। मरीजों के परिजन अपने प्रियजनों की जानकारी पाने के लिए अस्पताल और प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे। कई लोगों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने सुरक्षा मानकों का पर्याप्त पालन नहीं किया, जिसके कारण यह बड़ा हादसा हुआ।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

जनता के विश्वास को और मजबूत करने के लिए कार्य करें पदाधिकारी : नितिन

प्रात : किरण

पटना। भारतीय जनता पार्टी के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्ययोजना को गति देने तथा कार्यकताओं की भूमिका को प्रभावी बनाने को लेकर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया तथा बिहार सह प्रभारी दीपक प्रकाश भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका सशक्त संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला एक वैचारिक संगठन है। यही कारण है कि पार्टी ने देशभर में जनता का व्यापक विश्वास अर्जित किया है और निरंतर नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना होगा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की कार्यशैली सामूहिक नेतृत्व, संगठनात्मक अनुशासन और सतत जनसंपर्क पर आधारित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारें तथा समाज के सभी वर्गों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आने वाला समय संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ करना होगा। उन्होंने पदाधिकारियों से स्वभाव नहीं बदलने की नसीहत भी दी। कार्यकताओं के साथ उत्साह पूर्वक व्यवहार रखने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकृत कार्य ही करें और जितना हो सके नए लोगों को पार्टी से जोड़ें। उंन्होने संगठन में 10 से 15 प्रतिशत नए सदस्य बनाने के टास्क भी दिए। उन्होंने शक्ति केंद्र स्तर को मजबूत करने और संगठन को लेकर निमित्त बैठक करने की भी बात कही।

पहलाज निहलानी के निधन से शोक में डूबा बॉलीवुड

प्रात : किरण

मुंबई/एजेंसी। मशहूर फिल्म निमार्ता पहलाज निहलानी का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सामने आते ही फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। कई कलाकारों, निमार्ताओं और फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित की। अभिनेता सनी देओल ने पहलाज निहलानी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

सीएम सम्राट ने जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रख्यात फिल्म निर्माता एवं केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारतीय फिल्म जगत में उनके योगदान और रचनात्मक कार्यों को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। उनके निधन से सिनेमा जगत ने एक अनुभवी एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व को खो दिया है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके शुभचिंतकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

सेनाओं को सालाना खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वित्तीय शक्तियां मिलीं

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेनाओं की परिचालन दक्षता मजबूत करने के लिए फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज 'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी किया। इसके तहत राजस्व से जुड़ी खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की सालाना कीमत वाली वित्तीय शक्तियां दी गई हैं। इस फैसले से फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार मिलेंगे, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा विभाग में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशीकरण, अनुसंधान और विकास के लिए संशोधित वित्तीय शक्तियां दोगुनी कर दी गईं हैं। सशस्त्र सेनाओं के लिए संयुक्त खरीद को तेज करने के लिए बढ़ी हुई शक्तियों के साथ नए प्रावधान पेश किए गए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार की यह पहल फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार देगी, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और आखिरकार हमारी ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा। 'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी करते हुए उन्होंने कहा कि इस नए दस्तावेज का मकसद रक्षा क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देना और विदेशी निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने में बहुत मददगार साबित होगा, जिसमें लघु उद्योग और स्टार्टअप्स समेत निजी कंपनियों की भी भागीदारी होगी। काम से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए दी गई वित्तीय शक्ति को दोगुना करने से काम तेजी के साथ समय पर पूरा हो सकेगा।

वित्तीय शक्तियों के दोगुना करने से मौजूदा साल के बजट आवंटन के अनुसार 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीद आसान हो जाएगी। वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का विकेंद्रीकरण करने के लिए कई नए सक्षम वित्तीय अधिकारियों को पेश किया गया है। मंत्रालय के अनुसार फील्ड कमांडरों की वित्तीय शक्तियों को आखिरी बार 2021 में अधिसूचित किया गया था। सशस्त्र बलों में ऑपरेशन्स पर बढ़े हुए खर्च को पूरा करने के कारण यह बदलाव जरूरी हो गया था। वित्तीय शक्तियों में यह बदलाव अक्टूबर 2025 में अधिसूचित किए गए संशोधित रक्षा खरीद मैनुअल के साथ तेजी से फैसले लेने के साथ रक्षा खरीद को बढ़ावा देगा। इससे सशस्त्र बलों की जरूरतों के हिसाब से समय पर संसाधन मिल सकेंगे। इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव संजीव कुमार, रक्षा वित्त विभाग के सचिव विश्वजीत सहाय, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) सुकृति लिखी, वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर, रक्षा लेखा महानियंत्रक अनुग्रह नारायण दास और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उद्घाटन | **डीजीपी ने किया पीएसएम का उद्घाटन, पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दो जिलों से हुई इसकी शुरूआत**

थानों के सभी कार्यों की होगी ऑनलाइन मॉनीटरिंग, विशेष सॉफ्टवेयर तैयार

प्रात : किरण

पटना। राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों में अनुसंधान से लेकर रोजाना के सभी कार्य की चुस्त मॉनीटरिंग के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है। पुलिस स्टेशन मैनेजमेंट नाम से एक खास तरह के एप्लिकेशन को विकसित किया गया है। इसकी मदद से सभी थानों के रोजाना के क्रिया-कलापों पर आसानी से नजर रखी जा सकेगी। इस विशेष तरह की प्रणाली का उद्घाटन डीजीपी विनय कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में किया। फिलहाल इसे एप्लिकेशन को दो जिलों मुंगेर और बक्सर में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया है। कुछ दिनों के लाइव सफल परिक्षण के बाद इसे जल्द ही राज्य के सभी 1382 थानों में लागू कर दिया जाएगा। बिहार में पहली बार थाना स्तर पर कार्यों की सतत मॉनीटरिंग के लिए इस तरह की व्यवस्था थाना स्तर पर की गई है। इस एप्लिकेशन पर लॉग-इन और पासवर्ड, जिसके पास होगा, वे सीधे तौर पर इसके जरिए राज्य के किसी भी थाने की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस पोर्टल को आईजी (प्रोविजन) श्री पी कानन की देखरेख में विकसित किया गया है। पीएसएम का डैशबोर्ड होगा, जिस पर सभी कार्यों की स्थिति प्रदर्शित होंगी। पुलिस मुख्यालय के स्तर पर सभी थानों की गतिविधि आसानी से देखी जा सकेगी। आपस में भी सभी थाने भी इससे जुड़े होंगे।

इन कार्यों की हो सकेगी मॉनीटरिंग

इस पीएसएम पोर्टल के माध्यम से किसी थाना स्तर पर होने वाले रोजाना के सभी कार्यों या सभी तरह के क्रिया-कलापों की पूरी जानकारी दर्ज होगी। किसी थाने में किस स्तर के पुलिस पदाधिकारियों और सिपाहियों की संख्या कितनी है। इन सभी के नाम क्या हैं और इनके पास आवंटित कार्य क्या-क्या हैं। अनुसंधान करने वाले कर्मियों की संख्या और इनके स्तर से रोजाना किस केस में क्या अनुसंधान किया गया, इसका पूरा विवरण पीएसएम पर दर्ज होगा। ताकि रोजाना प्रत्येक मुकदमे की अपडेट स्थिति की जानकारी मिल सके। पैट्रोलिंग की ड्यूटी में कितने कर्मी लगे हुए हैं। कौन, कहां और किस रूट में पैट्रोलिंग कर रहे हैं। किस केस में किसने डायरी लिखी है। साथ ही डायरी में क्या लिखा गया है, इसकी पूरी जानकारी इस पर दर्ज होगी। इसके अलावा यह अपराधियों की मुकदमेवार गिरफ्तारी की स्थिति समेत अन्य सभी जानकारी भी दर्ज की जाएगी। अगर किसी अपराधी का बेल होने वाला है और उसे रोकने की आवश्यकता है, तो इससे संबंधित अलर्ट भी इस पर दिखेगा। ताकि संबंधित पुलिस पदाधिकारी इस पर उचित पहल करते हुए बेल रुकवा सकें। इस तरह के कई जरूरी अलर्ट भी इस पर दिखेंगे, जो समुचित पुलिसिंग के लिए बेहद कारगर है। इसके अतिरिक्त अपराधियों की विवरणी, ग्रामीण अपराध पंजी, थाना गश्ती मानचित्र, ड्यूटी चेकिंग, साप्ताहिक कार्य सूची, मालखाना विवरणी, अपराध मानचित्र समेत अन्य सभी थाना स्तरीय कार्य का लेखा-जोखा ऑनलाइन दिखेगा।

ये होंगे इससे बड़े फायदे

इस नई प्रणाली के थाना स्तर पर लागू होने से थाना स्तर पर सभी पुलिस कर्मियों की कार्यकुशलता बढ़ेगी। प्रभावशाली तरीके से कार्य को अंजाम देने में मदद मिलेगी। हर पुलिस पदाधिकारी से उनकी क्षमता के अनुरूप अधिकतम कार्य लेने में सहायता मिलेगी। मुकदमों की समुचित मॉनटरिंग हो सकेगी। अगर किसी के स्तर पर ढिलाई बरती जाती है, तो उसे चिन्हित कर इसका कारण मालूम पूछा जा सकेगा। हर किसी के कार्य का प्रदर्शन एकदम पारदर्शी तरीके से दिखेगा। अगर कोई गाड़ी खराब है या नहीं चल रही है, उसका भी लेखाजोखा रहेगा।

कोट में.......

पीएसएम एक बहुउदेश्यीय व्यवस्था है। इसके लिए खासतौर से इस एप्लिकेशन को विकसित किया गया है। थाना स्तर पर पारदर्शी तरीके से कार्यों का निष्पादन करने के साथ ही इनका निपटारा समय पर कराने में मदद मिलेगी। इसकी मदद से अपराधियों को ट्रैक रिकॉर्ड रखने से लेकर उन पर होने वाली कार्रवाई समेत सभी जरूरी कार्य का निष्पादन पारदर्शी तरीके से करने में मदद मिलेगी। भविष्य की पुलिसिंग के लिए यह बेहद अहम अव्यव साबित होगा।

वर्तमान में मौजूद सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम) से एकदम अलग होगा। इसमें ऐसी कई सुविधाएं नहीं हैं, जिन्हें पीएसएम में जोड़ा गया है। यह बिहार पुलिस का तैयार किया गया अपना खास ऑनलाइन पोर्टल है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

नगर विकास मंत्री नितीश मिश्रा व सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने 36 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर-खगौल नगर के अंतर्गत क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से गोला रोड स्थित पंचशील नगर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितीश मिश्रा और सहकारिता मंत्री एवं दानापुर विधायक राम कृपाल यादव ने भाग लिया और लगभग 36 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुकी विकास योजनाओं का उद्घाटन किया गया, जबकि लगभग 23 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें राज्य योजना मद की पांच तथा नगर निधि की 46 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। वहीं नगर निधि से संचालित 100 नई विकास योजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। सहकारिता मंत्री एवं विधायक रामकृपाल यादव ने कहा कि दानापुर क्षेत्र में जलजमाव की समस्या लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा से विशेष आग्रह किया था। मंत्री द्वारा इस दिशा में सकारात्मक पहल करते हुए योजनाएं स्वीकृत की गईं और आज उनका शिलान्यास भी हुआ। उन्होंने विश्वास जताया कि योजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र में जलजमाव की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि रामकृपाल यादव द्वारा दानापुर की समस्याओं और विकास संबंधी जरूरतों को लेकर जो सुझाव दिए गए थे, उन पर काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दानापुर की जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई अन्य विकास कार्य भी किए जाएंगे। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इस मौके पर अनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय, कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार, पूर्व पार्षद अनिल कुमार, राजेश शर्मा, गोपाल प्रसाद, समाजसेवी धीरज यादव, भाजपा नेता शंकरसिंह, ब्रजेश सिंह, लोजपा(आर) के चंदन यादव, जदयू नेता संजय सिंह समेत पूर्व पार्षद, एनडीए के कार्यकर्ता आदि थे

बिहार में कॉर्पोरेट जिहाद और लव जिहाद के विरोध में हिन्दू जनजागृति समिति का बेटी सुरक्षित, राष्ट्र सुरक्षित अभियान हुआ प्रारंभ

■ हिन्दू समाज को जागृत करने के लिए निशुल्क धर्मशिक्षा वर्ग का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना - कॉर्पोरेट जिहाद और लव जिहाद के माध्यम से हिंदुओं की वंशवृद्धि रोककर हिन्दू महिलाओं का जीवन ध्वस्त किया जा रहा है । इस सन्दर्भ में जागृति लिए हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा पटना, वैशाली समस्तीपुर जिले के विविध क्षेत्रों में बेटी सुरक्षित, राष्ट्र सुरक्षित अभियान आरंभ किया गया । इसके अंतर्गत जागृति पर बैठकों का आयोजन किया गया । इस आयोजन में अधिवक्ता युगलकिशोर, नरसिंह जायसवाल इनका विशेष सहभाग रहा ।

वर्ष 711 में मोहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से आरंभ हुआ जिहाद का यह षड्यंत्र आज लव जिहाद, लैंड जिहाद और कॉर्पोरेट जिहाद जैसे विभिन्न रूपों में जारी है । गजवा-ए-हिंद और ह्यविजन 2047 के माध्यम से भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने के लिखित मंसूबे रचे जा रहे हैं । इस संकट का सामना करने के लिए हिंदुओं में स्वबोध (अपने गौरवशाली इतिहास का ज्ञान) और शत्रुबोध (शत्रु की पहचान) होना अनिवार्य है । अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाकर उन्हें हिंदू धर्म के महत्व को समझाएं तथा प्रत्येक बेटी की सुरक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर जनजागरण अभियान चलाने का निश्चित हुआ ।

हिन्दू समाज में धर्मशिक्षा के अभाव के कारण ही लव जिहाद की समस्या बढ़ रही है । इसे रोकने के लिए बिहार के विभिन्न जिलों में प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन धर्मशिक्षा वर्ग भी आरम्भ किए गए हैं ।

बीड़ी और खनन श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए केंद्र सरकार दे रही है वित्तीय सहायता

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बीड़ी, चुना पत्थर एवं डोलोमाइट तथा लोहे, मैंगनीज और क्रोम अयस्क खनन श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा में आर्थिक सहायता हेतु, कक्षा 1 से उच्च शिक्षा तक 1000/- से 25000/- तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।इस योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 जून 2026 से प्रारंभ हो चुकी है।

प्री-मैट्रिक (कक्षा 1 से 10 तक) के लिए अंतिम तिथिः 31 अगस्त 2026 एवं पोस्ट-मैट्रिक (कक्षा 11 एवं उससे ऊपर) के लिए अंतिम तिथिः 31 अक्टूबर 2026 है।आवेदन ऑनलाइन माध्यम से पोर्टल पर की जा सकती है। पात्रता एवं अन्य संबंधित जानकारी/ शर्तें राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर उपलब्ध हैं।पात्र विद्यार्थी अपने विद्यालय/महाविद्यालय में संपर्क स्थापित कर, अपने आवेदन को केवल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से ही भरना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

गिट्टी-बालू कमीशन विवाद में चैनपुर गांव में ताबड़तोड़ फायरिंग, दो महिलाएं घायल

खुसरूपुर। थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव में गुरुवार सुबह हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। बताया जाता है कि गिट्टी-बालू आपूर्ति में कमीशन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद फायरिंग की घटना हुई। गोलीबारी में विकास कुमार की 12 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी तथा अरुण सिंह की पत्नी सोना देवी (50) घायल हो गईं। दोनों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार घटना के दौरान 50 राउंड से अधिक फायरिंग की गई, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी और भय का माहौल उत्पन्न हो गया तथा लोग अपनी सुरक्षा के लिए घरों में दुबक गए। सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और थानाध्यक्ष के नेतृत्व में मामले की जांच शुरू कर दी गई। पुलिस गांव में सघन तलाशी अभियान चलाते हुए घटना में शामिल लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

तीन बकरी चोर को गिरफ्तार एक कार सहित 11 बकरी बरामद

दानापुर खगौल। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने बीते रात रोकोटोको अभियान के तहत नहर मार्ग पर एलिवेटेड पूल के नीचे बकरी चोरी कर ला रही एक कार को जब्त किया। पुलिस ने कार चालक समेत तीन लोग गिरफ्तार करते हुए 11 बकरी बरामद किया। गिरफ्तार लोगों में खगौल लख निवासी अरुण नट, विजय नट एवं मौर्य विहार निवासी चालक भूतनाथ नट शामिल है। सभी मुजफ्फरपुर की ओर से मुख्य सड़क के किनारे बधार में चढ़ने वाले बकरियों को चोरी कर ला रहे थे। बताया जाता है कि बीतेरात रोको टोको अभियान के तहत दीघा की ओर से आ रही एक गाड़ी को नहर रोड में पुलिस ने रोका। पुलिस को देखते ही चालक गाड़ी घुमाकर भागने का प्रयास करने लगा। इसी क्रम में उसका टायर ब्लास्ट कर गया। पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया, वहीं भाग रहे चालक समेत तीन लोगों को ही पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने गाड़ी से ग्यारह बकरियों को जब्त किया। थानाध्यक्ष ने बताया, पूछताछ के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गाड़ी और बकरी को जब्त किया गया है।

डॉ प्रेम कुमार ने मुजफ्फरपुर हॉस्पिटल में आग लगने से हुई मरीजों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में आग लगने से हुई मरीजों की मृत्यु एवं अनेक लोगों के घायल होने की दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हृदयविदारक घटना से वे अत्यंत मर्माहत हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा सभी शोकाकुल परिवारों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने इस घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएँ पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

यह दिन हमें पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली अपनाने का संदेश देता : डॉ प्रेम कुमार

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कहा कि यह दिन हमें पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली अपनाने का संदेश देता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस दिवस की आधिकारिक घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून 1972 को की गई थी और इस दिन को पहली बार वर्ष 1973 में मनाने की शुरूआत हुई। यह दिवस प्रदूषण, जनसंख्या विस्फोट, ग्लोबल वार्मिंग, टिकाऊ विकास और वन्यजीव अपराध जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने हेतु समर्पित है। प्रकृति और पर्यावरण मानव जीवन के अस्तित्व, विकास एवं समृद्धि के मूल आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, संतुलित पारिस्थितिकी तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण न केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता है, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर हम सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा जल-संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में अग्निकांड में स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन से मांगा घटना का प्रतिवेदन, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : स्वास्थ्य मंत्री निशांत

■ मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख अनुग्रह अनुदान, घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था : स्वास्थ्य मंत्री निशांत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शोक-संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा उनके परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति दें।उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर मृतकों के परिजनों को तत्काल 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि प्रदान देने की करवाई की जा रही है। साथ ही घायलों के समुचित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में तथा पटना में उपचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी से बात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली है। साथ ही, घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी एवं सिविल सर्जन को इस मामले पर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।स्वास्थ्य मंत्री ने ये भी स्पष्ट किया कि अस्पताल प्रबंधन की किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य अस्पतालों का फायर ऑडिट कराते हुए सभी सुरक्षा मानकों की भी जांच अग्निशमन अधिकारी से कराई जाएगी।

रोबोटिक तकनीक के जरिए की गई दुनिया की सबसे लंबी हृदय टेली-सर्जरी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । भारत की विकसित रोबोटिक तकनीक और भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर में एक मरीज के हृदय की सफल रोबोटिक टेली-सर्जरी कर चिकित्सा इतिहास में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। करीब 20000 किलोमीटर की दूरी से की गई यह सर्जरी दुनिया की अब तक की सबसे लंबी दूरी की रोबोट-सहायित कार्डियक टेली-सर्जरी मानी जा रही है।यह ऐतिहासिक प्रक्रिया गुयाना के जॉर्जटाउन पब्लिक हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन और भारत के आइआरसीएडी इंडिया, इंदौर के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि सर्जरी पूरी तरह भारत में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से की गई जिसने भारत को वैश्विक रोबोटिक सर्जरी क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाई है। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि एसएसआई मंत्रा और उससे जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मदद से गुयाना में रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञों की नई पीढ़ी तैयार होगी और देश कैरेबियाई क्षेत्र में चिकित्सा नवाचार का केंद्र बन सकेगा। वहीं एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक के संस्थापक और सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि 20000 किलोमीटर की रिकॉर्ड दूरी पर सफल कार्डियक टेली-सर्जरी यह साबित करती है कि भविष्य में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे मरीज तक सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल विशेषज्ञता पहुंचाई जा सकती है।

मजदूरी का पैसा मांगने पर ठेकेदार ने पिटा

दानापुर खगौल। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने मारपीट व जानलेवा हमला में फरार आरोपी को मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से गिरफ्तार कर थाने लाई अब पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान काजी मोहम्मदपुर निवासी साहिल के रूप में की गई। मोहम्मदपुर सदपुरा पोखड़िया निवासी महफूज अपने साथी साहिल के साथ के टाइल्स का काम करने जमालुद्दीनचक आया था।

दो मोबाइल चोर गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

दानापुर खगौल रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी की सतर्कता से दानापुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 से दो शातिर मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। प्लेटफॉर्म संख्या-1 के पश्चिमी छोर स्थित यात्री शेड के पास संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान दो युवक आपस में बातचीत करते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर दोनों घबरा गए। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रतीक कुमार 18 वर्ष निवासी कमला नेहरू वार्ड संख्या-21, थाना कोतवाली, पटना तथा राकेश कुमार 30 वर्ष, निवासी पीपी रोड छू मंतर गली, बक्सर के रूप में हुई है।इस संबंध में रेल थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया की पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि वे एक गिरोह बनाकर रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए यात्रियों के मोबाइल एवं सामान चोरी करते हैं। उन्होंने यह भी कबूल किया कि उसी दिन उन्होंने यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी किए थे।

तलाशी के दौरान प्रतीक कुमार के पास से मोटोरोला कंपनी का एक ब्लू रंग का स्क्रीन टच मोबाइल तथा राकेश कुमार के पास से रेडमी कंपनी का सिल्वर-ब्लू रंग का स्क्रीन टच मोबाइल बरामद किया गया। दोनों मोबाइल लॉक अवस्था में मिले और आरोपी उनका लॉक नहीं खोल सके।आरोपियों ने स्वीकार किया कि मोबाइल प्लेटफॉर्म पर लगे चार्जिंग प्वाइंट तथा ट्रेन में चढ़ने वाले यात्रियों से चोरी किए गए थे। बरामद मोबाइलों को विधिवत जब्त कर लिया गया है।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

15 जून को महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन, युवा राजद की बैठक में बनी रणनीति

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के फतुहा प्रखंड युवा अध्यक्ष अवधेश प्रसाद यादव के पटेल नगर, सोनारू स्थित आवास पर गुरुवार शाम आयोजित बैठक में महंगाई, भ्रष्टाचार एवं किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में फतुहा प्रखंड के ग्रामीण किसानों एवं राजद कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि 15 जून 2026 को दोपहर 12 बजे फतुहा डाकबंगला से किसान एकजुट होकर फतुहा प्रखंड परिसर तक मार्च निकालेंगे तथा विभिन्न जनसमस्याओं, बढ़ती महंगाई और कथित सरकारी विफलताओं के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। बैठक में किसानों के अधिकारों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया गया तथा अधिक से अधिक लोगों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की गई।

वाहन जांच में 742 बोतल नशीली कफ सिरप बरामद, पांच गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। नदी थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 3 जून 2026 को थानाध्यक्ष नदी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल वाहन जांच कर रहा था। इसी दौरान पकड़ीदरगाह की ओर से आ रहे एक टेम्पू को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन मोड़कर मोजीपुर की ओर भागने लगा। पुलिस ने सशस्त्र बल के सहयोग से पीछा कर टेम्पू को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन से कोडीन फॉस्फेट एवं ट्राइप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड युक्त 100 एमएल की 742 बोतल (करीब 74.2 लीटर) नशीली कफ सिरप बरामद हुई। मामले में टेम्पू पर सवार सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नदी थाना कांड संख्या 220/2026 दर्ज करते हुए बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम तथा एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बरामद कफ सिरप के अलावा एक टेम्पू, पांच मोबाइल फोन और 6,500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएम सूर्य घर योजना में बिहार की बड़ी उपलब्धि मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पटना। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिला पदाधिकारियों के कार्यालयों एवं आवासों की छतों पर सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में गुरुवार को आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम पीएम सूर्य घर के दो वर्ष : 1 करोड़ छतों तक सौर ऊर्जा का विस्तार के दौरान बिहार को सूर्य संकल्प पहल के तहत जिला पदाधिकारियों के कार्यालय एवं आवासों पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह में बिहार की ओर से एनबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक और ब्रेडा के निदेशक श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.) ने यह सम्मान प्राप्त किया।बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सरकार ने सभी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित करने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में राज्य के लगभग 12 हजार सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की जा चुकी है। इससे सरकारी संस्थानों में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिला है।इस उपलब्धि पर बिहार ऊर्जा विभाग के सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत बिहार को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान राज्य के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के नेतृत्व, ऊर्जा विभाग की प्रतिबद्धता तथा विभिन्न विभागों एवं जिला प्रशासन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। बिहार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सरकारी पदाधिकारियों के आवासों एवं कार्यालयों की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। आने वाले समय में राज्य स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।एनबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक और ब्रेडा के निदेशक श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.) ने कहा कि यह सम्मान राज्य के सभी अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मियों के सामूहिक प्रयासों की पहचान है। पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सरकारी भवनों के सौर ऊर्जाकरण में बिहार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण जनित रोगों के प्रबंधन में आयुर्वेद की भूमिका पर जागरूकता संदेश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अमृत आयुर्वेद एवं पंचकर्म क्लिनिक, शेखपुरा (बेली रोड), पटना द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य संवर्धन एवं आयुर्वेद आधारित स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष संदेश जारी किया गया।इस अवसर पर क्लिनिक के सह-निदेशक एवं वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य वैद्य (प्रो.) दिनेश्वर प्रसाद, एम. डी. (कायचिकित्सा एवं पंचकर्म), पूर्व प्राचार्य, राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल, पटना ने कहा कि पर्यावरण और स्वास्थ्य एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। आयुर्वेद में मानव शरीर (पुरुष) और प्रकृति (लोक) को एक-दूसरे का प्रतिबिंब माना गया है। चरक संहिता में वर्णित लोक-पुरुष सम्यता सिद्धांत के अनुसार जब पर्यावरण संतुलित रहता है तो मानव स्वास्थ्य भी संतुलित रहता है, जबकि पर्यावरणीय असंतुलन और प्रदूषण अनेक प्रकार के रोगों का कारण बनते हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तीव्र औद्योगीकरण, अनियंत्रित शहरीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण वायु, जल, भूमि एवं ध्वनि प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुके हैं। इसका प्रतिकूल प्रभाव सीधे मानव स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है।

प्रदूषण से उत्पन्न प्रमुख रोग

वैद्य (प्रो.) दिनेश्वर प्रसाद ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण निम्नलिखित रोगों की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है–

एलर्जिक राइनाइटिस (नाक की एलर्जी),दमा (ब्रोंकियल अस्थमा)

क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस एवं सीओपीडी

बार-बार होने वाले श्वसन संक्रमण,त्वचा रोग एवं विभिन्न प्रकार की एलर्जी,नेत्रशोथ, आंखों में जलन

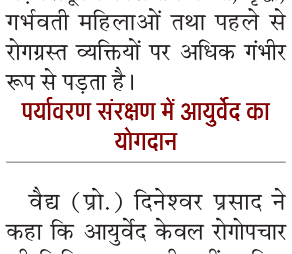

एवं खुजली,सिरदर्द एवं माइग्रेनउच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग,,मानसिक तनाव, चिंता एवं अनिद्रा,प्रतिरक्षा शक्ति में कमी कुछ प्रकार के कैंसर एवं अन्य जीर्ण रोग,उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण का प्रभाव बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से रोगग्रस्त व्यक्तियों पर अधिक गंभीर रूप से पड़ता है।

पर्यावरण संरक्षण में आयुर्वेद का योगदान

वैद्य (प्रो.) दिनेश्वर प्रसाद ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगोपचार की चिकित्सा प्रणाली नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन जीने का संपूर्ण विज्ञान है। आयुर्वेद में वर्णित दिनचर्या, ऋतुचर्या, सद्वृत्त, स्वच्छता, संतुलित आहार-विहार एवं प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करते हैं।

आयुर्वेद निम्नलिखित उपायों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

औषधीय पौधों का संवर्धन

जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण,प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग,जैविक एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाना,रासायनिक एवं प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना,स्वच्छ वायु एवं स्वच्छ परिवेश के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना,स्थानीय वनस्पतियों एवं जैव विविधता का संरक्षणउन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं आयुर्वेद में वृक्षों और वनस्पतियों को केवल औषधि ही नहीं बल्कि जीवन का आधार माना गया है। आज के समय में पर्यावरण संरक्षण का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय अधिकाधिक वृक्षारोपण है।प्रदूषण जनित रोगों के प्रबंधन में आयुर्वेद की उपयोगितावैद्य (प्रो.) दिनेश्वर प्रसाद ने बताया कि आयुर्वेद प्रदूषण जनित रोगों के केवल लक्षणों को दबाने के बजाय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता (व्याधिक्षमत्व) को बढ़ाने, दोषों के संतुलन तथा शरीर की शुद्धि पर बल देता है।ऐसे रोगों के प्रबंधन में निम्नलिखित आयुर्वेदिक उपाय उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं–दोष एवं प्रकृति के अनुसार औषधियों का प्रयोगरसायन चिकित्सा द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता का संवर्धनपंचकर्म चिकित्सा द्वारा शरीर का शोधननस्य कर्म द्वारा श्वसन तंत्र एवं ऊर्ध्वजत्रुगत अंगों की सुरक्षाअभ्यंग एवं स्वेदन द्वारा शारीरिक संतुलनयोग, प्राणायाम एवं ध्यान द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धनउचित आहार-विहार एवं जीवनशैली परामर्शउन्होंने विशेष रूप से कहा कि एलर्जी, दमा, श्वसन तंत्र के विकारों तथा प्रदूषण जनित अनेक रोगों में चिकित्सकीय परामशार्नुसार नस्य, वमन, विरेचन, बस्ति एवं अन्य पंचकर्म प्रक्रियाएं आदि हैं।

उपयोगी सहायक चिकित्सा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

औषधीय एवं पर्यावरण हितैषी पौधों के रोपण की अपील

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वैद्य (प्रो.) दिनेश्वर प्रसाद ने नागरिकों से अपील की कि वे केवल सजावटी पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे औषधीय एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण करें जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ परिवार के स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी सहायक हों।उन्होंने बताया कि घरों के आंगन, बरामदे, बालकनी, गैलरी, छत तथा आसपास की खाली भूमि में तुलसी, गिलोय, घृतकुमारी (एलोवेरा), पुदीना, लेमनग्रास, कर्पूरवल्ली (अजवाइन पत्ता), ब्राह्मी, अश्वगंधा, निर्गुण्डी, शतावरी, कालमेघ, गुड़हल एवं सदाबहार जैसे पौधे आसानी से लगाए जा सकते हैं। ये पौधे वायु की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ अनेक सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में उपयोगी हैं।

उर्वरक माफियाओं पर सख्त कार्रवाई : 29 एफआईआर, 208 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द

- बिहार में उर्वरकों की भरपूर उपलब्धता, कालाबाजारी पर कृषि विभाग का बड़ा शिकंजा
- किसानों को पर्याप्त खाद, अनियमितता पर जीरो टॉलरेंस : विजय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि राज्य में किसानों के लिए उर्वरकों की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 30 जून 2026 तक राज्य में 2.40 मीट्रिक टन यूरिया, एक मीट्रिक टन डीएपी, 1.25 मीट्रिक टन एनपीके और 0.55 मीट्रिक टन एसएसपी की जरूरत है, जबकि 3 जून 2026 तक राज्य में 3.76 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.54 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.38 लाख मीट्रिक टन एनपीके तथा 1.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। माननीय मंत्री मीठापुर स्थित कृषि विभाग में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री रोकने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है। उर्वरक दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है और अनियमितता की सूचना मिलने पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष 3 जून 2026 तक अनियमितता के विरुद्ध 29 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 208 प्रतिष्ठानों के उर्वरक प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं। इन कार्रवाइयों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल लगातार शिकायतों की जांच कर रहा है। राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी अथवा जमाखोरी संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रखंडवार उर्वरकों का उप-आवंटन स्थानीय आवश्यकता एवं आच्छादन के आधार पर किया जाए तथा प्रतिष्ठानों के पॉस मशीन में प्रदर्शित स्टॉक और भौतिक स्टॉक का नियमित सत्यापन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में उर्वरकों की अवैध निकासी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है।

जिलावार कार्रवाई की जानकारी देते हुए माननीय मंत्री ने बताया कि पूर्वी चंपारण में 323 दुकानों की जांच में 18 दुकानों में अनियमितता पाई गई, जिनमें 8 दुकानदारों पर प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 5 की अनुज्ञप्ति रद्द की गई। पश्चिम चंपारण में 343 दुकानों की जांच के दौरान 25 दुकानों में अनियमितता मिली, जिनमें 1 प्राथमिकी दर्ज की गई और 3 लाइसेंस रद्द किए गए। वहीं सीतामढ़ी में 590 दुकानों के निरीक्षण में 46 दुकानों में अनियमितता पाई गई, जिनमें 2 प्राथमिकी दर्ज की गईं तथा 7 लाइसेंस रद्द किए गए। श्री सिन्हा ने बताया कि सीमावर्ती 7 जिलों में कुल 2,573 दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 275 दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके परिणामस्वरूप 19 प्राथमिकी दर्ज की गईं, 123 दुकानों की अनुज्ञप्ति रद्द की गई तथा 85 दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया। कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महीने में एक दिन डीसीएलआर राजस्व कर्मचारियों के साथ करेंगे बैठक : दिलीप

- दाखिल-खारिज और परिमार्जन के मामलों को डिफेक्ट चेक के नाम पर न लटकाएं, फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान को दें गति
- दाखिल-खारिज से पहले सरकारी भूमि की सूची से मिलान जरूर करें

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर)महीने में एक दिन किसी शनिवार को राजस्व कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करें। इस हेतु शीघ्र विभाग से विस्तृत दिशा निर्देश जारी किया जाएगा। राजस्व विभाग की जिलावार समीक्षा के क्रम में माननीय मंत्री ने छठे दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सारण, नवादा और भागलपुर जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। माननीय मंत्री ने कहा कि दाखिल खारिज करने से पहले सरकारी भूमि की सूची से मिलान करके ही दाखिल खारिज करने की जरूरत है। इसमें लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी भूमिहीन परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। सभी अंचल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें शीघ्र भूमि उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि कई अंचलों में पात्र लाभुकों को अनफिट घोषित किए जाने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे मामलों की जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।समीक्षा के दौरान सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। माननीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी सीसी 4आवेदन को अस्वीकृत करने से पहले संबंधित आवेदक से संवाद अवश्य करें। इससे आम लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा और प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। डॉ. जायसवाल ने कहा कि हड़ताल के दौरान लंबित हुए मामलों के कारण आवेदनों का दबाव बढ़ा है। अब जबकि कार्य सामान्य रूप से शुरू हो चुका है, अधिकारियों को अतिरिक्त कार्य क्षमता के साथ काम करते हुए लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन करना होगा। उन्होंने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी एवं अन्य जनसरोकार से जुड़े राजस्व मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने का निर्देश दिया। मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले 15 दिनों के भीतर लंबित मामलों के निष्पादन में उल्लेखनीय प्रगति दिखनी चाहिए। एक पखवाड़े बाद पुनः समीक्षा की जाएगी और अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा राजस्व सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है।

आवास बोर्ड की वर्षों से खाली पड़ी जमीन का होगा बेहतर उपयोग, बनेंगे घर : मंत्री

- आधुनिक आवास और मजबूत आधारभूत संरचना पर सरकार का फोकस

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. के. पी. महादेवास्वामी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, बिहार राज्य आवास बोर्ड के एमडी निलेश देवरे तथा एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक श्री प्रदीप शर्मा भी उपस्थित थे। बैठक में विशेष रूप से आवास बोर्ड की वर्षों से रिक्त पड़ी भूमि का उपयोग करते हुए नए आवासीय परिसरों के निर्माण की योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न आय वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती आवास उपलब्ध कराना है। साथ ही, भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित कर शहरी विकास को नई गति प्रदान की जाएगी। साथ ही, परियोजना के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं से युक्त सुव्यवस्थित आवासीय परिसरों के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

मिश्रा ने कहा कि बिहार सरकार राज्य के शहरी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा आम नागरिकों को बेहतर आवासीय और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। बैठक के दौरान राज्य में आधारभूत संरचनाओं के विकास, आधुनिक आवासीय परियोजनाओं के निर्माण तथा शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि राज्य में बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए आवासीय एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अनुभवी एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास को भी नई गति मिलेगी। बैठक में एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा राज्य में संभावित परियोजनाओं के क्रियान्वयन, तकनीकी सहयोग तथा निवेश संबंधी पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है कि एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, जिसे देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण एवं परियोजना प्रबंधन सेवाओं के लिए जाना जाता है।

चापाकलों की जल्द मरम्मति कराएं, गर्मी में बाधित नहीं हो पेयजल : मंत्री

- मंत्री संजय कुमार सिंह ने पूर्णिया प्रक्षेत्र के योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री संजय कुमार सिंह ने पूर्णिया प्रक्षेत्र की समीक्षा बैठक की। विभाग में बुधवार को आयोजित इस बैठक में विभाग के स्तर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित जिलों के अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन, पेयजल आपूर्ति की स्थिति, जलापूर्ति योजनाओं के संचालन, ऑपरेटरों के मानदेय भुगतान तथा जनशिकायतों के निष्पादन की समीक्षा की गई। भीषण गर्मी की परिस्थितियों को देखते हुए मंत्री ने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं की नियमित निगरानी, आवश्यक मरम्मत कार्यों में तेजी तथा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में बंद पड़े सभी चापाकलों की मरम्मती 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजनों को गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल की किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि चापाकल ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल का महत्वपूर्ण स्रोत हैं और उनकी कार्यशीलता बनाए रखना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि कोई जलापूर्ति योजना बंद पाई जाती है तो संबंधित संवेदक एवं जिम्मेदार कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मंत्री ने जलापूर्ति योजनाओं के संचालन के लिए कार्यरत ऑपरेटरों के मानदेय भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सुचारू संचालन में ऑपरेटरों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनके मानदेय के भुगतान में किसी प्रकार की अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। मंत्री ने सीजीआरसी (सेंट्रलाइज्ड ग्रिवांस रेड्रेसल सेल) एवं सहयोग शिविर साथ ही अन्य माध्यमों पर जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के निदेशों के आलोक में जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं समय की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि भीषण गर्मी को देखते हुए सुबह एवं शाम की जलापूर्ति अवधि में एक-एक घंटे की वृद्धि सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। मंत्री ने अधिकारियों के कार्य निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग किए जाने की बात कहते हुए निर्देश दिया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले शीर्ष 5 पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 5 अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जवाबदेही एवं बेहतर कार्य संस्कृति के माध्यम से विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं सहायक अभियंता को प्रत्येक सप्ताह में कम स कम एक दिन क्षेत्र में भ्रमण कर योजनाओं के सुचारू संचालन का निरीक्षण करेंगे। मंत्री ने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के बेहतर संचालन एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से आम जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। इस बैठक में विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार, अभियंता प्रमुख सह विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद एवं अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

टेंडर व पोस्टिंग माफिया रिशु श्री एवं भ्रष्ट अधिकारियों पर चुप्पी क्यों? : राठौड़

पटना। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा है कि रिशु श्री प्रकरण के जांच में शिथिलता और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और इस मामले पर सरकार चुप्प क्यों है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि इतने हाई प्रोफाइल केस में छः आईएएस अधिकारियों का खुलेआम नाम आया और उसमें मात्र दो आईएएस को सस्पेंड कर इस मामले में केवल खानापूर्ति की कवायद की गई है जो कहीं न कहीं इस मामले पर पर्दा डालने के लिए किया गया कृत्य प्रतीत होता है। सेवा विस्तार श्रृंखला के एक आईएएस अधिकारी आनंद किशोर को एक दशक तक एक ही पद पर बनाए रखा गया उन्हें लगातार सेवा विस्तार दिया जा रहा है जबकि इस मामले में उनका नाम भी प्रमुखता से आया है। भ्रष्ट अधिकारियों का नेक्सस बिहार जैसे गरीब राज्य को आर्थिक नुकसान पहुंचा पीछे धकेल रहा है और टेंडर की मध्यस्थता करने वाले दलाल करोड़ो की संपत्ति अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार मुखर होकर गैर जरूरी मुद्दों पर भी बयानबाजी करते हैं और भाषणों में लगातार अपनी सक्रियता जाहिर करते हैं लेकिन ऐसी कौन सी ताकत है जो उन्हें इस रिशु श्री प्रकरण पर बोलने से रोक लेती है और उन्हें मौन धारण करना पड़ता है ? आखिर कोई टेंडर और पोस्टिंग दलाल इतना कैसे मजबूत हो जाता है कि सूबे के मुख्यमंत्री को मौन धारण करना पड़ जाता है ? उनसे बिहार को उम्मीद है और इस तरह का बड़ा मामला उनके समक्ष है, उन्होंने हिम्मत भी दिखाई और दो आईएएस को सस्पेंड भी किया लेकिन अन्य आईएएस जिनका नाम सार्वजनिक है, उनपर जांच या सस्पेंशन अब तक क्यों नहीं किया जा रहा है, यह आश्चर्य का विषय है। इस मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए अन्य भ्रष्ट अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो और सरकार अपनी सक्रियता दिखाएंगे।

मुजफ्फरपुर घटना के प्रति सरकार और मंत्री का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल में हुए हृदय विदारक घटना में अनेकों मरीज की मौत और आग में झुलसने की घटना पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का मुजफ्फरपुर नहीं जाकर दिल्ली जाना यह बताने के लिए काफी है की बिहार में सरकार में बैठे हुए लोगों की मानवीय संवेदना समाप्त हो चुकी है और मानवता के प्रति इनकी कोई हमदर्दी नहीं है। ये लोग सत्ता में बैठकर मलाई तो काटते हैं, लेकिन आम जनता के मुसीबत में भलाई के लिए उनके साथ खड़े नहीं होते हैं, सरकार में कैसे-कैसे लोग बैठे हुए हैं यह स्पष्ट हो गया। एजाज अहमद इस तरह के मामले पर जनता दल यु,भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के नेताओं को जवाब देना चाहिए की क्या सरकार में बैठे हुए लोगों को हमदर्दी और संवेदना से मतलब नहीं है। अनेकों मरीज के आज में झुलसने और उनकी मौत के बाद भी मुजफ्फरपुर हमदर्दी और सहानुभूति के लिए पीड़ित परिवार से मिलने निशांत कुमार का नहीं जाना, इसको क्या कहा जाएगा। और जब मरीज के पीड़ित परिवार के प्रति सहानुभूति के लिए इनके पास समय और शब्द नहीं है तो इसी से समझा जा सकता है की सरकार में बैठे हुए हम लोगों के प्रति कितने गंभीर है। आखिर क्या कारण है की स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार जी मुजफ्फरपुर नहीं जाकर दिल्ली चले गए जबकि उनका मुजफ्फरपुर में इनका रहना आवश्यक था, ऐसे समय में जब मानवता के प्रति सहानुभूति के लिए उनका दो शब्द उन पीड़ित परिवारों के लिए जरूरी था तब वो दिल्ली के लिए चले गए।

मुजफ्फरपुर के अस्पताल में आग लगने की घटना ने सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने की दर्दनाक घटना में हुई मौत पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटना ने एनडीए सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था और निजी अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की पोल खोल कर रख दी है। इस तरह की घटना बिहार सरकार की घोर लापरवाही और स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली का उदाहरण है। बिहार सरकार की विफलता है राजद प्रवक्ता ने कहा कि अस्पतालों में सुरक्षा मानकों और अग्नि ।सुरक्षा के मानकों का सही ढंग से पालन किया गया होता, तो इस तरह की घटना नहीं घटती। राज्य सरकार के संरक्षण में राज्यभर में बिना किसी नियम-कानून का कुकरमुत्तों की तरह निजी अस्पताल चल रहा है। सरकार का निजी अस्पतालों पर कोई नियंत्रण नहीं है। सरकारी अस्पताल में लचर व्यवस्था के कारण मरीज निजी अस्पताल में इलाज कराने जाते हैं, जहाँ मरीजों को आर्थिक रूप से लूटा जाता है। निजी अस्पतालों के लचर व्यवस्था के कारण मरीजों को जान तक गमानी पड़ती है।

अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में 1048 शिक्षकों की बहाली होगी : मंत्री

- अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र पासवान ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में एससी-एसटी वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष रूप से संचालित डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति जल्द होगी। इसके लिए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग ने बिहार लोक सेवा आयोग को 1048 पदों (प्रधानाध्यापक एवं अध्यापक) पर नियुक्ति के लिए अधियाचना सौपी गई है। ये बातें एससी-एसटी कल्याण विभाग के माननीय मंत्री श्री लखेंद्र पासवान ने कही। मंत्री गुरुवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में माननीय मंत्री ने विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और 100 दिनों की कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में माननीय मंत्री श्री पासवान ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों को शीघ्र भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में सफाई कर्मी, नाई, माली समेत कई कर्मियों के लिए 365 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। सहयोग शिविर के बारे में मंत्री जी ने कहा कि विकसित बिहार बनाने में इसकी अहम भूमिका है। मंत्री ने बताया कि चार प्रखंडों में 720 क्षमता वाले नए डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इनमें वैशाली जिले का पातेपुर, पश्चिम चंपारण जिले का नरकटियागंज, मुजफ्फरपुर जिले का मीनापुर और खगड़िया जिले का खगड़िया प्रखंड शामिल हैं। इसके अलावा, 18 जिलों में स्वीकृत सावित्रीबाई फुले छात्रावासों का निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जनता के लिए महत्वपूर्ण किसी भी मामले से उन्हें तुरंत अवगत कराया जाए। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की है, जिसमें एससी-एसटी विभाग का भी अन्य विभागों के साथ अहम भूमिका है। इसके अलावा अत्याचार अधिनियम के तहत 121 आश्रितों की नियुक्ति की गई है। सरकार हर प्रखंड में डॉ अम्बेडकर कल्याण छात्रावास स्थापित करने जा रही है तथा हर विधानसभा क्षेत्र में डॉ भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय खोलने की योजना पर भी काम चल रहा है। बिहार महादलित विकास मिशन के अंतर्गत महादलित टोलों में सामुदायिक भवन सह वर्कशेड निर्माण कार्य चल रहा है। अब तक 4983 सामुदायिक भवन पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 1025 का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री पासवान ने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर पुडकलकट्टी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंत्री समेत अन्य ने की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जन संपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार समेत अन्य प्रमुख नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर बुधवार को मुलाकात की। मंत्री के साथ बिहार विधानसभा में जदयू के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ संजय गांधी, जिला परिषद एवं पंचायती राज समिति के सभापति दुलालचंद्र गोस्वामी, आश्वासन समिति के सभापति श्री पन्ना लाल पटेल और आवास समिति के सभापति नागेंद्र चन्द्रवंशी ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी जन प्रतिनिधियों ने विधानसभा की विभिन्न समितियों के सभापति पद का दायित्व सौंपे जाने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सभी नव मनोनित जन प्रतिनिधियों ने विश्वास दिलाया कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वह्न पुरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जबाबदेही के साथ निभाउंगा।पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमारजी ने सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की सेवा, विकास, कार्यों की निगरानी तथा लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण में विधानसभा के समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होनें आशा व्यक्त किया कि सभी प्रतिनिधि अपने दायित्वों का निर्वह्न पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे।

अस्पताल में अगलगी के घटना की होगी उच्च स्तरीय जांच, मंत्री ने जताया गहरा दुख

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में आग लगने की दुखद घटना में मरीजों की मृत्यु पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि यह अत्यन्त पीड़ादायक और हृदय विदारक घटना है, जिससे पूरा समाज मर्माहत है। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति उन्होंने गहरी संवेदना प्रकट की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि राज्य सरकार इस घटना को अत्यन्त गंभीरता से ले रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए तत्काल उच्च स्तरीय टीम गठित कर जांच की जायेगी।

सरकारी सेवकों के पुराने कदाचार पर भी गिरेगी गाज: अनुशासनिक कार्रवाई की तैयारी

पटना। राज्य सरकार ने प्रशासनिक जवाबदेही और अनुशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब विभिन्न विभागों में कार्यरत सरकारी सेवकों के संविदा अथवा आउटसोर्सिंग सेवा अवधि के दौरान किए गए कदाचार पर भी अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकेगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी कर्मी का बाद में नियमित सरकारी सेवा में नियुक्त हो जाना उसके पूर्व के कदाचार पर कार्रवाई में बाधक नहीं होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेन्दर की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि ऐसे मामलों में आरोप प्रमाणित होने पर संबंधित सरकारी सेवक के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के प्रावधानों के अनुरूप दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभाग के संज्ञान में कुछ ऐसे मामले आए हैं, जिसमें संबंधित व्यक्तियों द्वारा संविदा नियोजन अथवा बाह्य सेवा प्रदाता (आउटसोर्सिंग एजेंसी) के माध्यम से सेवा देने के दौरान कथित कदाचार किया गया था।

पूर्व मंत्री स्व भोला प्रसाद सिंह के सुपौत्र अमित अक्षय ने थामा जदयू का दामन

शिक्षित, जागरूक और ऊजार्वान युवाओं की पहली पसंद बन रही है जदयू : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित मिलन समारोह में पूर्व मंत्री स्व भोला प्रसाद सिंह के सुपौत्र अमित अक्षय ने जदयू का दामन थामा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उन्हें सदस्यता रसीद प्रदान कर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। उक्त मौके पर मंत्री श्रवण कुमार, अशोक चैधरी, मदन सहनी, डॉ श्वेता गुप्ता, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधायक पन्ना लाल पटेल, सिद्धार्थ पटेल, डॉ मांजरिक मृणाल, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, अनिल कुमार एवं लोकप्रकाश सिंह सहित अनेक गणमान्य नेता उपस्थित रहे।इस दौरान श्री कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की नीतियों, विचारों तथा स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की युवा एवं दूरदर्शी सोच से प्रभावित होकर अमित अक्षय जदयू परिवार से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि जनता दल यू हमेशा से युवाओं को अवसर देने और उनकी प्रतिभा का सम्मान करने वाली पार्टी रही है। यही कारण है कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके शिक्षित, जागरूक एवं ऊजार्वान युवा लगातार पार्टी से जुडे.रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि अमित अक्षय की शिक्षा, अनुभव और ऊर्जा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संचालित जदयू महासदस्यता अभियान 2025-28 ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। पार्टी ने 1 करोड़ प्राथमिक सदस्य बनाने के लक्ष्य को पार करते हुए 1 करोड़ 1 हजार 925 प्राथमिक सदस्य बनाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रदेश, जिला, प्रखंड, पंचायत एवं बूथ स्तर के सभी पदाधिकारीगण तथा समर्पित कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमित अक्षय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की भागीदारी से संगठन को मिलेगी नई मजबूती : इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि अमित अक्षय की सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रही है।

जदयू की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर उन्होंने पार्टी की नीतियों और नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया है। बड़ी संख्या में युवा पार्टी से जुड़ रहे हैं और अमित अक्षय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की भागीदारी से संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

रांटी प्रकरण को लेकर माकपा का डीएम कार्यालय पर दो दिवसीय धरना शुरू

मधुबनी। रांटी में कथित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और गरीब परिवारो के घरों को क्षति पहुंचाए जाने के विरोध में भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला इकाई ने गुरुवार से जिला पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष दो दिवसीय धरना शुरू किया। धरना का नेतृत्व जिला सचिव मनोज कुमार यादव ने किया। धरना को संबोधित करते हुए नेताओं ने प्रशासन पर गरीब एवं दलित परिवारों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। माकपा नेताओं ने रांटी मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि यदि निर्धारित अवधि में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। धरना में राम नरेश यादव, शशिभूषण प्रसाद, रामजी यादव, उमेश राय, सोनधारी यादव, राजेश मिश्र सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टॉल प्लाजा के निकट अतिक्रमित सरकारी भूमि पर चला बुलडोजर

मनिगाछी(दरभंगा)। राजे टॉल प्लाजा के निकट लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमित सड़क की जमीन को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में डी एम दरभंगा द्वारा टास्क फोर्स गठित कर गुरुवार को मुक्त कराया गया।यह जमीन एन एच ए आई की थी जिसे लोगों ने अवैध रूप से अतिक्रमित कर लिया था।सीओ रविकांत ने बताया कि राजे टोल प्लाजा से लेकर मनीगाछी क्षेत्र के सभी अतिक्रमित जमीन को खाली कराया गया। लोगों के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग की जमीन पर अतिक्रमण कर दुकान, घर आदि बना लिया गया था जिसे तोड़ कर खाली करा दिया गया।. अतिक्रमण खाली करने के वक्त कुछ लोगों द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस के सामने उसकी एक न चली। मौके पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

अनियंत्रित बस के ठोकर से चार जवान घायल, एक की स्थिति गंभीर

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के बीच गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दूसरे दिन कंसी नरकटिया चौक के समीप एक अनियंत्रित बस ने ड्यूटी पर तैनात चार जवानों को ठोकर मार दी। हादसे में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि तीन अन्य को हल्की चोटें आई हैं। बताया जाता है कि एनएच-27 पर सिमरी थाना क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन, एनएचएआई एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम अभियान चला रही थी। इसी दौरान दिन के करीब ढाई बजे दिल्ली से लोकहा जा रही बस (संख्या वढ63अळ-8337) कंसी नरकटिया चौक के पास अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे मौजूद जवानों को अपनी चपेट में ले लिया। बस चालक मधुबनी जिले के मधेपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-7 सुंदर विराजीत निवासी कपिलेश्वर यादव के पुत्र अखिलेश्वर यादव (38) ने बताया कि बस दिल्ली से लोकहा जा रही थी। कंसी नरकटिया चौक के समीप अचानक ब्रेक फेल हो गया। इसी दौरान दाहिनी ओर से एक ट्रक आ रहा था, जिसे बचाने के प्रयास में बस बाईं ओर चली गई और सड़क किनारे मौजूद जवान घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल जवानों को तत्काल इलाज के लिए डीएमसीएच भेजा गया। सिमरी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि हादसे के बाद बस समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें चालक अखिलेश्वर यादव, बस कंडेक्टर वीरेंद्र कुमार एवं संतोष कुमार शामिल हैं। तीनों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि जिला हाईवे सुरक्षा टास्क फोर्स के निर्णय के आलोक में एनएच-27 को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन ने पहले माइकिंग कर लोगों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की थी। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दरभंगा जिला के विकास को लेकर विधायक ईश्वर मंडल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से की मुलाकात

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सूबे के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात कर मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक पारंपरिक पाग एवं शॉल पहनाकर किया भव्य स्वागत। इस अवसर पर विधायक श्री मंडल ने दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र सहित जिले भर के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं एवं समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। दोनों के बीच राज्य के विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण तथा जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधायक ईश्वर मंडल द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया तथा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई विधायक श्री मंडल ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो को और गति मिलेगी तथा आम जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यशैली व संगठन के प्रति प्रतिबद्धता प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत : पप्पू सिंह

● भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले भाजपा दरभंगा पूर्वी जिला महामंत्री संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)। भारतीय जनता पार्टी के दरभंगा पूर्वी जिला महामंत्री संजय सिंह पप्पू सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्नेह, एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। भेंट के दौरान संगठन की मजबूती, राष्ट्रहित, जनसेवा तथा पार्टी की भावी रणनीतियों सहित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। पप्पू सिंह ने कहा कि नितिन नवीन जी के विचार, कार्यशैली एवं संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके अनुभवों और मार्गदर्शन से उन्हें जनसेवा एवं संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली है।युवाओ का उनके प्रति बढ़ते लगाव से भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी।श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र राष्ट्र सर्वोपरी है और राष्ट्रीय अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में भाजपा के संगठन विस्तार मे पुरे देशभर में धार आएगा।जनकल्याण एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों को नई गति प्रदान कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नवीन जी के नेतृत्व में भाजपा संगठन और अधिक सशक्त होकर जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के साथ भाजपा पूरे देश मे मजबुती के साथ काम करेगी।

मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में सिंडिकेट की बैठक, कई निर्णय लिया गया

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में सिंडिकेट की बैठक कुलपति के आवासीय सभागार में आयोजित की गई, जिसमें प्रो हरि नारायण सिंह, प्रो दिलीप कुमार चौधरी, प्रो अशोक कुमार मेहता, प्रो विजय कुमार यादव, मीना झा तथा कुलसचिव डॉ दिव्या रानी हंसदा आदि ऑफलाइन मोड में, जबकि डॉ वैद्यनाथ चौधरी ह्यबैजूह्व, प्रो नारायण झा, प्रो विमल कुमार चौधरी, डॉ अमर कुमार, डॉ सविता वर्मा, डॉ शिखर वासनी आदि ऑनलाइन मोड में उपस्थित हुए। सदस्यों द्वारा मुद्दों पर विचारोप्रान्त कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें सिंडिकेट की गत 26 मई तथा 3 जून की संपन्न बैठकों में लिए गए निर्णयों की संपुष्टि की गई। परीक्षा का ससमय संचालन एवं समर्थ पोर्टल के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सीनेट की जून में प्रस्तावित सामान्य (शैक्षणिक) बैठक को तत्काल स्थगित करने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित सभी तालाबों के किनारे यथासंभव चारों ओर पाथ वे (फुटपाथ) बनवाने तथा बैठने हेतु कुर्सियां लगाने का निर्णय लिया गया। बिजली के लोड डिस्ट्रीब्यूशन को नियंत्रित करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक इंजीनियर से सलाह लेकर लगभग पांच-पांच विभागों के लिए अलग-अलग ट्रांसफार्मर लगवाने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा की दृष्टि से सभी जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी निर्णय लिया गया। वहीं कुलपति आवासीय कार्यालय परिसर में शीघ्र ही नये सिंडिकेट हाल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ दिव्या रानी हांसदा ने किया।

स्वास्थ्य सेवाओं और शहरी विकास कार्यों पर विधानसभा समिति सख्त

शून्यकाल समिति की बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा

● अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। बिहार विधानसभा की शून्यकाल समिति ने गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग तथा नगर विकास एवं आवास विभाग से जुड़े जनहित के मामलों और विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बिहार विधानसभा के विस्तारित भवन स्थित समिति हॉल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता शून्यकाल समिति के सभापति एवं मधुबनी विधायक माधव आनंद ने की।बैठक में लंबित शून्यकाल सूचनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तथा शहरी क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। समिति ने विभागीय अधिकारियों से लंबित मामलों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता तथा आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। वहीं नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत सड़क, नाला, जल निकासी, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित योजनाओं की प्रगति का भी आकलन किया गया। समिति ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता की समस्याओं के समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मधुबनी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित स्वास्थ्य एवं शहरी विकास परियोजनाओं तथा लंबित योजनाओं पर भी विशेष चर्चा की गई। बैठक के बाद सभापति माधव आनंद ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों का प्रभावी समाधान और विकास योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं शहरी विकास के क्षेत्र में बेहतर कार्यान्वयन से आम लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मिथिला मिल्क यूनियन किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के समर्था दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का 11वां भव्य बोनस वितरण समारोह समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संचालन राज कुमार सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत सचिव अमरेंद्र कुमार, नरेश सिंह, संगीता देवी आदि ने किया। आरंभ पंडित हरि किशोर झा ने मंगलाचरण से किया। समारोह को एम एम यू के अध्यक्ष उमेश राय, प्रबंध निदेशक रविन्द्र कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष श्याम शंकर प्रसाद ठाकुर, निदेशक मंडल सदस्य राजीव कुमार मिश्र, विनोद पंडित, ब्रम्हदेव महतो, बैजनाथ राय, अंजू देवी, इंदू देवी, राम प्यारी देवी, मंजू देवी, मिथिलेश प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, त्रिभुवन,डॉ अभिजीत कुमार, रमेन्द्र कुमार झा, रमाकांत सिंह आदि ने संबोधित किया। मौके पर समिति के 177 सदस्यों के बीच 301898 रुपये बोनस अतिथियों के द्वारा वितरण किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान मौजूद थें।

एडीजे जावेद आलम को मिथिला परंपरा के साथ भावभीनी विदाई

दरभंगा। जिला न्यायमंडल दरभंगा में एडीजे जावेद आलम को उनके स्थानांतरण के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में आयोजित समारोह में उन्हें मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग एवं चादर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि जावेद आलम का स्थानांतरण बिहार सरकार के निगरानी विभाग, पटना में संयुक्त सचिव (विधि) पद पर किया गया है। इस संबंध में निगरानी विभाग के अपर सचिव द्वारा अधिसूचना जारी की गई है।

उपभोक्ताओं की राहत के लिए सक्रिय दिखा जिला प्रशासन मधुबनी में एलपीजी व पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार

● उपभोक्ताओं की चिंता दूर करने में जुटा जिला प्रशासन, गैस व ईंधन आपूर्ति पूरी तरह सामान्य

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रित है। जिला प्रशासन ने बताया कि 4 जून 2026 तक जिले में 35 हजार 885 एलपीजी गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। प्रशासन द्वारा जिलेभर में गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। प्रशासन के अनुसार विभिन्न तेल कंपनियों के माध्यम से जिले में नियमित गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में जिले में कुल 99 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। पूर्व में की गई जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर चार गैस एजेंसियों को सील भी किया गया था। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।आंकड़ों के अनुसार 2 मार्च से 3 जून 2026 तक जिले में कुल 13 लाख 9 हजार 345 गैस बुकिंग दर्ज की गई है। वहीं, 3 जून को एक दिन में 14 हजार 702 बुकिंग प्राप्त हुई, जबकि उसी दिन जिले को 15 हजार 266 गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई।जिला प्रशासन ने सभी गैस वितरकों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि किसी एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूली जाती है, अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है अथवा वितरण में लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने आम उपभोक्ताओं से अनावश्यक गैस बुकिंग नहीं करने, घरेलू गैस का उपयोग केवल घरेलू कार्यों में करने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध भंडारण की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की है। शिकायत या सूचना के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06276-222576 पर संपर्क किया जा सकता है।इधर जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर भी पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। 4 जून को जिले में 953.7 हजार लीटर पेट्रोल तथा 1089.8 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक दर्ज किया गया। प्रशासन ने लोगों से पेट्रोल-डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की अपील करते हुए कहा है कि संपूर्ण स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सहयोग शिविर से जनता की समस्याओं के समाधान पर जोर, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

● जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने अंतर विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

● विकास योजनाओं, जन शिकायतों और न्यायालयीन मामलों की गहन समीक्षा

मधुबनीं। जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से आयोजित अंतर विभागीय समन्वय बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं, जन शिकायतों, राजस्व वसूली, न्यायालयीन मामलों तथा कार्यालय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया।जिलाधिकारी ने सहयोग शिविर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर विशेष बल देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं पंचायतों में जाकर आमजन की समस्याओं का समाधान करने तथा सभी आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जन शिकायतों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनता दरबार, मुख्यमंत्री जनता दरबार, सीपीग्राम तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से राजस्व एवं शिक्षा विभाग को एक सप्ताह के भीतर लंबित मामलों का निपटारा करने को कहा गया। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश देते हुए सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को बड़ी राशि वाले कम-से-कम पांच मामलों का चयन कर शीघ्र कार्रवाई करने को कहा।विकास योजनाओं की समीक्षा में सड़क निर्माण कार्यों में बाधा बन रहे पेड़ों एवं विद्युत पोलों को संबंधित विभागों के समन्वय से हटाने तथा अतिक्रमण से जुड़े मामलों को ह्लमधुबनी फर्स्ट पोर्टलह्व पर अपलोड कर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सूचना का अधिकार, मानवाधिकार, सीपीग्राम, जनता दरबार तथा माननीय उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग एवं भू-अर्जन विभाग में सर्वाधिक लंबित न्यायालयीन मामले पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह के भीतर ठोस प्रगति लाने का निर्देश दिया। वहीं सीपीग्राम में राजस्व शाखा में लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर भी जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों और न्यायालयीन मामलों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नये डिग्री कॉलेजों में जुलाई से होगी पठन-पाठन शुरू : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी दरभंगा कौशल कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित होने वाले डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई।जिसमें कुशेश्वरस्थान, कुशेश्वरस्थान पूर्वी, किरतपुर, तारडीह, हनुमाननगर, सिंहवाड़ा, गौड़ाबौराम एवं अलीनगर प्रखंड के डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों ने भाग लिये। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित डिग्री कॉलेजों में आगामी 1 जुलाई से पठन-पाठन का नियमित संचालन शुभारंभ होगा। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी डिग्री कॉलेजों में उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संस्थानों में आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उप विकास आयुक्त को आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए शीघ्र निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन विभाग के अभियंताओं से विभिन्न शैक्षणिक अवसंरचना विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिले के डिग्री कॉलेजों में चहारदीवारी निर्माण, रंग-रोगन, चिन्हित विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।उन्होंने सभी संबंधित अभियंताओं को निर्देश दिया कि स्वीकृत निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए,ताकि विद्यार्थियों को बेहतर एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जुलाई माह से संबंधित संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ होनी हैं। बैठक में उप विकास आयुक्त स्वप्निल,जिला शिक्षा पदाधिकारी विद्यानंद ठाकुर, संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन विभाग के अभियंता उपस्थित थे।

डीवाईएफआई खोकसाहा शाखा का तीसरा सम्मेलन संपन्न

शिवजी राय अध्यक्ष और कैलाश कुमार बने सचिव

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। भारत की जनवादी नौजवान सभा खोकसाहा शाखा का तीसरा सम्मेलन संस्कृत विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता पप्पू राउत ने की। मुख्य अतिथि डीवाईएफआई राज्य कमिटी सदस्य कृष्णमूर्ति ने उद्घाटन भाषण में सरकार की युवा विरोधी नीतियों, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर तीखा हमला बोला और युवाओं से एकजुट होने की अपील की।सम्मेलन में सर्वसम्मति से 13 सदस्यीय नई कमिटी का गठन किया गया, जिसमें शिवजी राय को अध्यक्ष और कैलाश कुमार को सचिव चुना गया। इसके साथ ही मुकेश कुमार उपाध्यक्ष, मंटून कुमार व मनटुन पासवान संयुक्त सचिव और दुर्गा पासवान कोषाध्यक्ष बने। जिला कमिटी सदस्य विजय कुमार ने सम्मेलन का समापन किया। इस दौरान आगामी 7 जून को होने वाले 13वें विभूतिपुर अंचल सम्मेलन के लिए 7 प्रतिनिधियों का भी चुनाव किया गया।

विकास के 12 साल पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बेनीपुर(दरभंगा)। दरभंगा पूर्वी जिला भाजपा द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम तथा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी पिंटू झा ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनय पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी राधेश्याम झा, प्रदीप प्रधान, राहुल करण, संतोष झा, शंकर भगवान पूर्वे, मंडल अध्यक्षों में प्रवीण झा, प्रदीप गुप्ता, महेश प्रसाद सिंह, सुधीर सिंह, रंजीत मिश्रा, चंदन ठाकुर, पंकज कंठ, घनश्याम चौधरी सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों को पौधे वितरित किए गए तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया।

शहीद संजीत स्मृति क्लब से विभिन्न सरकारी पदों पर चयनित सदस्यों को किया गया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत सिंघिया घाट स्थित जनता महाविद्यालय परिसर में निशुल्क शिक्षण संस्थान शहीद संजीत स्मृति क्लब द्वारा आयोजित शहीद संजीत के 21 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समारोह में सहित संजीत स्मृति क्लब से सरकारी सेवा में विभिन्न पदों पर चयनित होने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। जिसमें बिहार पुलिस कांस्टेबल पद पर चयनित विद्या भारती, काजल कुमारी, काजल कुमारी, प्रिया कुमारी, मधुमाला कुमारी, रिंकू कुमारी, धर्मेंद्र कुमार, राजू कुमार, शिपी कुमारी, नवज्योति कुमारी, डॉली कुमारी, राहुल कुमार, तबरेज, अंजलि कुमार, अनिता कुमारी, अशोक कुमार, सुजीत कुमार, सचिन कुमार, रेलवे एनटीपीसी में सफल होने वाले शमा परवीन, संतोष कुमार, छोटू कुमार, सौरभ श्रीवास्तव, मनीष कुमार, सुभाष रंजन, रेलवे टेक्नीशियन पद पर चयनित सोनू कुमार, सौरव कुमार, गुड्डू कुमार को सम्मानित किया गया। मौके पर कृष्ण कुमार, कुमारजीत, अनिल कुमार, शोभित कुमार, अजीत कुमार आर्यन, रोहित कुमार, अरुण, अमन, सुबोध, सुजीत, राजा, जयप्रकाश, कंचन परवीन, रंजीत, अमरदीप, सुरेंद्र, विकास, शशि प्रकाश, मुकेश, सरोज कुमार, पंकज कुमार, मुकेश निराला, रानी कुमारी, रीना कुमारी, प्रज्ञा, ममता, काजल, प्रिया, दिलीप कुमार, सतीश कुमार, अमित कुमार विद्यार्थी, दीपक, संतोष, प्रगति, जावेद, राकेश, श्रवण, राहुल रंजन, उमेश कुमार आदि मौजूद थे।

शहीद संजीत के 21 वीं पुण्यतिथि पर मेगा टेस्ट प्रतियोगिता आयोजित

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत सिंघियाघाट स्थित जनता महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क शिक्षण संस्थान शहीद संजीत स्मृति क्लब द्वारा शहीद संजीत की 21 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता अमरदीप कुमार एवं संचालन सचिन कुमार ने किया। श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ मुख्य अतिथि बहुत ही पुराना चला अधिकारी रणधीर रमन, अमरदीप कुमार, प्रमोद कुमार, संजय कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर एवं शहीद संजीत के फोटो पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। वक्ताओं ने शहीद संजीत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके बताएं पथ पर चलने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया एवं सफलता तलाश में की नई-नई तरकीब बताया।वहीं शहीद संजीत के 21 वीं पुण्यतिथि पर 500 छात्र-छात्राओं के बीच जेनरल कंपटीशन का एक मेगा टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।मौके पर राम यतन प्रसाद, शिक्षाविद तथा शहीद संजीत का सहपाठी दीपक कुमार, राम पुकार सिंह, नवीन कुमार, अर्जुन कुमार, सुनील कुमार, राकेश कुमार, राम कैलाश सिंह दीपक कुमार, जनता महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य राम बहादुर सिंह, राम पदार्थ महतो,प्रेमचंद कुमार, महेंद्र महतो,उपेंद्र महतो आदि मौजूद थे।

प्रसाद हास्पिटल में भयानक अग्निकांड, 5 मरीजों की झुलसकर मौत, 20 से अधिक मरीज घायल

● परिजनों के चीत्कार से दहला अस्पताल परिसर

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। दिल्ली के मालवीयनगर होटल में हुए भीषण अग्निकांड के दूसरे दिन गुरुवार के अहले सुबह शहर के एक निजी अस्पताल में भयानक अग्निकांड हुआ। ब्रह्मपुराण स्थित प्रसाद हास्पिटल में करीब चार बजे सुबह पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू मे लगे ऐसी में भयानक विस्फोट हुआ।जबतक लोग कुछ समझ पाते तबतक आग की लपटें उठने लगीं। पूरा आईसीयू धुएं से भर गया। बताया जाता है कि उस वक्त आईसीयू में 15 मरीज भर्ती थे। इनमें 5 की बुरी तरह जलकर मौत हो गई। जिलाधिकारी ने तीन मरीजों के मौत की पुष्टि की है।लगभग 20 अन्य घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन,एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा समेत बड़ी संख्या में आलाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया।खिड़की -दरवाजे तोड़ कर मरीजों को बाहर निकाला गया तथा उन्हें बेहतर इलाज हेतु दूसरे अस्पतालों में भेजा गया। फायर बिग्रेड की 13 छोटी-बड़ी गाडियों की सहायता से आग पर काबू पाया जा सका। ताज्जुब की बात यह रही कि अस्पताल में आग लगने के बाद वहां के तमाम कर्मचारी मरीजों को छटपटाता हुआ छोड़ भाग खड़े हुए थे।इसभीषण अग्निकांड ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर बने आईसीयू वार्ड में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में धुआं पूरे भवन में फैल गया। ऐसी स्थिति में लोग अपनी जान पर खेल कर मरीजों को बाहर निकालने में लगे रहे।हादसे के समय आईसीयू में गंभीर मरीज भर्ती थे। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। श जानकारी के अनुसार आग आईसीयू से शुरू हुई और धुएं के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ती गई। आग लगने के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आईसीयू और अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों को तत्काल बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया। घना धुआं फैलने से कई मरीजों और उनके परिजनों को सांस लेने में परेशानी हुई। अस्पताल के भीतर मौजूद लोगों ने जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें मौके पर पहुंच गईं। बचावकर्मियों ने मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। ।दसे में अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जिनमें शिवहर जिले के विशंभरपुर निवासी और एलआईसी एजेंट उदय कुमार, कथैया थाना क्षेत्र के दिस्तौलिया गांव की गीता देवी, औराई के रतनपुरा निवासी शशांक कुमार, मीनापुर के गोरिगमा डीह निवासी कृष्णनंदन सिंह तथा चंचला वर्मा शामिल हैं।उदय कुमार पिछले चार-पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनकी ब्रेन सर्जरी हुई थी और वह रिकवरी की प्रक्रिया में थे। घटना के समय उनकी पत्नी नीलू देवी, सास बच्ची देवी, बेटा सत्यम, बेटी आकांक्षा और साला नीतीश अस्पताल में मौजूद थे। परिजनों ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही वे दौड़कर ऊपर पहुंचे, लेकिन तब तक उदय कुमार आग और धुएं की चपेट में आ चुके थे। उनकी मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। दिस्तौलिया गांव की गीता देवी शुगर और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थीं। उनका डायलिसिस चल रहा था और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके पुत्र अनीश ठाकुर ने बताया कि हादसे में उनकी मां की जान नहीं बच सकी।वहीं 78 वर्षीय कृष्णनंदन सिंह 22 मई से अस्पताल में भर्ती थे। जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आईसीयू में 13 मरीजों के भर्ती होने का रिकॉर्ड मिला है। हालांकि आग की घटना में अस्पताल का कंप्यूटर सिस्टम पूरी तरह जल गया, जिससे मरीजों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रभावित हुई हैं।डीएम ने बताया कि आईसीयू प्रभारी भी इस हादसे में घायल हुए हैं और उनका इलाज दूसरे अस्पताल में चल रहा है। इसके कारण कई आवश्यक सूचनाएं तत्काल उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। प्रशासन अब अस्पताल के उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य स्रोतों के आधार पर घटनाक्रम की पड़ताल कर रहा है। अस्पताल के रिकॉर्ड प्रभावित होने के कारण प्रशासन की टीम मरीजों और उनके परिजनों से जानकारी जुटाने में लगी है। अधिकारियों का कहना है कि मरीजों की पहचान, भर्ती की स्थिति और अन्य तथ्यों का सत्यापन परिजनों के सहयोग से किया जा रहा है।

बूढ़ी गंडक बागमती लिंक परियोजना में आ रही बाधाओं को दूर करने का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।बूढ़ी गंडक एवं बागमती नदी को जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना के कार्य में आ रही बाधाओं के समाधान को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने शिवहर के जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के साथ अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षा बैठक की। बैठक में परियोजना की प्रगति तथा अवरोधों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने आयुक्त को अवगत कराया कि शिवहर जिले में परियोजना के लगभग 4.70 किलोमीटर लंबे अलाइनमेंट क्षेत्र में स्थानीय रैयतों द्वारा कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। इस पर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजना क्षेत्र में जहां कहीं भी अतिक्रमण है, उसे नियमानुसार हटाया जाए। साथ ही स्थानीय रैयतों एवं प्रभावित लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन लोगों का पुनर्वास अपेक्षित है, उनके लिए सरकार के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रशासनिक एवं कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए लंबित समस्याओं का शीघ्र निष्पादन करें, ताकि बूढ़ी गंडकझ्रबागमती लिंक परियोजना का कार्य तेजी से पूरा हो सके। उन्होंने परियोजना को क्षेत्र के विकास एवं जल प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य शीघ्र पूर्ण कराने पर बल दिया।

प्रसाद नर्सिंग होम अग्निकांड पर विधायक ने जताया शोक

मुजफ्फरपुर। राज्य के पूर्व मंत्री व कांटी विधायक अजीत कुमार ने प्रसाद नर्सिंग होम में हुए अग्निकांड में हताहत लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि इस तरह की हृदय विदारक घटना हम सबको झकझोड़ दिया है। हम बेहद दुखी हैं। मृतक आत्मा की शांति एवं इस बेहद दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार को धैर्य धारण कराने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। वहीं, उन्होंने इस अग्निकांड में सभी मृतक के परिजन को अस्पताल प्रबंधन की ओर से 50 -- 50 लाख रुपया मुआवजा देने की भी मांग की है। श्री कुमार इस मामले को लेकर गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव कुमार रवि से भी मिले तथा उनसे इस पूरी घटना क्रम की उच्च स्तरीय जांच करने एवं सुरक्षा मानकों को दुरुस्त करने का आग्रह किया। श्री कुमार ने प्रधान सचिव से बिहार के अंदर सुरक्षा मानक के विपरीत चलाए जा रहे नर्सिंग होम को तुरंत बंद करने एवं आम लोगों को चिकित्सा के नाम पर लूटे जाने से बचाने का भी आग्रह किया। प्रधान सचिव ने श्री कुमार के बातों को गंभीरता से लेते हुए कहा की प्रसाद नर्सिंग होम अग्निकांड की जांच सरकार के अधिकारी कर रहे हैं।

बूढी दादी बनीं हिम्मत की मिसाल, आईसीयू में धुआं फैलते ही खुद बचाई अपनी जान

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बीच एक 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला की बहादुरी और सूझबूझ की कहानी चर्चा का विषय बनी हुई है। मुशहरी प्रखंड के छपरा मेघ गांव निवासी राधा देवी ने उस वक्त अद्भुत साहस का परिचय दिया, जब अस्पताल के आईसीयू में आग लगने के बाद चारों ओर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मची हुई थी। जानकारी के अनुसार, राधा देवी को बीपी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद प्रसाद हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। गुरुवार सुबह वह जाग रही थीं, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आईसीयू में घना धुआं भरने लगा। देखते ही देखते पूरे वार्ड में दहशत का माहौल बन गया और मरीजों व उनके परिजनों में भगदड़ मच गई। ऐसे भयावह हालात में जहां लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे, वहीं 95 वर्षीय राधा देवी ने असाधारण साहस दिखाया। उन्होंने बिना घबराए अपने चेहरे से ऑक्सीजन मास्क हटाया और हाथ में लगी सलाइन की सुई स्वयं निकाल दी। इसके बाद वह स्ट्रेचर से उठीं और तेजी से बाहर निकलने की कोशिश करने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राधा देवी की हिम्मत और तत्परता ने उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिस उम्र में लोग सहारे के बिना चल भी नहीं पाते, उस उम्र में उन्होंने संकट की घड़ी में जिस सूझबूझ का परिचय दिया, वह सभी को प्रेरित कर रहा है। गौरतलब है कि गुरुवार सुबह प्रसाद हॉस्पिटल की पांचवीं मंजिल स्थित आईसीयू में अचानक आग लग गई थी। आग के बाद पूरे अस्पताल में धुआं फैल गया और मरीजों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान चलाना पड़ा। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 से अधिक मरीज घायल हुए हैं। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। इस दुखद हादसे के बीच राधा देवी की बहादुरी की कहानी लोगों के लिए उम्मीद और साहस की मिसाल बन गई है। 95 वर्ष की उम्र में उनका जज्बा यह साबित करता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत और सूझबूझ इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती है।

एसकेएमसीएच में एईएस के सभी वायरस की जांच शुरू, अब पटना नहीं भेजने होंगे सैंपल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में चमकी बुखार (एईएस) के मामलों की त्वरित पहचान और इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बड़ी सुविधा शुरू कर दी गई है। अब एईएस से जुड़े विभिन्न वायरस और बैक्टीरिया की जांच एसकेएमसीएच में ही की जा रही है, जिससे मरीजों की रिपोर्ट पहले की तुलना में काफी तेजी से उपलब्ध हो सकेगी। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूनम कुमारी ने बताया कि अब एईएस से संबंधित किसी भी प्रकार की जांच के लिए सैंपल को पटना स्थित आरएमआरआई भेजने की आवश्यकता नहीं है। विभाग में अत्याधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं और विभिन्न वायरसों की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में अब हरपीज वायरस-1 एवं 2, साइटोमेगालो वायरस, जापानी इंसेफेलाइटिस , मम्प्स, मीजल्स, लेप्टोस्पायरा बैक्टीरिया तथा वेरिसेला जोस्टर वायरस की जांच की जा रही है। इससे एईएस के वास्तविक कारणों की शीघ्र पहचान संभव हो सकेगी। एसकेएमसीएच के अधीक्षक डॉ. महेश प्रसाद ने कहा कि सभी आवश्यक जांच सुविधाएं शुरू होने से मरीजों की रिपोर्ट अब तत्काल उपलब्ध हो रही है। पहले सैंपल पटना भेजे जाने के कारण रिपोर्ट आने में काफी समय लग जाता था, जिससे इलाज और रोग की पहचान में देरी होती थी। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि स्थानीय स्तर पर जांच की सुविधा उपलब्ध होने से एईएस प्रभावित बच्चों के इलाज में तेजी आएगी और चिकित्सकों को बीमारी के कारणों का पता लगाने में मदद मिलेगी। यह सुविधा उत्तर बिहार के मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित होगी, खासकर एईएस के मौसम में जब बड़ी संख्या में मरीज एसकेएमसीएच पहुंचते हैं।

प्रसाद अस्पताल अग्निकांड : क्षमता से अधिक बेड लगाने की बात आई सामने, जांच में जुटा प्रशासन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर होने लगी है। जिला प्रशासन की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अस्पताल के आईसीयू की क्षमता 13 मरीजों के इलाज की थी, लेकिन वहां 15 बेड लगाए गए थे। हादसे के बाद प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आईसीयू में 13 मरीजों के भर्ती होने का रिकॉर्ड मिला है। हालांकि आग की घटना में अस्पताल का कंप्यूटर सिस्टम पूरी तरह जल गया, जिससे मरीजों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रभावित हुई हैं। डीएम ने बताया कि आईसीयू प्रभारी भी इस हादसे में घायल हुए हैं और उनका इलाज दूसरे अस्पताल में चल रहा है। इसके कारण कई आवश्यक सूचनाएं तत्काल उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। प्रशासन अब अस्पताल के उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य स्रोतों के आधार पर घटनाक्रम की पड़ताल कर रहा है। अस्पताल के रिकॉर्ड प्रभावित होने के कारण प्रशासन की टीम मरीजों और उनके परिजनों से जानकारी जुटाने में लगी है। अधिकारियों का कहना है कि मरीजों की पहचान, भर्ती की स्थिति और अन्य तथ्यों का सत्यापन परिजनों के सहयोग से किया जा रहा है। प्रसाद अस्पताल में हुए इस अग्निकांड ने निजी अस्पतालों में सुरक्षा मानकों और क्षमता से अधिक मरीजों को भर्ती किए जाने के मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी प्रकार की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल हादसे के कारणों और अस्पताल प्रबंधन की भूमिका की जांच जारी है। पूरे मामले पर प्रशासन की नजर बनी हुई है और पीड़ित मरीजों व उनके परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

अभिनन्दन संस्था द्वारा लोक उत्सव का हुआ आयोजन

मुजफ्फरपुर। अभिनन्दन मुजफ्फरपुर द्वारा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सांस्कृतिक संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक कला, लोक संस्कृति पर आधारित लोक उत्सव 2026 का आयोजन बिहार बाल भवन किलकारी में दीप प्रज्वालित कर किया गया।पूनम कुमारी ने कहा कि किसी भी देश का विकास वहां की संस्कृति से होता है, और संस्कृति का विकास लोक संस्कृति से। स्वर्णिम कला केन्द्र की संस्थापिका संस्कृतिकर्मी उषा किरण श्रीवास्तव ने कहा कि कि लोक संस्कृति की समृद्ध परंपरा को सहेजने और आगे बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होने की जरुरत हैं। समाजसेवी सोनू सरकार ने बताया की जब देश कला संस्कृति के लिए बनारस और कोलकाता को देखा करता था तब बनारस और कोलकाता मुजफ्फरपुर की ओर देखता था। इस अवसर पर मुख्य रुप से अविनाश कुमार, अरुण कुमार, सोनू सरकार शम्भु मोहन प्रसाद,सीआरपी कमीशनरी रिसोर्स पर्सन पूर्णिमा बाला,सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी रश्मि आनंद,कायनात आफरीन, सीमा कुमारी, गौरीशंकर मिश्रा, अरुनीमा, अमन राज, सोनू कुमार, सौरभ कुमार, सुजाता कुमारी, रूपा पाठक, राजू सहनी, आशीष राज, बब्लू कुमार, राजीव कुमार, अर्पिता कुमारी, कृष्णनंदन कुमार, प्रियंका चौधरी मौजूद थे। लोक गायिका अनिता कुमारी ने बज्जिका लोक गीत गाछी में कुहके कोयलिया हे तनी हुनका बुला द,लोक गायक कलाकार सुनील कुमार ने लीचीया लाले लाल बिहार बाल भवन किलकारी के नृत्य विधा के बच्चों द्वारा सामा चकेवा,निंदिया के मातल दूल्हा लोकगीत पर भाव नृत्य एवं संगीत विधा के बच्चों द्वारा सांसो की माला गीत की प्रस्तुति दी गई। स्वर्णिम कला केन्द्र के सुभांगी सुमन, स्वेता श्रीवास्तव, काजल कुमारी, लिली कुमारी, अनिशा कुमारी द्वारा झिझिया, कजरी, झूमर लोक गीत लोक नृत्य की प्रस्तुति दी मंच संचालन अनिल कुमार ठाकुर द्वारा किया गया।

मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड : स्वास्थ्य मंत्री की चुप्पी पर राजद ने उठाए सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड में पांच लोगों की मौत के बाद बिहार की राजनीति भी गर्मा गई है। घटना के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के रवैये को लेकर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में आग लगने की घटना के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार पटना एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हो गए। उनके साथ जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय झा भी मौजूद थे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने जब मंत्री से मुजफ्फरपुर अग्निकांड को लेकर सवाल पूछना चाहा तो उन्होंने हाथ जोड़कर अभिवादन किया और बिना कोई जवाब दिए आगे बढ़ गए। संजय झा ने भी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अस्पताल में आग लगने से लोगों की मौत होना बेहद दुखद घटना है और ऐसे मामलों में सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को कम से कम पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करनी चाहिए थी और यह आश्वासन देना चाहिए था कि घटना की जांच होगी तथा दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जिस विभाग की जिम्मेदारी मंत्री के पास है, उससे जुड़ी इतनी बड़ी घटना पर उनकी चुप्पी सरकार की संवेदनहीनता और अनुभवहीनता को दशार्ती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मंत्री ही इस मामले पर कुछ नहीं कहेंगे तो जांच और जवाबदेही की बात कौन करेगा। हालांकि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग लगने से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन को घायलों की सुरक्षा और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाने के आदेश दिए गए हैं तथा पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि निशांत कुमार पूरे मामले को लेकर बेहद गंभीर और संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस घटना से मर्माहत है और विस्तृत जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभिषेक झा ने कहा कि किसी मंत्री के सार्वजनिक बयान भर से जवाबदेही पूरी नहीं हो जाती। सरकार इस मामले की तफ्तीश कर रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुजफ्फरपुर अग्निकांड को लेकर जहां प्रशासनिक जांच जारी है, वहीं अब इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष सरकार की भूमिका पर सवाल उठा रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल घटना की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई का भरोसा दिला रहा है।

प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लिया स्वत: संज्ञान

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में हुए दर्दनाक अग्निकांड को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने स्वतः संज्ञान लिया है। घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों एवं प्रभावित मरीजों को न्याय और सहायता दिलाने के लिए प्राधिकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुजफ्फरपुर, सुश्री श्वेता कुमारी सिंह ने घटना को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकार के सचिव श्री तेज कुमार प्रसाद को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद गुरुवार को सचिव श्री तेज कुमार प्रसाद अपनी टीम के साथ प्रसाद हॉस्पिटल पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधक मो. आशिफ तथा अन्य कर्मियों से घटना के कारणों एवं अस्पताल में मौजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिससे आईसीयू कक्ष में धुआं भर गया और दम घुटने से पांच मरीजों की मौत हो गई। डीएलएसए की टीम ने अस्पताल प्रबंधन से प्रभावित मरीजों और मृतकों के परिजनों से संबंधित विस्तृत जानकारी भी ली। सचिव श्री तेज कुमार प्रसाद ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी पीड़ित मरीजों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा सरकारी प्रावधानों के तहत उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार सभी प्रभावित परिवारों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराएगा और मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में भी सहयोग करेगा। इसके साथ ही उपस्थित पारा लीगल वॉलंटियर्स को निर्देश दिया गया कि वे पीड़ित परिवारों की पहचान कर उनसे संपर्क स्थापित करें और आवश्यकता अनुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। प्राधिकार की इस पहल से हादसे से प्रभावित परिवारों को कानूनी सहायता और सरकारी राहत योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कांटी विधायक ने मंत्री से की संगठन को मजबूत करने पर चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सर्किट हाउस परिसर में बुधवार को बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार पहुंचे। इस दौरान जदयू के कांटी विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार, मीनापुर विधायक अजय कुमार कुशवाहा व सकरा विधायक आदित्य कुमार ने ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार से मुलाकात किया एवं उनका स्वागत किया। वही, कांटी विधायक अजीत कुमार ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार से पार्टी संगठन को मजबूत करने एवं क्षेत्र के जनहित के मुद्दे पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई है जिसके उपरांत उन्होंने हर संभव इसके निदान करवाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम के साथ आश्वासन दिये है। श्री कुमार ने कहा कि जदयू पार्टी के सर्वमान्य नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पार्टी संगठन को लगातार मजबूत करने में लगे हुए हैं। श्री कुमार ने कहा कि पार्टी के सर्वमान्य नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र सह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार भी सूबे में दौरा कर पार्टी को मजबूत बनाने में अग्रसर भूमिका निभा रहे हैं इससे पार्टी नेताओं के साथ-साथ कार्यकताओं में काफी जोश व उमंग है एवं लोगों में काफी विश्वास की भावना उत्पन्न हुई हैं। इस मौके पर कांटी विधायक अजीत कुमार के अलावा मीनापुर विधायक अजय कुशवाहा एवं सकरा विधायक आदित्य कुमार भी उपस्थित थे।

आग लगने से तीन परिवारों का आशियाना जला, लाखों की क्षति

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड की हत्था पंचायत अंतर्गत गगराहा गांव के वार्ड संख्या-4 में गुरुवार सुबह आग लगने की घटना में तीन परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। आग लगने से घर में रखे सभी सामान जलकर नष्ट हो गए, जिससे पीड़ित परिवारों के सामने संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद दुलारे, मोहम्मद प्यारे तथा मोहम्मद रिजवान(पिता-अब्दुल मजीद) के घरों में आग लग गई। बताया जा रहा है कि मक्का के ठठेरा से चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा था। इसी दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी से आ लग गयी देखते हीं देखते आग की लपटें तेज हो गयी और घर को अपनी चपेट में ले लिया।लोग जबतक कुछ समझ पाते आग फैल गई। आग की लपटें तेजी से फैलने के कारण आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घरों में रखा कपड़ा,बर्तन,अनाज,सामान आदि जल चुका था। घटना में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। घटना की सूचना हत्था थाना और बन्दरा अंचल प्रशासन को दे दी गई है। मामले में बन्दरा के अंचलाधिकारी अंकुर राय ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को मौके पर जांच के लिए भेजा गया है। आवश्यक सरकारी कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित परिवारों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा गजेन्द्र मोक्ष प्रसंग स्वामी लक्ष्मणाचार्य ने बताई गुरु की महिमा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सकरा प्रखंड के फिरोजपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के चौथे दिन हरिहरक्षेत्र पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी लक्ष्मणाचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं को गजेन्द्र मोक्ष की कथा सुनाते हुए गुरु की महत्ता और भगवान की भक्ति का संदेश दिया। अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि गजेन्द्र मोक्ष का प्रसंग सभी कल्पों में घटित हुआ है। उन्होंने बताया कि गजेन्द्र पूर्व जन्म में पाण्यदेश का एक राजा था, जिसे गुरु के श्राप के कारण हाथी का जन्म प्राप्त हुआ। कथा के माध्यम से उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना गुरु के भवसागर से पार पाना कठिन है। संसार के सभी प्राणी, चाहे वे स्थावर-जंगम हों या कीट-पतंग, किसी न किसी रूप में गुरु के मार्गदर्शन से ही आगे बढ़ते हैं। स्वामी जी ने कहा कि भगवान मनु ने भी वेदों के ज्ञाता, विष्णुभक्त और द्वेषरहित संत को गुरु बनाने की बात कही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि गुरु का चयन सदैव सोच-समझकर करें, क्योंकि सही मार्गदर्शन ही जीवन को सफल बनाता है। गजेन्द्र मोक्ष की कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि जब हाथी अपने परिवार के साथ सरोवर में जल पीने और जलक्रीड़ा करने गया, तभी ग्राह (मगरमच्छ) ने उसका पैर पकड़ लिया। लंबे समय तक संघर्ष के बावजूद उसके साथी उसे बचा नहीं सके। तब गजेन्द्र ने पूरी श्रद्धा से भगवान श्रीहरि का स्मरण किया। भक्त की पुकार सुनकर भगवान श्रीमन्नारायण बिना गरुड़ के ही तत्काल वहां पहुंचे और गजेन्द्र की रक्षा की। उन्होंने कहा कि सांसारिक शक्ति और सामर्थ्य इस लोक तक ही सीमित हैं, परंतु ईश्वर की कृपा और भक्ति ही जीव का वास्तविक सहारा है। भगवान अपने भक्तों की रक्षा स्वयं करते हैं और भक्तों पर अत्याचार करने वालों का अंत निश्चित है। प्रवचन के दौरान स्वामी लक्ष्मणाचार्य ने वामन-बलि चरित्र, भगवान श्रीराम जन्म तथा भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथाओं का भी रसपूर्ण वर्णन किया। कथा के उपरांत नंदोत्सव एवं बधाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में श्रीमद्भागवत जी की आरती, प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अग्निकांड में मृतक के आश्रितों को मिला चार-चार लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान जांच टीम गठित

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में आग लग जाने के कारण पांच व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। इसमें से तीन मुजफ्फरपुर जिला के निवासी हैं। जिलाधिकारी ने मृतक एवं पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना एवं सहानुभूति प्रकट की है। सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार अंचलाधिकारी द्वारा मृतक के निकटतम आश्रित को आपदा प्रबंधन के तहत चार-चार लाख रुपए के अनुग्रह अनुदान की राशि प्रदान कर दी गई है। साथ ही उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा इस घटना में मृत व्यक्तियों की सूची जारी कर दी गई है।इसमे शशांक कुमार पिता संजय कुमार चौधरी ग्राम रतनपुर ,थाना औराई मुजफ्फरपुर, उदय कुमार ,पिता दीनदयाल साह, ग्राम विशंभरपुर जिला शिवहर, कृष्णनंदन सिंह ,पिता स्वर्गीय जानकी सिंह , ग्राम गौरीगामा थाना रामपुर हरि, जिला मुजफ्फरपुर, गीता देवी,ग्राम दिसतौनि, थाना कथैया,मुजफ्फरपुर एवं चंचला वर्मा,पति कुशेश प्रसाद सिन्हा ,ग्राम रूपौली जिला सीतामढी शामिल हैं। सभी मृतकों का शव पोस्टमार्टम के उपरांत उनके निकटतम परिजन को सौंप दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने हॉस्पिटल जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा तत्परता पूर्वक बचाव कार्य चलाया गया। हॉस्पिटल में सभी मरीजों को ट्रेस कर लिया गया है। अब अस्पताल में एडमिट कोई भी मरीज ट्रेसलेस नहीं है।

प्रसाद अस्पताल का मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग

मुजफ्फरपुर । जिले के ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल का मामला अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली और राज्य मानवाधिकार आयोग, पटना के समक्ष पहुँच चुका हैं। विदित हो कि गुरुवार को जिले के ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में अचानक आग लगने के कारण मरीजों की मौत हुई है। इस मामले में जिले के मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा ने दोनों आयोगों में याचिका दाखिल किया हैं। मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने बताया कि यह घटना काफी दुःखद हैं। उन्होंने मानवाधिकार आयोग से रिटायर्ड जज की निगरानी में मामले की उच्च स्तरीय जांच तथा दोषी अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई की मांग की हैं।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

L-No-& ECR/SEE/4025RC02A, दिनांक–02.06.2026. मंडल रेल प्रबंधक/भण्डार/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–खुली निविदा ई–निविदा सूचना सं.–(4025RC02A) आमंत्रित करते है जिसका विवरण निम्न है: **1. कार्य का नाम एवं स्थान:** Rate contract (RC) for empanelment of multiple eligible Service Providers for hiring of Commercial vehicles on Monthly basis for official use by officers/supervisor of Sonpur Divisional territory. **2. कार्य की अनुमानित लागत:** रू. 9,49,39,632/– (नौ करोड़ उनचास लाख उनतालीस हजार छः सौ बतीस मात्र) **3. अग्रिम राशि देय:** रू. 2,45,000/– (दो लाख पैतालीस हजार मात्र) **4. निविदा जमा करने की तिथि एवं समय तथा निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** निविदा जमा करने की तिथि एवं समय 25.06.2026 को 15:00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि एवं समय 25.06.2026 को 15:00 बजे के बाद। **5.** वेबसाइट का विवरण एवं ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है: **www.ireps.gov.in** रेलवे प्रशासन के द्वारा निविदा को किसी भी समय रद्द /स्थगन या परिवर्तन, बिना कारण बताये हुए करने का अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/पूर्व मध्य रेल/सोनपुर

पीआर/0352/एसईई/एसटीओआरई/टी/26–27/36

सम्पादकीय

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

आज मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्संेजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि ह्यगरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है ह्न आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं।

पर्यावरण को बचाने की जरुरत

संजय गोस्वामी

पर्यावरण शब्द परि और आवरण की सन्धि से बना है। पृथ्वी पर रहने वाले सारे जीव इसी आवरण में उत्पन्न होते हैं, फलते-फूलते हैं, तथा मृत्यु के पश्चात इसी में विलीन हो जाते हैं। जीवों का शरीर पृथ्वी, जल, अग्नि, पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। माता पूज्यनीय होती है और पृथ्वी तो माता की भी माता है अतः वह भी पूज्यनीय है। इसीलिए हमारे ऋषियों ने पृथ्वी की पूजा के लिए सभी वेदों में अनेकों मन्त्र बनाये हैं और पृथ्वी के लिए हमें अपना जीवन तक बलिदान करने की शिक्षा दिया है। हमारे ऋषि वायु की शुद्धता की महिमा से भी परिचित थे। इसीलिए उन्होंने पवन को देवता माना और ऑक्सीजन को प्राण वायु कहा है। उन्होंने वायु की शुद्धता बनाये रखने के लिए कई प्रकार के यज्ञों का विधान भी बनाया था। इसी प्रकार अग्नि को भी देवता माना गया है। ऋग्वेद में अग्नि की पूजा बार-बार की गयी है। अग्नि ही नहीं प्रकृति के हर घटक से, जो कि हमें जीवन और आरोग्य प्रदान करते हैं, देवता मान कर उन्हें पूजा गया है। हमारे ऋषियों ने हमें पर्वतों, ग्रहों, सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, पत्थर, पेड़, वायु, जल सभी को पूजने और आदर करने की शिक्षा दिया है। कालान्तर में मानव ने अपने विज्ञान का दुरुपयोग करते हुए अपने पोषण के अतिरिक्त अपने निहित स्वार्थ, अहंकार और अपने को प्रभावशाली सिद्ध करने के लिए प्रकृति का दोहन आरम्भ कर दिया। अधिक से अधिक विलासिता पूर्ण जीवन की इच्छा ने उसे हिन्सक बना दिया। उसने घर, वस्त्र, वाहन इत्यादि के लिए जंगलों, पर्वतों, भूगर्भ-स्थित खनिजों, जल इत्यादि का दुरुपयोग इतना अधिक कर दिया कि सन्सार के पेड़ों की संख्या अरबों गुना कम हो गयी। पर्वतों को तोड़ डाला, भूगर्भ-स्थित खनिजों का इतना दोहन किया कि आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा।जनसंख्या विस्फोट, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वनविनाश, अत्यधिक चराई, झूम कृषि तथा खनन गतिविधियाँ भूमि संसाधनों के क्षरण के प्रमुख कारण हैं। इनके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों एवं पेस्टीसाइड्स पर आधारित पारम्परिक कृषि भी भूमि क्षरण का एक प्रमुख कारण है। हरित क्रान्ति के आगमन से कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा शाकनाशकों के अंधाधुन्ध प्रयोग से न केवल वातावरण प्रदूषित हुआ है, अपितु भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने वाले सूक्ष्मजीवों की जनसंख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की गयी है जिससे मृदा की पैदावार शक्ति में कमी आयी है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों विशेषकर यूरिया के प्रयोग से भूमि अम्लीय हो जाती है। अम्लीय मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे कापर तथा जिंक पौधों को उपलब्ध नही हो पाते हैं। इसके अतिरिक्त इस प्रकार की मृदा में आमतौर से कैल्शियम तथा पोटैशियम तत्वों का अभाव होता है। इसलिए इस प्रकार की मृदा में फसल की पैदावार में गिरावट आ जाती है। खेती के लिए मृदा का नैसर्गिक स्रोत पृथ्वी की सतह भूमि है। हमारे देश में सामान्यतः कृषि भूमि से अनुमन्य भूक्षरण की दर लगभग 7.5 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष है, परन्तु वर्तमान दर लगभग 20-30 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष तक पहुँच गयी है, जिसमें अधिकतम योगदान पर्वतीय क्षेत्रों का है। यह एक चिन्ता का विषय है जिसके लिए तुरन्त मृदा संरक्षण के उपयुक्त उपाय प्रयोग करना अत्यावश्यक है। मृदा पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत है जो कि जीवन बनाये रखने में सक्षम है किसानों के लिए मृदा का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि किसान इसी मृदा से प्रत्येक वर्ष स्वस्थ व अच्छी फसल की पैदावार पर आश्रित होते हैं बहते हुए जल या वायु के प्रवाह द्वारा मृदा के पृथक्कीकरण तथा एक स्थान से दूसर स्थान तक स्थानान्तरण को ही मृदा अपरदन से प्रभावित लगभग 150 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल है जिसमें से 69 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल अपरदन की गंभीर स्थिति की श्रेणी में रखा गया है मृदा की ऊपरी सतह का प्रत्येक वर्ष अपरदन द्वारा लगभग 5334 मिलियन टन से भी अधिक क्षय हो रहो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 57% भाग मृदा ह्रास के विभिन्न प्रक्ररों से ग्रस्त है जिसका 45% जल अपरदन से तथा शेष 12% भाग वायु अपरदन से प्रभावित है भारत एक कृषि प्रधान देश है, भोजन हमारी मूलभूत आवश्यकता है।

डिजिटल युग में नेटवर्क से नेचर तक

लेकिन सवाल यह है कि जो पौधा मोबाइल के कैमरे के सामने लगाया गया, क्या वह अगले 5 जुलाई तक जिंदा भी रहता है? डिजिटल युग ने हमें जोड़ने का काम किया है, पर क्या इस जुड़ाव ने हमें सचमुच नेचर से जोड़ा है या सिर्फ नेचर की तस्वीरों से? यह सवाल आज सबसे जरूरी है क्योंकि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां हर चीज डेटा, एल्गोरिदम और स्क्रीन पर चलती है, और उसी स्क्रीन पर हम पर्यावरण को भी बचाते हुए दिखते हैं। तकनीक और प्रकृति का रिश्ता विरोधाभासी रहा है। एक तरफ नेटवर्क ने हमें ग्लोबल वार्मिंग, पिघलते ग्लेशियर और विलुप्त होती प्रजातियों की जानकारी रियल टाइम में दी। नासा के क्लाइमेट चेंज पोर्टल से लेकर इसरो के सैटेलाइट मैप तक, आज आम आदमी भी देख सकता है कि सुंदरबन हर साल कितना सिकुड़ रहा है या दिल्ली की एक्यूआई कब 400 पार कर जाती है। गूगल अर्थ इंजन पर कोई भी किसान अपने खेत के पास पिछले 30 साल में हुए जंगल के बदलाव को देख सकता है। एआई मॉडल अब जंगलों में आग लगने की भविष्यवाणी 3 दिन पहले कर देते हैं और ड्रोन से बीज बोने का काम 10 गुना तेजी से हो रहा है।

निरंजन कुमार

लेखक

पर्यावरण दिवस आते ही सोशल मीडिया पर हरे-भरे पौधों की तस्वीरें बाढ़ की तरह उमड़ पड़ती हैं। हर हाथ में एक पौधा, हर कैप्शन में धरती बचाने का संकल्प और हर स्टोरी में हैशटैग। यह दृश्य अब हर 5 जून की पहचान बन चुका है। लेकिन सवाल यह है कि जो पौधा मोबाइल के कैमरे के सामने लगाया गया, क्या वह अगले 5 जुलाई तक जिंदा भी रहता है? डिजिटल युग ने हमें जोड़ने का काम किया है, पर क्या इस जुड़ाव ने हमें सचमुच नेचर से जोड़ा है या सिर्फ नेचर की तस्वीरों से? यह सवाल आज सबसे जरूरी है क्योंकि हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां हर चीज डेटा, एल्गोरिदम और स्क्रीन पर चलती है, और उसी स्क्रीन पर हम पर्यावरण को भी बचाते हुए दिखते हैं। तकनीक और प्रकृति का रिश्ता विरोधाभासी रहा है। एक तरफ नेटवर्क ने हमें ग्लोबल वार्मिंग, पिघलते ग्लेशियर और विलुप्त होती प्रजातियों की जानकारी रियल टाइम में दी। नासा के क्लाइमेट चेंज पोर्टल से लेकर इसरो के सैटेलाइट मैप तक, आज आम आदमी भी देख सकता है कि सुंदरबन हर साल कितना सिकुड़ रहा है या दिल्ली की एक्यूआई कब 400 पार कर जाती है। गूगल अर्थ इंजन पर कोई भी किसान अपने खेत के पास पिछले 30 साल में हुए जंगल के बदलाव को देख सकता है। एआई मॉडल अब जंगलों में आग लगने की भविष्यवाणी 3 दिन पहले कर देते हैं और ड्रोन से बीज बोने का काम 10 गुना तेजी से हो रहा है। तेलंगाना सरकार ने 2022 में एआई और ड्रोन की मदद से 50 लाख सीड बॉल्स गिराए, जिनमें से लगभग 40% अंकुरित हुए। यह तकनीक का वह चेहरा है जो सचमुच नेचर तक पहुंचता है। लेकिन दूसरी तरफ यही नेटवर्क दिखावे का सबसे बड़ा मंच भी बन गया है। पर्यावरण दिवस पर एक दिन का पौधारोपण अभियान चलाना, फोटो खींचना, पोस्ट करना और भूल जाना अब एक पैटर्न बन चुका है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगाए गए कुल पौधों में से केवल 60 से 65% ही तीन साल बाद तक जीवित बचते हैं। शहरी क्षेत्रों में यह दर और गिरकर 40% तक आ जाती है। कारण साफ है: पौधा लगाना इवेंट है, बचाना प्रक्रिया। प्रक्रिया में पानी देना, खाद, जानवरों से सुरक्षा और निराई-गुड़ाई शामिल है, जो कैमरे के दायरे से बाहर है। एआई युग में यह दिखावा और भी शातिर हो गया है। अब एआई जेनरेटेड जंगल की तस्वीरें, डीपफेक वीडियो में हरियाली और फिल्टर से हरे किए गए बैकग्राउंड पोस्ट करके लोग पर्यावरण प्रेमी होने का सर्टिफिकेट ले लेते हैं। जबकि हकीकत यह है कि एक घंटे की वीडियो स्ट्रीमिंग लगभग 55 ग्राम कार्बन उत्सर्जन करती है और एक एआई मॉडल को ट्रेन करने में कई घरों की सालभर की बिजली खर्च हो जाती है। विभिन्न शोध अध्ययनों के अनुसार जीपीटी -3 जैसे बड़े लैंग्वेज मॉडल को ट्रेन करने में 552 टन कार्बन डाइऑक्साइड निकला, जो 123 पेट्रोल कारों के सालभर चलने के बराबर है। यानी जिस फोन से हम पेड़ लगाने की सेल्फी डालते हैं, उसी फोन का डेटा सेंटर कहीं न कहीं एक पेड़ काटने के बराबर कार्बन पैदा कर रहा है। इसको समझने के लिए हमें नियम और कानून की जमीन पर भी उतरना होगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। वन संरक्षण अधिनियम 1980 के तहत किसी भी जंगल की जमीन को गैर-वानिकी कार्य के लिए बदलने से पहले केंद्र की अनुमति जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 केंद्र को किसी भी क्षेत्र में प्रदूषण रोकने के लिए नियम बनाने की शक्ति देता है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 ने पर्यावरण से जुड़े मामलों के तेजी से निपटारे के लिए अलग न्यायालय बनाया। 2023 में लाया गया वन संरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 ने जंगल की परिभाषा को और स्पष्ट किया, हालांकि कुछ पर्यावरणविदों ने इसके दुरुपयोग की आशंका भी जताई। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम 2016 और उसके 2022 के संशोधन ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई। ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 ने इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों पर उनके उत्पाद के निपटान की जिम्मेदारी डाली, जिसे एढफ यानी एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी कहते हैं। इन कानूनों के बावजूद जमीन पर पालन एक चुनौती है। ठत्र्क्ष्ठ में 2023 में ही पर्यावरण उल्लंघन के 3000 से ज्यादा मामले दर्ज हुए। इसका मतलब कानून हैं, पर निगरानी और नीयत में कमी है। अब जब एआई युग में हम हैं तो कानूनों को भी डिजिटल होना पड़ेगा। कैमरा आधारित सर्विलांस से जंगलों की कटाई पकड़ी जा सकती है। क्रफ्ड का भूवन पोर्टल पहले ही सैटेलाइट से अवैध खनन ट्रैक कर रहा है। ब्लॉकचेन तकनीक से हर लगाए गए पेड़ को एक यूनिक डिजिटल आईडी दी जा सकती है, जिससे उसकी जियो-टैग लोकेशन, लगाने की तारीख और बाद की ग्रोथ फोटो समय-समय पर अपलोड हो। अगर 6 महीने तक कोई अपडेट नहीं आया तो सिस्टम खुद अलर्ट जारी कर दे। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में वन विभाग ने ह्नवृक्ष लागवड ट्रैकर ऐपह्न शुरू किया है जहां पौधा लगाने वाला व्यक्ति हर महीने फोटो अपलोड करता है। ऐसा मॉडल पूरे देश में लागू हो तो सोशल मीडिया की दिखावे वाली हरियाली की जगह असली हरियाली का डेटा मिलेगा। एआई यहां एक ऑडिटर की भूमिका निभा सकता है। सैटेलाइट इमेज से हर तिमाही में ग्रीन कवर की गणना करके यह बताया जा सकता है कि पिछले पर्यावरण दिवस पर लगाए गए 10 लाख पौधों में से कितने वास्तव में पेड़ बने। सच्चाई यह भी है कि डिजिटल कार्बन फुटप्रिंट अब नेचर के लिए नया खतरा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट और उससे जुड़े उपकरण वैश्विक बिजली का लगभग 7% इस्तेमाल करते हैं। हर गूगल सर्च से 0.2 ग्राम कार्बन निकलता है। हम दिन में 50 बार इंस्टाग्राम खोलकर पर्यावरण बचाने की रील देखते हैं, पर यह नहीं सोचते कि डेटा सेंटर को ठंडा रखने के लिए लाखों लीटर पानी रोज खर्च होता है।

भारत म्यांमार संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति ह्लाइंग के बीच हुई विस्तृत वार्ता में व्यापार, निवेश, रक्षा, सीमा सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण-पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में भारत और म्यांमार का सहयोग न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, भारत और म्यांमार के बीच संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार से लेकर व्यापारिक संपर्कों तक दोनों देशों का इतिहास एक-दूसरे से जुड़ा रहा है। म्यांमार में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी निवास करती है, जिसने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी दोनों देशों ने अपने संबंधों को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया। भारत की एक्ट ईस्ट नीति में म्यांमार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

भारत और म्यांमार के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के बीच के राजनयिक रिश्ते नहीं हैं, बल्कि यह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और सामरिक महत्व से जुड़े हुए हैं। हाल ही में म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग इंग की भारत यात्रा ने दोनों देशों के संबंधों को एक नई दिशा प्रदान की है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति इंग के बीच हुई विस्तृत वार्ता में व्यापार, निवेश, रक्षा, सीमा सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण-पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में भारत और म्यांमार का सहयोग न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, भारत और म्यांमार के बीच संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार से लेकर व्यापारिक संपर्कों तक दोनों देशों का इतिहास एक-दूसरे से जुड़ा रहा है। म्यांमार में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी निवास करती है, जिसने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी दोनों देशों ने अपने संबंधों को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया। भारत की एक्ट ईस्ट नीति में म्यांमार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह आश्वासन दिया कि म्यांमार की धरती का उपयोग भारत के सुरक्षा हितों के विरुद्ध नहीं होने दिया जाएगा। यह आश्वासन भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा म्यांमार से लगती है। अतीत में कुछ उग्रवादी संगठनों ने सीमा पार क्षेत्रों का उपयोग अपने ठिकानों के रूप में किया था। ऐसे में म्यांमार की ओर से दिया गया यह भरोसा दोनों देशों के बीच विश्वास को और मजबूत करता है। सीमा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने बेहतर समन्वय, संयुक्त गश्त और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान पर भी बल दिया। इससे सीमा पार अपराध, अवैध हथियारों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने में सहायता मिलेगी। भारत और म्यांमार के बीच व्यापारिक संबंधों में अभी भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और निवेश को प्रोत्साहित करने पर सहमति व्यक्त की है। म्यांमार प्राकृतिक गैस, खनिज संसाधनों और कृषि उत्पादों से समृद्ध देश है, जबकि भारत एक विशाल उपभोक्ता बाजार और तकनीकी विशेषज्ञता वाला देश है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती हैं। व्यापार बढ़ने से सीमा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि। रोजगार के नए अवसरों का सृजन। पूर्वोत्तर भारत के विकास को गति। क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती। निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा में लाभ होंगे। भारत पहले से ही म्यांमार में अनेक विकास परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। आने वाले समय में यह निवेश और बढ़ने की संभावना है। भारत की एक्ट ईस्ट नीति का सबसे महत्वपूर्ण आधार म्यांमार है। म्यांमार के माध्यम से भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों तक अपनी आर्थिक और रणनीतिक पहुंच को मजबूत कर सकता है। कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना तथा भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। इससे न केवल व्यापार बढ़ेगा बल्कि क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बैठक के दौरान दोनों देशों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने का निर्णय लिया। भारत लंबे समय से चिकित्सा शिक्षा, दवा निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। म्यांमार में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए भारतीय विशेषज्ञता और तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके अलावा चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं। भारतीय दवा उद्योग म्यांमार को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत और म्यांमार ने शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, छात्रवृत्तियों तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान म्यांमार के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। वहीं संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर संबंधों को और मजबूत करेगा। आज का युग डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। भारत दुनिया के प्रमुख डिजिटल नवाचार केंद्रों में शामिल हो चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों ने एआई और अन्य उभरती तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह सहयोग डिजिटल शासन। साइबर सुरक्षा। स्मार्ट कृषि। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण। शिक्षा में तकनीकी नवाचार। ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हो सकता है।

कम दर्द, तेज रिकवरी: हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी में DAA तकनीक बनी मरीजों के लिए वरदान

डॉ ईश्वर बोहरा

नई दिल्ली। लगातार बढ़ता हिप दर्द, चलने-फिरने में परेशानी और उठने-बैठने के दौरान होने वाली असहजता आज बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को प्रभावित कर रही है। ऐसे मरीजों के लिए अब हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी का एक आधुनिक और अत्याधुनिक विकल्प सामने आया है, जिसे डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच (DAA) टोटल हिप रिप्लेसमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक मरीजों को कम दर्द और तेज रिकवरी का लाभ प्रदान कर रही है। BLK-MAX सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सीनियर डायरेक्टर एवं सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ईश्वर बोहरा के अनुसार, ऊअअ तकनीक पारंपरिक हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में अधिक सुरक्षित, कम दर्दनाक और तेजी से रिकवरी देने वाली प्रक्रिया है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि इस तकनीक में हिप जॉइंट तक शरीर के सामने वाले हिस्से से एक छोटे चीरे के माध्यम से पहुंचा जाता है। पारंपरिक सर्जरी के विपरीत इसमें मांसपेशियों को काटा नहीं जाता, बल्कि उन्हें सावधानीपूर्वक अलग किया जाता है। इससे ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है और मरीज को ऑपरेशन के बाद कम दर्द का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक उन मरीजों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो लंबे समय से हिप दर्द, चलने-फिरने में कठिनाई या एक्स-रे में दिखाई देने वाली गंभीर जॉइंट क्षति से जूझ रहे हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस, एवास्कुलर नेक्रोसिस (AVN), पुराने हिप फ्रैक्चर, रूमेटाइड आर्थराइटिस और लंबे समय से गतिशीलता संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों को इससे विशेष लाभ मिल सकता है। जब दवाइयां, फिजियोथेरेपी और इंजेक्शन राहत देने में असफल हो जाते हैं, तब ऊअअ हिप रिप्लेसमेंट मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. बोहरा के अनुसार, ऊअअ तकनीक के कई फायदे हैं। इसमें छोटा चीरा लगाया जाता है, मांसपेशियों को नुकसान नहीं पहुंचता, रक्तस्राव कम होता है और मरीज जल्दी चलना-फिरना शुरू कर सकता है। अधिकांश मरीज ऑपरेशन वाले दिन ही चलने लगते हैं, अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहते हैं और तीन से चार सप्ताह के भीतर अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट आते हैं। सर्जरी को लेकर मरीजों के मन में रहने वाले दर्द के डर को भी डॉ. बोहरा ने निराधार बताया। उनका कहना है कि आधुनिक दर्द प्रबंधन तकनीकों की मदद से अब ऑपरेशन के बाद होने वाली असुविधा बेहद कम हो गई है और रिकवरी पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक इम्प्लांट 25 वर्षों से अधिक समय तक प्रभावी रह सकते हैं। स्वस्थ वजन बनाए रखना और नियमित व्यायाम करना इम्प्लांट की आयु और प्रभावशीलता को और बढ़ा सकता है। सर्जरी के बाद मरीज सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकते हैं। वे अपने काम पर लौट सकते हैं, घरेलू गतिविधियां कर सकते हैं तथा योग, स्टेशनरी साइक्लिंग और तैराकी जैसी हल्की शारीरिक गतिविधियों में भी भाग ले सकते हैं। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मरीजों को दर्दमुक्त और सक्रिय जीवन प्रदान करना है। डॉ. बोहरा ने यह भी बताया कि सफल सर्जरी और बेहतर रिकवरी के लिए ऑपरेशन से पहले की तैयारी भी बेहद महत्वपूर्ण होती है। मरीजों को अपने ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य को नियंत्रित रखना चाहिए, डॉक्टर को अपनी सभी दवाओं की जानकारी देनी चाहिए, फिजियोथेरेपी करनी चाहिए और घर पर आरामदायक रिकवरी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हिप दर्द किसी व्यक्ति की जीवनशैली और दैनिक गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है, तो समय रहते उपचार कराना बेहद जरूरी है। DAA तकनीक ने हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को पहले से अधिक सुरक्षित, सरल और प्रभावी बना दिया है, जिससे मरीज कम समय में अपनी सामान्य जिंदगी में लौट पा रहे हैं।

बिजली आपूर्ति सुधारने पर डीएम का जोर, पीएम सूर्य घर योजना की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

- सारण में विद्युत व्यवस्था की समीक्षा, लंबित शिकायतों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा की, बिजली आपूर्ति एवं पीएम सूर्य घर योजना में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपभोक्ता सेवाओं, लंबित शिकायतों तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि छपरा पश्चिम विद्युत प्रमंडल के अंतर्गत 17 पावर सब-स्टेशन के माध्यम से लगभग 3.27 लाख उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जा रही है। वहीं छपरा पूर्व विद्युत प्रमंडल में 24 पावर सब-स्टेशन कार्यरत हैं, जहां करीब 3.37 लाख उपभोक्ताओं को विद्युत सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में निर्बाध एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा तकनीकी खराबी या ब्रेकडाउन की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी कनीय अभियंताओं को आम जनता के प्रति संवेदनशील रहते हुए उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा में बताया गया कि कुल 436 आवेदनों में से 350 का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि शेष आवेदन लंबित हैं। जिलाधिकारी ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। बैठक में ट्रांसफॉर्मर ऑग्मेंटेशन की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां विद्युत भार अधिक है वहां प्राथमिकता के आधार पर ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि का प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजा जाए, ताकि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में अब तक 2,297 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 1,768 आवेदकों ने विक्रेता का चयन कर लिया है, लेकिन अब तक केवल 385 स्थानों पर सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं तथा 326 लाभुकों को अनुदान राशि का भुगतान हुआ है। योजना की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी कनीय अभियंताओं को प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर सोलर पैनल स्थापना में सहयोग देने का निर्देश दिया। साथ ही अपेक्षित प्रगति नहीं करने वाले कई कनीय अभियंताओं से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का भी निर्देश दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा पर सख्त हुए डीएम, अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर चलेगा लगातार अभियान

छपरा। सारण जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय एवं राज्य उच्च पथों पर बढ़ते अतिक्रमण, अवैध पार्किंग तथा यातायात अवरोधों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले किसी भी प्रकार के अवरोध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राष्ट्रीय उच्च पथ, पथ निर्माण विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग को निर्देश दिया कि सड़कों पर दुर्घटना का कारण बनने वाले अवरोधों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। बैठक में अवैध पार्किंग को दुर्घटनाओं और जाम का प्रमुख कारण बताते हुए जिलाधिकारी ने सड़कों के राइट ऑफ वे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की पार्किंग पर रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध पार्किंग करने वालों पर नियमानुसार जुमार्ना लगाने को कहा गया। एनएचएआई के परियोजना निदेशक को प्रत्येक माह सड़कों का अनिवार्य निरीक्षण करने तथा सतत निगरानी के लिए विशेष पेट्रोलिंग टीम तैनात करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय एवं राज्य उच्च पथों के किनारे हुए अवैध निर्माण और अतिक्रमण को तत्काल हटाने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्रवाई की सूची संबंधित थाना को उपलब्ध कराई जाए ताकि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सके। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अतिक्रमण हटाओ अभियान को नियमित रोस्टर में शामिल कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में हाईवे किनारे भूमि उपयोग परिवर्तन (लैंड ऑफ यूज वाईलेशन) के मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान कर जुमार्ना लगाने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

रूडी के ड्रीम प्रोजेक्ट नारायणी पथ को मिली बड़ी उड़ान 2901 करोड़ रुपये की योजना को तकनीकी स्वीकृति

- बाकरपुर-डुमरिया घाट प्रस्तावित नारायणी पथ परियोजना के प्राक्कलन को तकनीकी अनुमोदन
- बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रस्ताव अग्रसारित किया
- सांसद राजीव प्रताप रूडी के सतत् प्रयासों से परियोजना को मिली महत्वपूर्ण प्रगति
- सारण एवं गोपालगंज की कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को मिलेगा नया आयाम
- रुडी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं बिहार सरकार का जताया आभार
- रुडी ने कहा कि नारायणी पथ को सारण को विकास के नए युग में प्रवेश कराने वाला मील का पत्थर सिद्ध होगा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के दीर्घकालिक प्रयासों से सारण एवं गोपालगंज जिले की बहुप्रतीक्षित बाकरपुर - डुमरिया घाट फोरलेन सड़क परियोजना, जिसे नारायणी पथ के रूप में विकसित किया जा रहा है, के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने परियोजना के लिए तैयार 2901.45 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले प्राक्कलन को तकनीकी अनुमोदन प्रदान करते हुए प्रशासनिक स्वीकृति हेतु पथ निर्माण विभाग को भेज दिया है।

इस संदर्भ में सांसद रूडी ने कहा कि नारायणी पथ उत्तर बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा। यह सड़क परियोजना सारण और गोपालगंज को आधुनिक परिवहन नेटवर्क से जोड़ते हुए व्यापार, कृषि, पर्यटन और निवेश की नई संभावनाओं को गति देगी।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे और तकनीकी अनुमोदन मिलना उसी दिशा में एक बड़ी सफलता है। इसके लिए सांसद ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं बिहार सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से सारण क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत नारायणी पथ का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। सांसद रूडी ने कहा कि हरिहरनाथपुरम, सारण सैटेलाइट टाउनशिप, हरिहरनाथ कॉरिडोर, सोनपुर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, नए छह लेन पुल तथा गंगा-अम्बिका भवानी पथ जैसी परियोजनाओं के साथ नारायणी पथ भी सारण को विकास के नए युग में प्रवेश कराने वाला एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने चार चोर को किया गिरफ्तार

परसा। थाना कांड संख्या 300/26 मवेशी तस्करी के मामले में परसा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक मवेशी एक बाइक तीन मोबाइल फोन को जप्त करते हुए चार मवेशी तस्करो को किया गिरफ्तार.जिसपर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गुरुवार को छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया. गिरफ्तार मवेशी तस्करो में वैशाली जिला के वैशाली थाना क्षेत्र के दाउदनगर डाली किनारा गांव निवासी मुस्ताक अहमद का पुत्र मो अरमान मो जुमराती मिया का पुत्र मो लतीफ परसा थाना क्षेत्र के सगुनी गांव निवासी इंदु नट का पुत्र सोनू नट बनकेरवा गांव निवासी स्व रूप चन माझी का पुत्र किशोरी माझी बताया जाता है.

बिजली का तार टूटकर गिरा, झोपड़ी जलकर राख

पानापुर (सारण)थाना क्षेत्र के रामपुररूद्र गांव में बुधवार की रात बिजली का तार टूटकर एक झोपड़ी पर गिर गया और झोपड़ी में आग लग गयी।बताया जाता है कि बुधवार की रात करीब एक बजे जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे।उसी दौरान बिजली के शार्ट सर्किट के कारण 440 वोल्ट का तार टूटकर मनोज सिंह के झोपड़ीनुमा बथान पर गिर गया जिससे आग लग गयी।झोपड़ी में भूसा रखे होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें देख लोग नींद से जगे।इस बीच ग्रामीणों ने पावर सब स्टेशन फोन कर विद्युत सेवा बंद कराया। वही सूचना पाकर स्थानीय थाने से फायरब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची एवं आग पर काबू पाया।अगर ग्रामीण तत्परता नहीं दिखाते तो आग अगल बगल के घरों को भी अपनी आगोश में लेता।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 100 मरीजों की हुई जांच

एकमा (सारण)।नगर पंचायत के एकमा बाजार स्थित सभा कक्ष में जानकी एजुकेशनल एंड सोशल ट्रस्ट, हंसराजपुर (एकमा) के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन डॉ. सत्यदेव प्रसाद यादव के निर्देशन में किया गया।शिविर में करीब 100 मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार किया गया। इस दौरान मरीजों के शुगर, ब्लड प्रेशर, अस्थमा, सीओपीडी, हीमोग्लोबिन तथा यूरिक एसिड की जांच की गई।

शैक्षणिक एवं धार्मिक भ्रमण यात्रा का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। गुरुवार को आर बी एड पब्लिक स्कूल छपरा द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए आयोजित शैक्षणिक एवं धार्मिक भ्रमण यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पार्षद जय मित्रा देवी तथा वरिष्ठ अतिथि डॉ. एस. के. पांडेय ने बस को हरी झंडी दिखाकर किया। यह यात्रा निजी बस के माध्यम से थावे, कुशीनगर, गोरखनाथ, अयोध्या, मथुरा, वृंदावन, आगरा, फतेहपुर सीकरी तथा हरिद्वार तक का भ्रमण करते हुए पुनः छपरा लौटेगी। यात्रा के दौरान बस बिहार, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरेगी। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्रदान करना, उनकी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं के महत्व को समझाना है।विद्यार्थी इन स्थलों पर जाकर उनके इतिहास, धार्मिक महत्व एवं स्थानीय संस्कृति के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. राजू कुमार, कोषाध्यक्ष मोनिका देवी,यात्रा प्रभारी सुनील कुमार ब्याहुत तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं में सुनील राय, रिंकी देवी, पूनम देवी एवं श्वेता कुमारी , काजल कुमारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुभव एवं सांस्कृतिक समझ को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसुआपुर के डटरा पुरसौली में जनरल स्टोर से लाखों की चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। थाना क्षेत्र के डटरा पुरसौली नहर के पास शुभम इंटरप्राइजेज जनरल स्टोर में मंगलवार की रात सेंधमारी कर नगदी सहित लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली गई है। इस मामले में दुकान संचालक मनोज तिवारी के आवेदन पर इसुआपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें कहा गया है कि वे मंगलवार की रात करीब आठ बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। बुधवार की सुबह दुकान खोलने पर देखा कि काउंटर और गल्ला टूटा हुआ था तथा दुकान का सामान बिखरा पड़ा था। वहीं दुकान के पश्चिमी हिस्से का वेंटिलेटर टूटा हुआ था। चोरों ने दुकान से तीन साउंड बॉक्स, गल्ले में रखे 65 हजार रुपये नकद तथा अन्य कीमती सामान चुरा लिया था। वहीं दुकानदार ने बताया कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच में डटरा पुरसौली निवासी नीरज राय और मंटू राय की पहचान हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि दोनों के साथ कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने भी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि करीब छह माह पूर्व भी उनकी दुकान से लैपटॉप समेत लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी हुई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया गया है। साथ ही सूरज कुमार के घर के पीछे स्थित बगीचे से 750 एमएल की 10 बोतल अंग्रेजी शराब भी बरामद की गई। इधर, नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान विशुनपुरा गांव निवासी अशोक सिंह की गुमटी से 23 ग्राम, इसुआपुर बाजार स्थित बाबू भगत की गुमटी से 25 ग्राम तथा डटरा पुरसौली निवासी आत्मा साह की गुमटी से 32 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

नगर प्रशासन द्वारा चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

परसा। परसा दरोगा राय चौक हॉस्पिटल रोड इंदिरा मार्केट तक नगर प्रशासन का बड़ी कार्रवाई बार बार अतिक्रमण मुक्त करने बाद में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा था.जिसको लेकर नगर ईओ रजनीश कुमार ए एसआई मनोज कुमार समेत नगर व थाना के पुलिस कर्मी के सहयोग अतिक्रमण मुक्त कराया गया. इस दौरान नगर ईओ रजनीश कुमार ने बताया कि दर्जनों दुकानदारों द्वारा बार बार अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर हजारों रुपए का चालान कटा गया है. अगर कोई पुन अतिक्रमण करता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी.जिससे दुकानदारों में हरकंप मच गया है.इस मौके पर पवन कुमार सिंह सुनील कुमार सिंह पुलिस राय सोनू कुमार बबलू कुमार अजय कुमार समेत नगर के कर्मी उपस्थित थे

विदेशी शराब बरामदगी मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। दारौंदा थाना क्षेत्र के बगौरा पंचायत अंतर्गत बांगरा गांव में विदेशी शराब बरामदगी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी बिटु कुमार यादव को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि एक जून की शाम पुअनि सूर्य कुमार पुलिस बल के साथ क्षेत्र में संध्या गश्ती एवं वाहन जांच अभियान चला रहे थे। इसी दौरान ठोलकिया पुल के समीप वाहन जांच के दौरान सूचना मिली कि बांगरा गांव स्थित सरकारी विद्यालय के पास झाड़ियों में शराब छिपाकर उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखते ही एक व्यक्ति हाथ में बोरा लेकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह झाड़ियों का सहारा लेकर फरार हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय चौकीदार ने उसकी पहचान बांगरा निवासी बिटु कुमार यादव के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पड़े बोरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बोरे से 750 एमएल की 16 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कुल मात्रा 12 लीटर बताई गई है।

सभी बोतलों पर उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए अंकित पाया गया। पुलिस ने विधिवत जब्ती सूची तैयार कर शराब को अपने कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आयुष्मान कार्ड वितरण शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के विश्वंभरपुर गांव में सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मण शर्मा के आवास पर आयुष्मान कार्ड वितरण शिविर का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने किया।उन्होंने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद महोदय की यही कोशिश है कि रुपए के अभाव में किसी भी व्यक्ति को इलाज से वंचित नहीं होना पड़े।यही कारण है कि उनके निर्देश पर सभी पंचायतों में निःशुल्क शिविर आयोजित कर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है।इसी क्रम में यहां एक बार फिर से दूसरी बार लगभग 100 लाभार्थियों के बीच कार्ड का वितरण किया गया।इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सह सरपंच मंटू बाबा,युवा भाजपा जिलाध्यक्ष सुमंत बाबा,मंडल अध्यक्ष मोनू सिंह,उच्च न्यायालय अधिवक्ता शुभम पाराशर,रणजीत सिंह, मनीष सिंह,विकाश सिंह, लालबाबू शर्मा,धर्मेंद्र शर्मा घोष समेत कई अन्य गणमान्य मौजूद थे।

तीन माह से वेतन न मिलने से नियोजित शिक्षकों में आक्रोश, वरीयता की मांग को लेकर बैठक

- ईपीएफ-एनपीएस विवाद पर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर चर्चा हुई

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। प्रखंड के अमनौर कल्याण पंचायत स्थित खोरी पाकर गोविंद गांव में गुरुवार को परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में नियोजित शिक्षकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक नेता नरेंद्र कुमार शर्मा ने की।इस दौरान शिक्षको के बिभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। तीन माह बीतने के बावजूद अब तक GOB से आच्छादित नियोजित शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने से भारी आक्रोश था।शिक्षको का कहना है की वेतन नही मिलने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। एक ओर सरकार शिक्षको को हर माह के तीन से पांच तारीख तक वेतन भुगतान का नियम बनाया हुआ था।इसके बावजूद भी शिक्षको को वेतन भुगतान नही होना दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षक नेताओं ने आरोप लगाया कि नियोजित शिक्षक नियमावली में 5200-20200 वाले वेतनमान में एनपीएस का प्रावधान है। लेकिन सरकार ईपीएफ का लाभ देकर शिक्षकों को गुमराह कर रही है। इस मामले को लेकर संघ ने माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। कोर्ट में सरकार ने जवाब के लिए समय मांगा है। शिक्षक नेताओं ने दावा किया कि जीत निश्चित होगी। शिक्षको ने बताया कि नियोजित शिक्षक ही वरीय शिक्षक है। बैठक में वरीयता, सेवाकालीन प्रशिक्षण के बाद भी प्रमोशन और वित्तीय लाभ से वंचित रखने जैसे मुद्दे उठे। शिक्षकों ने कहा कि नियमावली में स्पष्ट उल्लेख के बावजूद सरकार अपने ही नियमों का उल्लंघन कर रही है। सेवा शर्त के अनुसार नियोजित शिक्षक हर हाल में सीनियर हैं।इस मौके पर प्रभात कुमार सिंह, ऋषिकेश कुमार सिंह, , शहजादा खां, रेखा कुमारी, अजित कुमार सिंह, नीरज शर्मा, सबिता कुमारी, संजय कुमार सिंह मो अयूब अख्तर फय्याज अहमद मो कली मुल्लाह, मो जैनुदिन मो मुस्तफा सुरेंद्र प्रसाद मेहरून निशा समेत दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।.

'खेत बचेंगे तो भविष्य संवरेंगे' संदेश के तहत किसानों को प्राकृतिक खेती और संतुलित पोषण से संबंधित किया गया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर। किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से आरपीसीएयू कृषि विज्ञान केंद्र मांझी के द्वारा 'खेत बचाओ अभियान' के तहत सारण जिले के बनियापुर प्रखण्ड के भूमिहारा एवं पिठौरी गांव में एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 महिला एवं पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र मांझी के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. संजय कुमार राय ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध खेती की आधारशिला है। उन्होंने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, भारत सरकार एवं बिहार सरकार की कृषि योजनाओं, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन तथा हरी खाद के उपयोग एवं उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उद्यान विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र चंदोला ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लैंड लेजर लेवलर से खेतों के समतलीकरण से संबंधित लाभ बताया। उन्होंने कहा कि इससे सिंचाई जल की बचत होती है तथा फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। वहीं पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. जीर विनायक ने किसानों को किसान सारथी ऐप के उपयोग तथा धान की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों के प्रभावी प्रबंधन की जानकारी दी। इफको के प्रतिनिधि संदीप कुमार ने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग, लाभ एवं उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में किसानों को संदेश दिया गया कि मिट्टी को बचाकर, संसाधनों का संतुलित उपयोग कर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही कृषि को लाभकारी एवं भविष्य सुरक्षित बनाया जा सकता है।कार्यक्रम में विनय सिंह, विपिन सिंह, पातीराम सिंह, दुर्गा सिंह, आकाश राज, रामराज सिंह सहित कई किसानों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र मांझी के राकेश कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

टोटो ई-रिक्शा बैटरी चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई, 36 बैटरियां बरामद

सीवान/दारौंदा। पुलिस ने टोटो ई-रिक्शा बैटरी चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बंद बेसमेंट से 36 बैटरियां, 218 बैटरी टिप्पी तथा कटे हुए तार बरामद किए हैं। इस मामले में दो समेत अज्ञात चोर गिरोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार एक जून की रात नियमित गश्ती के दौरान सूर्या रेस्टोरेंट के समीप बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह कोरारी खुर्द के पास स्कूटी छोड़कर फरार हो गया। स्कूटी की तलाशी के दौरान एक बड़ा पेचकस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने सूर्या रेस्टोरेंट के बेसमेंट के बाहर आठ बैटरियां, 218 बैटरी टिप्पी और कटे हुए तार बरामद किए। संदेह होने पर मकान मालिक को बुलाया गया। चाबी उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में बेसमेंट का ताला तोड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान बेसमेंट के अंदर विभिन्न कंपनियों की 28 बैटरियां बरामद हुईं, जिनसे तेजाब निकाला जा चुका था।

सारण में 15 जून से शुरू होगा जिला स्तरीय एकता शिविर, 20 प्रखंडों के 500 स्काउट-गाइड होंगे शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भारत स्काउट और गाइड, सारण के तत्वावधान में आगामी *15 जून 2026 से 19 जून 2026 तक सेंट्रल पब्लिक स्कूल, छपरा के परिसर में जिला स्तरीय एकता शिविर-2026 का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में सारण जिले के सभी 20 प्रखंडों से लगभग 500 स्काउट एवं गाइड भाग लेंगे। इसकी जानकारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोजकों ने दी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि पांच दिवसीय इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शिविर में पेंटिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, युथ फोरम, फूड प्लाजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक सेवा गतिविधियां तथा विभिन्न साहसिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह शिविर युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं को बेहतर नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है तथा एकता शिविर के माध्यम से प्रतिभागियों को सीखने और नेतृत्व विकसित करने का उत्कृष्ट अवसर मिलेगा। इस अवसर पर भारत स्काउट और गाइड, सारण के जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज सेंट्रल पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ. विकास सिंह, शिविर प्रधान प्रमोद कुमार सिंह एवं सहायक जिला प्रशिक्षक प्रणव सिंह जे०आर० पब्लिक स्कूल खाकी मठिया प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

सभी पदाधिकारियों ने जिले के विद्यालयों, स्काउट-गाइड इकाइयों एवं अभिभावकों से शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की। आयोजकों ने बताया कि जिला स्तरीय एकता शिविर-2026 सारण में स्काउटिंग-गाइडिंग गतिविधियों को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं में सामाजिक समरसता, राष्ट्रभक्ति एवं सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डॉ. विशाल सिंह राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह राठौड़ ने पटना स्थित देशरत्न मार्ग आवास पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सारण जिले के संगठनात्मक विस्तार, कार्यकताओं की सक्रियता तथा क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की। डॉ. राठौड़ ने कहा कि नेता के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से जनसेवा के संकल्प को नई मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि वे छात्र समता आंदोलन के समय से ही नीतीश कुमार के विचारों और नेतृत्व से जुड़े रहे हैं तथा समता पार्टी से लेकर वर्तमान जदयू संगठन तक लगातार सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। मुलाकात के दौरान संगठन को और मजबूत बनाने तथा आमजन से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने पर भी चर्चा हुई।

संक्षिप्त खबरें

छन्छुहा पैक्स उप चुनाव में 63.55% हुआ मतदान

सहार। सहार प्रखंड के छन्छुहा पंचायत पैक्स उप चुनाव में 63.55% मतदान हुआ है। बुधवार 3 जुन को मतदान के समय बुथ के बाहर कई बार प्रत्याशीओ के समर्थक द्वारा हल्का फुलका झड़प भी देखा गया। मतदान के दिन सुबह से तीनों बुथों पर सुबह से मतदाताओं की कतार देखी गई। बुढे बुजुर्ग किसानों को भी मतदान करते देखा गया। बतादे कि पैक्स उप चुनाव के लिए 1742 मतदाता में कुल 1107 मतदाताओं ने 63.55% मतादान किया। जहाँ उप चुनाव में तीन पैक्स अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों धन्छुहा के बिजेंद्र प्रसाद शर्मा, धन्छुहा के सुनील कुमार शर्मा और दुल्लमचक के सुनील कुमार राय के बीच कडा मुकाबला देखा गया। मतगणना संध्या को सहार प्रखंड मुख्यालय पर किया जा रहा है। देर रात तक मतगणना का परिणाम आजाने की उम्मीद है।

कोईलवर नगर पंचायत में जल प्याऊ केंद्रों से लोगों को मिल रही गर्मी से राहत

कोईलवर। भोजपुर जिले में भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव के बीच कोईलवर नगर पंचायत क्षेत्र में संचालित जल प्याऊ केंद्र आम लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बन रहे हैं। जिला पदाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पेयजल वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां राहगीरों, श्रमिकों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ और शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर प्रशासन द्वारा इन जल प्याऊ केंद्रों के नियमित संचालन, साफ-सफाई एवं निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। गर्मी के इस मौसम में बड़ी संख्या में लोग इन केंद्रों का लाभ उठा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जल प्याऊ केंद्रों से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है तथा निर्जलीकरण और लू जैसी समस्याओं से बचाव में भी मदद मिल रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, अनावश्यक रूप से तेज धूप में बाहर निकलने से बचने तथा जरूरतमंद लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने में सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी।

कायमनगर बाजार के समीप ट्रक की टक्कर, छह यात्री घायल

कोईलवर। बक्सर-पटना फोरलेन पर कायमनगर बाजार के समीप मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में ऑटो सवार छह यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब कोईलवर से आरा की ओर जा रहे एक ऑटो को पीछे से आ रहे एक बेलगाम ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क किनारे पलट गया और उसमें सवार यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग राहत कार्य में जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही गीधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए आरा भेजा गया। राहत की बात यह रही कि सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

गिद्धा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सीएचओ-पीएसपी सदस्यों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित

भोजपुर। जिला के कोईलवर प्रखंड के गिद्धा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर गुरुवार को सीएचओ-पीएसपी सदस्यों के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य सीएचओ-पीएसपी सदस्यों को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम एवं सीएचओ-पीएसपी के महत्त्व और जिम्मेदारियों के बारे में दुबारा प्रशिक्षित करने था ताकि वह अपने काम को बेहतर तरीके से संपादित कर सकें. कार्यक्रम में सिफार जिला प्रतिनिधि जुलेखा फातमा के मार्गदर्शन में जीविका की कम्युनिटी न्यूट्रीशन रिसोर्स पर्सन (सीएनआरपी) सह सीएचओ-पीएसपी सदस्य पूजा कुमारी, एएनएम सरीना और पूनम, आशा फैसिलिटेटर, आशा कार्यकर्ता एवं फाइलेरिया मरीज उपस्थित रहे. फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सबका सहयोग महत्वपूर्णः जीविका की कम्युनिटी न्यूट्रीशन रिसोर्स पर्सन (सीएनआरपी) सह सीएचओ-पीएसपी सदस्य पूजा कुमारी ने उपस्थित सदस्यों से कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन सबकी मेहनत और सहभागिता से ही संभव हो सकता है. उन्होंने कहा कि हम पंचायत स्तर पर फाइलेरिया के बारे में लोगों को जागरूक करते हैं और इसका असर यह होगा कि पंचायत सहित पूरे जिले में लोग जागरूक होंगे. सभी को और मेहनत करने की जरुरत है जिससे फाइलेरिया मुक्त भोजपुर का सपना सच हो सके।

मुख्यमंत्री सचिवालय ने गंगा कटाव मामले की जांच का दिया निर्देश

शाहपुर के जवैनिया गांव में गंगा कटाव निरोधी कार्य में अनियमितता की शिकायत पर कार्रवाई तेज

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत जवैनिया गांव में गंगा कटाव निरोधी कार्य में कथित अनियमितता की शिकायत पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय से जल संसाधन विभाग के सचिव को पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय के विशेष कार्य पदाधिकारी इन्द्रवीर कुमार द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि पूर्व विधायक मुन्नी देवी ने मुख्यमंत्री को ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेजी थी। शिकायत में जवैनिया गांव में चल रहे गंगा कटाव निरोधी कार्य में अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिया है कि प्राप्त शिकायत एवं संबंधित अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता पूर्व विधायक मुन्नी देवी तथा मुख्यमंत्री सचिवालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है। बताया गया है कि यह शिकायत 18 मई 2026 को मुख्यमंत्री को भेजी गई थी, जिस पर अब विभागीय स्तर पर जांच की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश जारी किया गया है। इससे गंगा कटाव निरोधी कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों की जांच का रास्ता साफ हो गया है।

बिलौटी में पुनर्वास टाउनशिप निर्माण कार्य का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए निमार्णाधीन पुनर्वास टाउनशिप का गुरुवार को निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी राहुल भूषण ने स्थल पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने टाउनशिप में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और संबंधित एजेंसियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं, ताकि विस्थापित परिवारों को जल्द से जल्द पुनर्वास का लाभ मिल सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विस्थापित परिवारों के सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से पुनर्वास कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

वीकेएसयू में प्रो. ललित सागर बने सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में सामाजिक विज्ञान संकाय के नए डीन के रूप में प्रो. ललित सागर की नियुक्ति की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। प्रो. ललित सागर वर्तमान में स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। जानकारी के अनुसार, सामाजिक विज्ञान संकाय के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अवध बिहारी सिंह का कार्यकाल समाप्त होने के बाद विश्वविद्यालय ने वरिष्ठता के आधार पर प्रो. ललित सागर को यह जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के तहत की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रो. ललित सागर आगामी दो वर्षों अथवा उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि, जो भी पहले होगी, तक सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन पद का दायित्व निभाएंगे। उनकी नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने वाणिज्य संकाय में भी नई नियुक्ति की घोषणा की है। अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान संकायाध्यक्ष प्रो. महेंद्रनाथ पाण्डेय का कार्यकाल समाप्त होने के बाद वाणिज्य संकाय के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. सुनील कुमार को नया संकायाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. सुनील कुमार स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में प्रोफेसर हैं और उन्हें वाणिज्य संकाय के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है।विश्वविद्यालय की इन नई नियुक्तियों को शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिक्षकों का मानना है कि अनुभवी शिक्षाविदों के नेतृत्व में संकायों के शैक्षणिक विकास और प्रशासनिक कार्यों में और अधिक गति आएगी।

विश्वविद्यालयों में बढ़ेगी कॉरपोरेट भागीदारी छात्रों को मिलेगा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में राज्य सरकार नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। राज्यपाल सह कुलाधिपति के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा ऐसी कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कॉरपोरेट संस्थानों तथा उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें रोजगार के लिए व्यावहारिक रूप से तैयार करना है। इसके तहत पाठ्यक्रम निर्माण में उद्योग जगत और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका बढ़ाई जाएगी।विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और औद्योगिक संस्थानों की सलाह से ऐसे पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे, जो वर्तमान बाजार की मांग और रोजगार के अवसरों के अनुरूप हों। इससे छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही उद्योगों की कार्यप्रणाली, तकनीकी कौशल और व्यावसायिक आवश्यकताओं की बेहतर समझ मिल सकेगी। सरकार प्रत्येक विश्वविद्यालय और कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की योजना पर भी काम कर रही है। इन केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग और कैंपस प्लेसमेंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही निजी कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर रोजगार के अवसर बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। नई पहल के तहत अप्रेंटिसशिप आधारित डिग्री कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में छात्र पढ़ाई के साथ-साथ उद्योगों, बैंकों और कॉरपोरेट संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें स्टाइपेंड दिए जाने की भी संभावना है। इससे विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। इसके अलावा इंटर्नशिप को स्नातक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाएगा, जिससे छात्रों की कार्यक्षमता और पेशेवर दक्षता में वृद्धि होगी। उच्च शिक्षा विभाग का मानना है कि इन सुधारों से विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और वे पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी या उद्यमिता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इसी क्रम में राज्य के छह विश्वविद्यालयों, जिनमें वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालय शामिल हैं, में जुलाई तक कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है।सरकार का लक्ष्य बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रतिस्पर्धी और भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है, ताकि राज्य के युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो सकें।

कन्या उत्थान योजना का पोर्टल 15 जून के बाद खुलेगा

● 2025 की स्नातक छात्राओं को मिलेगा आवेदन का अवसर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत लाभ पाने की प्रतीक्षा कर रही स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। योजना के ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल अब 15 जून के बाद खोला जाएगा। इसके माध्यम से वर्ष 2025 में स्नातक उत्तीर्ण छात्राएं आवेदन कर सकेंगी और निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने की पात्र होंगी। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से वर्ष 2025 में स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं का डेटा विश्वविद्यालय पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। आवेदन की प्रक्रिया डेटा अपलोड होने के बाद ही शुरू होती है, ताकि छात्राओं के अभिलेखों का सत्यापन किया जा सके। योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि स्नातक में नामांकन के लिए समर्थ पोर्टल के खुलने का इंतजार किया जा रहा है। पहले यह पोर्टल तीन जून को खुलने वाला था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई है। छात्र कल्याण पदाधिकारी और विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार समर्थ पोर्टल की दिल्ली स्थित टीम के संपर्क में हैं तथा पोर्टल जल्द शुरू होने की उम्मीद जताई गई है। विश्वविद्यालय की ओर से सभी आवश्यक दस्तावेज और सूचनाएं पहले ही भेजी जा चुकी हैं। इसके बावजूद पोर्टल अभी तक सक्रिय नहीं हो पाया है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि अब तक विश्वविद्यालय की लगभग 83 हजार छात्राएं कन्या उत्थान योजना का लाभ प्राप्त कर चुकी हैं। वहीं, वर्ष 2025 में स्नातक उत्तीर्ण करीब 27 हजार छात्राओं का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया है। ऐसे में पोर्टल खुलते ही बड़ी संख्या में छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी और योजना की राशि का लाभ उठा सकेंगी।

वीकेएसयू में पैट परीक्षा पर रोक से शोधार्थियों की संख्या घटने की आशंका

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सहित राज्य के विश्वविद्यालयों में पीएचडी एडमिशन टेस्ट (PAT) परीक्षा पर रोक लगाए जाने के बाद शोधार्थियों के बीच नई चर्चा शुरू हो गई है। लोकभवन से जारी निर्देशों के अनुसार अब विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली PAT परीक्षा के बजाय पीएचडी में नामांकन के लिए UGC-NET स्कोर को अनिवार्य आधार बनाया जाएगा। इस निर्णय का उद्देश्य शोध की गुणवत्ता को बढ़ाना और राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा को प्रोत्साहित करना बताया जा रहा है, लेकिन इसके साथ ही शोधार्थियों की संख्या में कमी आने की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। अब तक वीकेएसयू सहित कई विश्वविद्यालय अपने स्तर पर PAT परीक्षा आयोजित कर पीएचडी में प्रवेश देते थे। इससे ऐसे विद्यार्थियों को भी शोध करने का अवसर मिल जाता था जो किसी कारणवश UGC-NET उत्तीर्ण नहीं कर पाते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद केवल NET उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही पीएचडी में प्रवेश के पात्र होंगे। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इससे शोध में प्रवेश का मानक तो ऊंचा होगा, लेकिन ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का रास्ता अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सत्र 2024 और 2025 में PAT के माध्यम से चयनित शोधार्थियों पर इस निर्णय का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिन छात्रों का नामांकन हो चुका है तथा जिनका कोर्स वर्क पूरा हो चुका है, उनकी पढ़ाई और शोध कार्य पूर्ववत जारी रहेगा। वहीं जिन विश्वविद्यालयों में PAT परीक्षा आयोजित हो चुकी है, वहां भी पहले से चयनित छात्रों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हालांकि आगामी सत्रों के लिए स्थिति पूरी तरह बदलने वाली है। विशेष रूप से वर्ष 2026 से PAT परीक्षा आयोजित होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। ऐसे में पीएचडी करने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों को अब UGC-NET की तैयारी पर अधिक ध्यान देना होगा। माना जा रहा है कि इस फैसले से NET परीक्षा के प्रति छात्रों का रुझान बढ़ेगा और राष्ट्रीय स्तर पर शोधार्थियों के चयन में एकरूपता आएगी। दूसरी ओर, कई शिक्षाविदों और छात्र संगठनों का कहना है कि PAT परीक्षा समाप्त होने से शोध के अवसर सीमित हो सकते हैं। बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी, जो स्थानीय स्तर पर परीक्षा देकर शोध में प्रवेश प्राप्त कर लेते थे, अब ठएळ की कठिन प्रतिस्पर्धा के कारण पीछे रह सकते हैं। इससे विश्वविद्यालयों में शोधार्थियों की संख्या घटने की आशंका जताई जा रही है। कुल मिलाकर, यह निर्णय शोध की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, लेकिन इसके प्रभावों को लेकर छात्र समुदाय और शिक्षाविदों के बीच बहस जारी है। आने वाले वर्षों में ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह बदलाव शोध शिक्षा को कितना लाभ पहुंचाता है और कितने विद्यार्थियों को प्रभावित करता है।

कर्जा बाजार में मोटरसाइकिल रिपेयरिंग दुकान में लगी आग, लाखों की संपत्ति जली

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, दमकल की तीन गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शाहपुर के बहोरन थाना क्षेत्र के कर्जा बाजार में गुरुवार को एक मोटरसाइकिल रिपेयरिंग दुकान में अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, वहीं सूचना मिलने पर दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरे दुकान परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान में रखे मोटरसाइकिल के पार्ट्स सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। आग लगने के कारण बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के करीब तीन घंटे बाद भी आग को पूरी तरह नियंत्रित करने का प्रयास जारी था। दमकल कर्मी और ग्रामीण मिलकर लगातार आग बुझाने में लगे रहे ताकि आग आसपास की अन्य दुकानों तक न फैल सके। पीड़ित दुकानदार अभिषेक साह, पिता कमता साह ने बताया कि आग की घटना में उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। उनके अनुसार दुकान में रखे सामान और उपकरण जल जाने से लगभग 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है। थाना अध्यक्ष अजय कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचकर नजर बनाए हुए हैं।

भारी मात्रा में शराब बरामद, बरीसवन गांव के पास मद्यनिषेध विभाग की कार्रवाई

● अज्ञात तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ मद्यनिषेध विभाग का अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की है। मद्यनिषेध विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में शाहपुर थाना क्षेत्र के बरीसवन गांव के समीप एक संदिग्ध बोलेरो वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 168 लीटर बीयर तथा 129.6 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मामले में अज्ञात तस्करों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मद्यनिषेध विभाग ने जिले में शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भोजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ब्राउन शुगर के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस व मद्य निषेध एवं राज्य उत्पाद नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त कार्रवाई में प्रतिबंधित मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नवादा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सूचना संकलन के बाद मद्य निषेध एवं राज्य राजस्व नियंत्रण ब्यूरो, पटना और भोजपुर पुलिस की टीम ने संयुक्त छापेमारी कर 1.532 किलोग्राम ब्राउन शुगर बरामद की। इसके अलावा दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजकुमार साह (जिला बक्सर, वर्तमान पता मणिपुर) तथा गणेश साह (ग्राम सहजोली, थाना शाहपुर, जिला भोजपुर, वर्तमान पता असम) के रूप में हुई है। दोनों पर अंतरराज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। बरामद ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। भोजपुर पुलिस ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहार सुधारने के लिए जन सुराज के साथ जुड़ें: सोनिया सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जगदीशपुर नगर में जिला अध्यक्ष राजीव सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई बैठक बैठक के दौरान संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की गई जन सुराज की भोजपुर महिला जिला अध्यक्ष सोनिया सिंह ने जगदीशपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान बिहार के विकास और राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में अपने दृढ़ संकल्प को दोहराया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सोनिया सिंह ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की स्थिति चिंताजनक है। राज्य की विभिन्न पार्टियां अपने एजेंडे में भ्रष्टाचार को मिटाने में विफल रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जन सुराज का गठन ही इसीलिए किया गया है कि हम बिहार को एक बेहतर और स्वच्छ भविष्य दे सकें। आम जनता से जुड़ने का आह्वान -महिला जिला अध्यक्ष सोनिया सिंह ने बिहार की जनता और विशेष रूप से नए जुड़ने वाले साथियों से अपील की है कि वे जन सुराज के साथ आएं। उन्होंने कहा, हम अपने बिहार के लिए लड़ रहे हैं। बिहार से बढ़ते पलायन को रोकना और इसे सुधारना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशांत किशोर जी के नेतृत्व में हम सब मिलकर एक मजबूत बिहार का निर्माण करेंगे। परिवर्तन का समय महिला अध्यक्ष ने जनता से आग्रह किया कि वे आगे आएं और इस मुहिम में अपना योगदान दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल जनता के सामूहिक प्रयास और एकजुटता से ही बिहार की तस्वीर बदली जा सकती है। बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती और आने वाले समय में राज्य के विकास के लिए रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में जिला अध्यक्ष राजीव सिंह चंद्रभानु गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ नेता विजय शंकर पांडे संतोष सिंह शिवसागर सिंह कुशवाहा अमन इंडियन समेत सभी जन सुराज कार्यकर्ता मौजूद रहे

शराब पीने के आरोप में युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर थाने की पुलिस ने शराब पीने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र ने बताया कि शराब पीने के आरोप में चंदन कुमार को हिरासत में लिया गया था। जांच एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार चंदन कुमार कोईलवर थाना क्षेत्र के बड़का चंदा गांव निवासी राजनाथ राय का पुत्र बताया जाता है। पुलिस ने कहा कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

500 लीटर शराब बरामदगी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोईलवर। गीधा थाना पुलिस ने शराब तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर बक्सर जिले में की गई।थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि गीधा थाना कांड संख्या 10/26 में वांछित आरोपी प्रिंस कुमार को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी बक्सर जिले के मेहदर गांव का निवासी है और लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, पूर्व में वाहन जांच के दौरान आरोपी के वाहन से करीब 500 लीटर शराब बरामद की गई थी। इस मामले में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन घटना के बाद से वह फरार था। लगातार उसकी तलाश की जा रही थी। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने बक्सर में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए गीधा थाना क्षेत्र में अभियान लगातार जारी रहेगा और शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम मैइ एवं कमालपुर में नल-जल समस्या को लेकर आवेदन जल्द समाधान की मांग

नीमचक बथानी । प्रखंड अंतर्गत ग्राम मैइ टोला छटनी नगर के वार्ड संख्या 13 में नल-जल योजना का निर्माण नहीं होने तथा वार्ड संख्या 14 में नल-जल योजना खराब रहने से ग्रामीणों को भारी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर 10 मई को गुलिस्ता खातून द्वारा सहायक अभियंता, पीएचईडी विभाग गया को आवेदन देकर वार्ड संख्या 13 में जल्द नल-जल योजना निर्माण एवं वार्ड संख्या 14 में खराब नल-जल योजना की शीघ्र रिपेयरिंग कराने की मांग की गई।

इसके साथ ही ग्राम कमालपुर के वार्ड संख्या 4 में भी नल-जल योजना की खराब स्थिति एवं पेयजल समस्या को लेकर शिकायत दर्ज कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की गई है, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल सके।

इस दौरान मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और विभाग को अविलंब कार्रवाई कर ग्रामीणों को राहत पहुंचानी चाहिए।

22 जून से होगा सत्यचंडी धाम में आद्रा मेला का शुभारंभ

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम रायपुरा के प्रांगण में 22 जून को आद्रा मेला का शुभारंभ भव्यता एवं दिव्यता के साथ भक्तिमय वातावरण में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सत्यचंडी धाम न्यास समिति के अध्यक्ष अमरेश सिंह एवं सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सत्यचंडी धाम रायपुरा के प्रांगण में पुण्यदायिनी बटाने के पावन तट पर लगने वाला आद्रा मेला का शुभारंभ प्रांतीय स्तर के जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया जाएगा।यह भी बताया कि मेला में दूरदराज से, औरंगाबाद जिले ही नहीं, बिहार प्रांत के बाहर के भी लोग दर्शन पूजा करने आते हैं। जिन श्रद्धालु भक्तों की मनौती होती है वे अक्सर इस स्थल पर आकर विशेष पूजा अर्चना करते हैं।सत्यचंडी धाम अगल-बगल के सैकड़ो ग्राम के कुलदेवी के रूप में सत्यचंडी माता की पूजा अर्चना की जाती है। इस वर्ष आद्रा मेला 22 जून से लेकर 6 जुलाई तक रहेगी। मेला में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला,महिलाओं के विशेष आकर्षण के लिए मीना बाजार सहित मेला के निमित्त अन्य तैयारीयां जोर-जोर से चल रही है। मेला क्षेत्र में श्रद्धालु भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए सत्यचंडी युवा क्लब समिति के सभी सदस्य हमेशा मुस्तैद रहते हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित हुई जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष नीतू सिंह

औरंगाबाद। जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष नीतू सिंह को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया। उनके साथ कुटुंबा प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार को भी यह सम्मान मिला। यह पुरस्कार ग्रामीण विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। नीतू सिंह वर्तमान में जिला परिषद सदस्य भी हैं। यह सम्मान पंचायत क्षेत्र में विकास की नई पहल करने और विभिन्न योजनाओं को कुशलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए दिया गया है। नीतू सिंह ने बताया कि नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ उत्कृष्ट पंचायत प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार जिला परिषद अध्यक्ष बनी थीं, तब वर्ष 2019 में उन्हें पंडित दीनदयाल महिला सशक्तीकरण सम्मान से सम्मानित किया गया था। उस समय औरंगाबाद जिला परिषद को 50 लाख रुपए का पुरस्कार मिला था, जिससे कई विकास कार्य हुए थे। इस बार उन्हें जिला परिषद क्षेत्र संख्या-8 में विकास कार्यों को गति देने, जन समस्याओं के समाधान और विभिन्न कार्यों के लिए पुरस्कार दिया जा रहा है। उनका चयन राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह 2025 के तहत किया गया है। नीतू सिंह ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण और मूलभूत सुविधाओं के विकास को लेकर किए गए कार्यों के क्रम में यह सम्मान दिया जा रहा है। जिप सदस्य प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव और जिप सदस्य विकास पासवान सहित कई लोगों ने इस सम्मान पर हर्ष व्यक्त किया है।

जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों का राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

● **प्रतिभागियों को पोर्टल की फीचर्स और उपयोग का मिला प्रशिक्षण**

प्रातः किरण संवाददाता

गया। प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं की निगरानी को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से गया जिले में जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों का गुरुवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। बोधगया के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी जिलों से एसीएमओ सहित क्षेत्रीय एवं जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी मौजूद रहे। इनके साथ कुछ जिलों से सिविल सर्जन और जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी भी मौजूद रहे हैं।

जननी पोर्टल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर राज्य स्वास्थ्य समिति से डिप्टी डायरेक्टर डॉ अरविंद कुमार राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से नीलम सिंह, जयश्री दास, मोहम्मद कामिल, डॉ आदित्य कुमार सहित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विजय प्रकाश राय, युनिसेफ बिहार की सीएफओ मोनिका नीलसन, हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ अजय टकरू, डॉ एस रेड्डी मौजूद रहे। इस मौके पर सभी जिलों अस्पतालों और आरोग्य दिवस में मौजूद सेवाओं के डाटा पर चर्चा की गयी।

डिजिटल निगरानी से बेहतर होगी स्वास्थ्य सेवाएं:

कार्यशाला को संबोधित करते हुए यूनिसेफ से मोनिका नीलसन ने कहा कि जननी पोर्टल प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से अस्पताल की स्थिति, चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव पूर्व जांच, प्रसव की स्थिति, नवजात शिशुओं की देखभाल तथा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी। डॉ अजय टकरू ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सकेगी, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान समय रहते संभव होगी और आवश्यक चिकित्सीय हस्तक्षेप किया जा सकेगा।

पोर्टल संचालन की दी गई विस्तृत जानकारी:

प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को जननी पोर्टल के विभिन्न फीचर्स और उपयोग की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को पोर्टल पर डेटा अपडेट करने, रिपोर्ट तैयार करने, लाभार्थियों की निगरानी करने तथा स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया है।

दर्दनाक सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई, जबकि उनकी 11 साल की बेटी घायल हो गई। घटना दर्जी बिगहा मोड़ के समीप एनएच-19 पर हुई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर पहुंचाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल शिक्षक को बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर किया गया। हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मदनपुर थाना क्षेत्र के बंगरे गांव निवासी प्रमोद मेहता (45 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पेशे से शिक्षक थे और बादम प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थे। वहीं उनकी घायल पुत्री निधि कुमारी (11 वर्ष) का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार शिक्षक प्रमोद मेहता की पुत्री को निमोनिया बीमारी की शिकायत थी।वह उसे अपने बाइक पर लेकर इलाज कराने औरंगाबाद जा रहे थे। इसी दौरान दर्जी बिगहा मोड़ के समीप एनएच-19 पर पूरब दिशा से आ रही गैस सिलेंडर लदी एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और तत्काल दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने प्रमोद मेहता की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर गया जा रहे थे, लेकिन आमस के समीप रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

प्रमोद मेहता की असमय मृत्यु से बंगरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि वह मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को लोग हमेशा याद रखेंगे। उनके निधन की खबर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घर पहुंच गए और परिजनों को सांत्वना दी।मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियों और एक पुत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी और बच्चों की चीख-पुकार से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान और वाहन का पता लगाने में जुटी है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है शव को पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद भेजा गया है।

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं शिक्षक के निधन से शिक्षा जगत में भी शोक व्याप्त है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

युवाओं की भागीदारी और संगठन सशक्तिकरण पर बड़ा मंथन, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के विजन को बताया प्रेरणास्रोत: उत्सव सेठ

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। युवा संगठन की मजबूती और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान गया जी कार्यकारी जिलाध्यक्ष (युवा) उत्सव सेठ ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि वे समाज और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

गया जी कार्यकारी जिलाध्यक्ष (युवा) उत्सव सेठ ने बताया कि चर्चा के दौरान संगठन की संरचना को मजबूत करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन संवाद हुआ। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही भविष्य का आधार है, और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका दूरदर्शी विजन और युवाओं के प्रति उनकी सकारात्मक सोच समाज में नई प्रेरणा का स्रोत है। उत्सव सेठ ने कहा कि चिराग पासवान का विकासोन्मुखी दृष्टिकोण और युवाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता वास्तव में प्रशंसनीय है।

उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री से मुलाकात के दौरान उनके विचारों को करीब से समझने का अवसर मिला, जिससे संगठन को नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त हुई है। यह संवाद न केवल संगठन को मजबूत करेगा, बल्कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने में भी सहायक साबित होगा। कार्यक्रम के अंत में यह संकल्प लिया गया कि संगठन युवाओं को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराएगा और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करेगा, ताकि एक मजबूत और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

सीयूएसबी एवं लद्दाख विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एनईपी-2020 संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) तथा लद्दाख विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीपीपी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के अंतर्गत 20वें आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया है ` कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह तथा लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो साकेत कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों एवं शैक्षणिक संगठनों से 14 राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए 120 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई । अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि एनईपी-2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी एवं परिवर्तनकारी पहल है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों, आवश्यकताओं एवं अवसरों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत @2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यूजीसी की मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण योजना को शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास के लिए एक सशक्त मंच बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ शिक्षकों को नई शैक्षणिक प्रवृत्तियों एवं नवाचारों से भी परिचित कराते हैं।

विशिष्ट संबोधन में लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाहा ने एनईपी -2020 के सफल कार्यान्वयन हेतु विभिन्न संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों, प्रशासकों एवं विद्यार्थियों के मध्य समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को नवाचार, बहुविषयक शिक्षा, शोध संस्कृति तथा कौशल-आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. राजीव मोहन पंत, कुलपति, असम विश्वविद्यालय, सिलचर ने एनईपी -2020 के विभिन्न प्रावधानों एवं उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक रणनीतियों, प्रशासनिक तैयारियों तथा संस्थागत प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया।

साथ ही उन्होंने इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों एवं संभावित समाधानों पर भी विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में एनईपी -2020 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी तथा यह भारत को ज्ञान-आधारित वैश्विक महाशक्ति बनाने में सहायक सिद्ध होगी। लेफ्टिडेन्ट डॉ. प्रज्ञा गुप्ता के द्वारा सत्र का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम् के साथ किया गया है।

औरंगाबाद का नाम आदित्य नगर करने के लिए पंचायत से लेकर उच्च सदन के प्रतिनिधियों से आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला का नाम परिवर्तन कर आदित्य नगर करना, क्षेत्रीय गौरव स्थानीय लोगों में आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक विरासत को एक आधिकारिक और वैश्विक सम्मान के लिए एक सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का अभियान है।मोक्ष भूमि गया और दिव्य ज्ञान भूमि मगध प्रमंडल के गोद में बसा हमारा जिला जो सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, साहित्यिक रूप से समृद्ध रहा है। विशेष कालखंड में हमारे जिला का नाम औरंगाबाद पड़ा जो हमारे सांस्कृतिक पहचान पर कुठाराघात है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला में बहुत सारे गाथाएं हैं परंतु उन सब में सर्वोपरि देव सूर्य मंदिर संपूर्ण देश और दुनिया में हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतिनिधित्व करती है ।केशव लोकमंच ने संपूर्ण जिला का भ्रमण कर 60 से अधिक बैठक कर विचार विमर्श करने के बाद जिला पदाधिकारी को 6 00 लोगों का जिसमें प्रबुद्ध युवा सज्जन शक्ति मंत्र शक्ति सबका हस्ताक्षर अंकित है एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री बिहार, राज्यपाल बिहार, गृह मंत्री बिहार, प्रधानमंत्री भारत सरकार , नई दिल्ली, गृह मंत्री भारत सरकार ,नई दिल्ली को सौंपा गया जिसमें जिला का नाम सूर्य देव की संस्कृति से जोड़कर आदित्य नगर करने की मांग रखी गई। परिणाम निकला कि गृह मंत्रालय ने भारत सरकार को आवश्यक कार्रवाई करने की निर्देश देते हुए पत्र भेजा । जिला के लगभग सभी माननीय विधायकों को प्रतिलिपि सौंपी गई और सब का समर्थन प्राप्त हुआ । यह विषय केशव लोकमंच का नहीं बल्कि जिला के सांस्कृतिक पहचान और पुनर्जागरण का है। यह समस्त जनमानस के प्रतिनिधित्व और आवाज देने का काम कर रही है। इसी क्रम में संपूर्ण जिले के सभी पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर के सभी वार्ड सदस्य, पंच, सरपंच,मुखिया, पैक्स अध्यक्ष, पंचायत समिति, प्रखंड प्रमुख संपूर्ण जिलाऔर संपूर्ण जिला के जिला पार्षद जिला परिषद जिला अध्यक्ष, सभी नगर और नगर पंचायत के सदस्य और जिला के युवा शक्ति, सज्जन शक्ति, मातृशक्ति किशोर से लोकमंच हाथ जोड़कर निवेदन करती है कि खोए हुए सांस्कृतिक पहचान को पुनः वापस कर और सूर्य देव के नाम पर जिला का नाम आदित्य नगर कर आधिकारिक और वैश्विक सम्मान के लिए तथा सांस्कृतिक पहचान के लिए हम सब एक जुट हों । यह हम सबके लिए एक अहम विषय है। केशव लोकमंच ने जिला से लेकर राज्य और केंद्र तक प्रस्ताव को सभी सक्षम कार्यालय एवं मंत्रालय में संचिकास्त करा चुका है । इस अभियान में आप सबके समर्थन की आवश्यकता है इसलिए आप सभी सम्मानित नागरिक बंधु, सभी सम्मानित पंचायत निकाय से जिला स्तर तक के प्रतिनिधियों से विशेष आग्रह है कि आप सभी सांस्कृतिक पहचान की इस अभियान में जहां भी है वहां से समर्थन करें ताकि विधानसभा की पटल पर आने वाले मानसून सत्र में हमारे प्रतिनिधि इस अभियान के लिए अपनी आवाज बुलंद करें।

रानी तालाब में 6 को होगा 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। पुरुसोत्तम मास में देव में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह के लिए माँ काली की स्थापना दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए काली स्थान शिवालय समिति ट्रस्ट के सदस्यों नें पुरे देव प्रखंड के सनातनी कीर्तन मंडली को आमंत्रित कियें हैं ' पुरे उत्साह के साथ पुरुसोत्तम मास में 24 घंटे का अखंड संकीर्तन किया जायेगा' इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए रानी तालाब के चारों ओर दीपों से सजाया जायेगा ' देव में इस अखंड पाठ को सफल बनाने में समाजसेवी दीपक धनराज, राहुल सिंह, गोरख साव, संतोष भारती, गुड्डू सिंह, राजबंश सिंह, मनीष कुमार, चन्दन कुमार नें सप्ताह भर से श्याम नारायणी परिवार के सदस्यों को एकत्रित करने

के लिए पुरे तन, मन और धन लगा दियें हैं ' आयोजकों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। लोगों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारा तथा सामाजिक समरसता को मजबूत होगी। अखंड रामायण पाठ के माध्यम से देश, समाज और शहर की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की जाएगी।

इंस्पायर अवार्ड में बिहार का नंबर वन जिला बना औरंगाबाद

औरंगाबाद। बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन, औरंगाबाद ने जिले की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में औरंगाबाद जिला बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा है।

जिले के 53 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता, वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की उत्कृष्ट उपलब्धि को दशार्ता है। संघ द्वारा सभी चयनित विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई हैं। विशेष रूप से मुकुल कुमार, श्रीमती मृदुला सिन्हा तथा इस अभियान से जुड़े अन्य समर्पित शिक्षकों के अथक प्रयास, मार्गदर्शन एवं योगदान की सराहना की गई है, जिनकी प्रेरणा और मेहनत से विद्यार्थियों ने यह गौरवपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित हुई गया जी जिला परिषद अध्यक्ष नैना

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। गया जिला परिषद के लोगों को हमेशा चोबिस घंटे लगी रहने वाली जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी को नई दिल्ली के भरत मंडप में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया है। जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी यह पुरस्कार पंचायत राज्य विभाग के मंत्री विवेक भारद्वाज द्वारा दिया गया है।इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह भी मोजुद थे।जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी को बिहार सरकार के पंचायती राज्य विभाग के परियोजना निदेशक नवीन कुमार के पत्र जारी कर दिया गया था।इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी ने कहा कि इस प्रतिष्ठित सम्मान को प्राप्त करना मेरे लिए ही नहीं, बल्कि पूरे गया जिला एवं बिहार राज्य के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि हमारे जिले के विकास कार्यों, जनभागीदारी और पंचायत स्तर पर किए गए नवाचारों की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति का प्रतीक है।

मैं इस सम्मान को गया जिला परिषद के सभी सम्मानित जिला परिषद सदस्यों को समर्पित करती हूँ, जिनके सहयोग, सुझाव और निरंतर समर्थन के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। साथ ही जिला परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह सम्मान केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ाने वाला अवसर है। सबका साथ, सबका विकास की भावना को केंद्र में रखकर हम आगे भी जनहित, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

बरौली में महाआरती 7 जून को बारुण के बीडीओ होंगे मुख्य यजमान

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के बारुण प्रखंड पिपरा पंचायत अंतर्गत बरौली गांव में पिछले दिनों आयोजित ऐतिहासिक एवं भक्तिमय यज्ञ का सवा महीना आगामी 7 जून को पूर्ण होने जा रहा है। इस शुभ अवसर पर गांव में भव्य महाआरती, भजन-कीर्तन एवं विशाल महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महाआरती के मुख्य यजमान बारुण के प्रखंड विकास पदाधिकारी नीरज कुमार जी होंगे।कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है।जानकारी के अनुसार, यज्ञ के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। अब सवा महीना पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष पूजा-अर्चना के साथ दीपों से सजी भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।आयोजन समिति एवं ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच विशाल महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन गांव में आध्यात्मिक ऊर्जा, आपसी प्रेम और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। 07 जून को बरौली एक बार फिर भक्ति और आस्था की अद्भुत छटा से जगमगाने वाला है।

कुंदन हत्याकांड के फरार अभियुक्तों पर पुलिस का शिकंजा

- **गिरफ्तारी के लिए लगातार चल रही छापेमारी**
- **गिरफ्तारी की मांग को लेकर तेज हुआ आंदोलन**

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र के केशराड़ी निवासी किसान कुंदन यादव हत्याकांड में मुख्य अभियुक्तों और शूटरों की गिरफ्तारी नहीं होने से बढ़ते जनाक्रोश के बीच पुलिस अब फरार अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मामले के नामजद अभियुक्त सुरेंद्र सिंह और गौतम कुमार उर्फ छोटू के घरों पर जल्द ही कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है। दोनों आरोपितों के घरों पर न्यायालय द्वारा जारी इश्तिहार पहले ही चिपकाया जा चुका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय से कुर्की-जब्ती वारंट प्राप्त कर लिया गया है अथवा प्राप्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। ऐसे में एक-दो दिनों के भीतर पुलिस द्वारा उनके घरों पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हत्याकांड में अब तक की पुलिस कार्रवाई पर नजर डालें तो केवल दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इनमें एक नामजद अभियुक्त तथा एक अप्राथमिकी अभियुक्त शामिल हैं। पुलिस ने दोनों को घटना में लाइनर की भूमिका निभाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके अतिरिक्त मुख्य अभियुक्तों और शूटरों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो सकी है, जिससे लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। दाउदनगर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि सभी नामजद अभियुक्तों एवं घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 19 मई की देर शाम दाउदनगर थाना क्षेत्र के भुईयां बिगहा के समीप अपराधियों ने केशराड़ी निवासी 50 वर्षीय किसान कुंदन यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में मृतक के पुत्र द्वारा दाउदनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोपितों की गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है । अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पिछले दिनों दाउदनगर में कैंडल मार्च निकाला गया था. इसके बाद भाकपा-माले द्वारा प्रतिरोध मार्च आयोजित किया गया। महागठबंधन के नेताओं और कार्यकताओं ने भी दाउदनगर में प्रतिरोध मार्च निकालते हुए अनुमंडल कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया तथा राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीओ को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि जब तक सभी अभियुक्त गिरफ्तार नहीं होते, आंदोलन जारी रहेगा।

सड़क हादसे में गल्ला व्यवसायी पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद के अंबा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में गल्ला व्यवसायी पिता-पुत्र समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना अंबा थाना क्षेत्र के परसावां बिगहा गांव के समीप एनएच-139 पर हुई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। सभी घायलों को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक युवक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर पहले एक बाइक और लूना के बीच जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक और लूना पर सवार दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान औरंगाबाद से अंबा की ओर जा रहा एक ऑटो चालक उन्हें बचाने के प्रयास में अचानक ब्रेक लगा बैठा। अचानक ब्रेक लगाने से ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार कुछ लोगों को भी हल्की चोटें आई है।

घायलों की पहचान कुटुंबा थाना क्षेत्र के परसावां गांव निवासी गल्ला व्यवसायी नंदकिशोर साव, उनके पुत्र रंजन कुमार तथा परसावां बिगहा निवासी आयुष कुमार के रूप में हुई है।

आयुष बाइक चला रहा था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और घायलों को एक ऑटो में बैठाकर सदर अस्पताल भेजा। हालांकि रास्ते में ऑटो खराब हो गया, जिसके बाद दूसरे वाहन की व्यवस्था कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। घायल आयुष के परिजन सोनू कुमार ने बताया कि आयुष अपनी बुआ को बाइक से अंबा बस स्टैंड छोड़ने गया था। वहां से वापस घर लौटने के दौरान यह दुर्घटना हुई। दूसरी ओर नंदकिशोर साव अपने पुत्र रंजन कुमार के साथ लूना पर सवार होकर बभंडीह खेल मैदान के सामने स्थित अपनी गल्ला दुकान खोलने जा रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद वाहन चालकों को बचाने के प्रयास में ऑटो भी हादसे का शिकार हो गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को भी दी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को अस्पताल भेजा जा चुका था। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को भी परिजन घटनास्थल से हटा ले गए थे।

संक्षिप्त खबरें

वीटीआर में मानसून पूर्व तैयारी तेज, वनकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) प्रशासन ने मानसून के आगमन को देखते हुए जंगल क्षेत्र में विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। वन अधिकारियों ने सभी वनकर्मियों को सतर्क रहने तथा संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया है। वीटीआर के अधिकारियों के अनुसार बारिश के दौरान जंगलों में जलभराव, पेड़ों के गिरने तथा वन्यजीवों के आवागमन में बदलाव जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। इसे देखते हुए गश्ती दलों को सक्रिय कर दिया गया है और वन क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। वन विभाग ने जंगल से सटे गांवों के लोगों से भी अपील की है कि वे वन्यजीवों की गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें। साथ ही अवैध कटाई, शिकार और तस्करी जैसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। बारिश के मौसम में प्रभावित होने वाले पर्यटन मार्गों और वन पथों का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। वीटीआर प्रशासन का कहना है कि वन्यजीवों की सुरक्षा और जंगल संरक्षण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा मानसून के दौरान हर स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी।

दो पट्टीदारों में मारपीट, पांच पर केस दर्ज, तीन गिरफ्तार

चनपटिया। सिरसिया थाना क्षेत्र के गरभुआ अहिर टोली गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पटिदारों के बीच लाठी डंडे से जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में, मुन्ना यादव की पत्नी रिंकी कुमारी एवं उसकी बहन सहित दो अन्य चोटिल हो गए जिनका इलाज जीएमसीएच बेतिया चल रहा है। घटना की खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची सिरसिया थाने की पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि देवराज यादव एवं धनराज यादव दोनों भाई हैं। दोनों के बीच विगत माह से जमिनी विवाद चल रहा था, जिसको लेकर मारपीट हो गई। मारपीट में दो महिला सहित दो अन्य घायल हो गए। मामले में देवराज यादव की शिकायत पर सिरसिया पुलिस ने पांच लोगों पर प्राथमिकी की दर्ज करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सिरसिया थानाध्यक्ष अनंत कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना क्षेत्र के गरभुआ अहिर टोली गांव निवासी देवराज यादव के शिकायत पर भूमि विवाद से हुई मारपीट में, पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करते हुए, गरभुआ अहिर टोली गांव निवासी धनराज यादव, सुदामा यादव, योगापट्टी थाना क्षेत्र के कोलापुर गांव निवासी मनोज यादव को गिरफ्तार कर बेतिया जेल भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष राज रौशन की तत्परता से शराब तस्कर गिरफ्तार

बगहा। नौरंगिया थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 30 लीटर 420 एमएल विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि 4 जून की सुबह गश्ती के दौरान सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से शराब लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम द्वारा छापेमारी की गई। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से जाता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के सेमरा थाना क्षेत्र निवासी शिवचरण दास (26 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के दोनों ओर लटके झोलों से कुल 30 लीटर 420 एमएल विदेशी शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शराब उत्तर प्रदेश में बिक्री का अंकन पाया गया है। मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जिला पदाधिकारी ने अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

- लंबित मामलों और अभिलेख संधारण पर जताई नाराजगी, शीघ्र निष्पादन करने का दिया निर्देश
- संबंधित के विरुद्ध शोकॉज जारी करने का निर्देश
- दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), परिमार्जन एवं ई-मापी की लंबित स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह द्वारा आज रामनगर अंचल कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं सभी राजस्व कर्मचारियों की उपस्थिति में भूमि पोर्टल पर दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), परिमार्जन एवं ई-मापी से संबंधित मामलों की लंबित स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि कई राजस्व कर्मचारियों एवं राजस्व अधिकारियों के स्तर पर विभिन्न मामलों का निष्पादन लंबित है। जिला पदाधिकारी ने लंबित मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। वहीं कार्यालय के विस्तृत निरीक्षण के दौरान अभिलेखों, पंजियों एवं संचिकाओं के रख-रखाव की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। कई स्तरों पर कमियां परिलक्षित होने पर जिला पदाधिकारी

रामनगर पीएचसी का जिला पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रामनगर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भंडार पंजी, चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की उपस्थिति पंजी सहित विभिन्न कक्षों का गहन निरीक्षण किया तथा उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, अभिलेख संधारण एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से भी बातचीत की तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों को मरीजों की सुविधा एवं संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, विशेष कार्य पदाधिकारी (जिला गोपनीय शाखा) सुजीत कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समन्वय बैठक में डीएम ने सुरक्षा एजेंसियों को दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आयोजित समन्वय एवं सुरक्षा समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बढ़ाने और आपसी समन्वय को मजबूत करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में सीमा पर सक्रिय सुरक्षा बलों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान वन विभाग, एसएसबी सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की और चौकसी को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सीमा क्षेत्र में कार्यरत सभी भारतीय सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ फील्ड स्तर पर समन्वय को मजबूत करें। उन्होंने संवेदनशील एवं वीरान सीमा बिंदुओं पर गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। बैठक में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने, वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा वन्यजीवों की तस्करी रोकने के लिए विशेष रणनीति अपनाने पर भी जोर दिया गया।

जनसमपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत कांग्रेस पार्टी हो रही है सशक्त

- जिलाध्यक्ष ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा 53 सांगठनिक जिलों की सूची जारी की गई है

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल विगत डेढ़ महिनों से मोतिहारी जिला अन्तर्गत 13 प्रखंडों का दौरा किया है जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्देशित संगठन सृजन जनसमपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए प्रखंडवार बैठक की गई जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करके जातिय समीकरण सभी वर्गों के समावेश के अनुसार एवं मजबूत कांग्रेस जनों का नाम तय किया जा रहा है जो अंतिम प्रक्रिया में है दिनांक 05.06.2025 को संगठन सृजन जनसमपर्क अभियान का पोर्टल बंद हो जाएगा जो भी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष मनोनीत या निर्वाचित थे उन्हें पुनः संगठन सृजन जनसमपर्क अभियान के तहत 200 मजबूत साथियों को बनाकर प्रखंड अध्यक्ष नियुक्त होना है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा 53 सांगठनिक जिलो की सूची जारी की गई है जिसमें पूर्वी चम्पारण में दो सांगठनिक जिला मोतिहारी एवं गोविंदगंज घोषित किया गया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तिरहुत कमीशनरी में मोतिहारी जिला में 5000 सदस्यों को कांग्रेस पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाना लक्ष्य था जो लगभग अंतिम प्रक्रिया में है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में जो भी प्रखंड अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष थे उन सभी कमिटियों को 1 अप्रैल से भंग कर दिया गया है पुनः अध्यक्ष बनने के लिए 200 सक्रिय सदस्य बनाना था जिसमें अनेकों प्रखंड एवं महानगर में नये चेहरों को मौका दिया जाएगा जिससे पंचायत गांव एवं बूथ स्तर तक कांग्रेस पार्टी की विचारधारा मजबूत हो सकें। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी का हरसंभव प्रयास है कि संगठन सृजन जनसमपर्क अभियान कार्यक्रम में उतर बिहार में मोतिहारी जिला सर्वप्रथम करें।

नवलपरासी के कुसुमा स्कूल में लगी आग, अफरा-तफरी

- समय रहते विद्यार्थियों को सुरक्षित निकाला गया, बड़ा हादसा टला

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के नवलपरासी जिले स्थित कुसुमा गांव के कुसुमा स्कूल में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही विद्यालय परिसर में मौजूद छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच हड़कंप मच गया।

हालांकि स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग विद्यालय के एक भवन से शुरू हुई और देखते ही देखते अन्य हिस्सों तक फैलने लगी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस तथा दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शॉर्ट सर्किट या विद्युत खराबी इसकी वजह हो सकती है, हालांकि अधिकारियों ने जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होने की बात कही है। घटना में विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।

राहत की बात यह रही कि किसी छात्र, शिक्षक या कर्मचारी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है तथा घटना की जांच जारी है।

स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने समय पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए विद्यालय प्रशासन, पुलिस और दमकल टीम की सराहना की है।

मुखिया की अध्यक्षता में सीओपीडी कमेटी का किया गया गठन

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। बैरिया प्रखंड क्षेत्र के फुलिया खाण पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय सामधवा मे कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस फॉर डिमांड (सीओपीडी) कमेटी का गठन किया गया जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि तुषार रंजन के द्वारा किया गाय सीओपीडी कमेटी गठन में मुखिया अध्यक्ष हुए साथ ही सदस्य के रूप में बैरिया पंचायत मे सी ओ पी डी की गठन मुखिया नवीन कुमार की अध्यक्षता में की गई जिसमे आंगनवाड़ी सेविका एवंआशा ,एएनएम , सीएनआरपी, जीविका एमआरपी एवं स्कूल शिक्षक कुल मिलाकर प्रतिभागी सदस्य के रूप में मौजूद रहे। जिसमे मुखिया प्रतिनिधि तुषार रंजन के द्वारा सीओपीडी कमेटी गठन में बताया गया कि प्रत्येक परिवार के बच्चों को टीकाकरण करना अति आवश्यक है जिसके लिए सीओपीडी कमेटी का गठन किया गया की जो बच्चे टीकाकरण से वंचित रह जाते थे जिन परिवार के मन में कई तरह के भ्रम को लेकर अपने बच्चों को टिका नहीं दिलवा रहे थे उनसे कमेटी के सभी सदस्य इन परिवारों को टीकाकरण के लिए उनसे बात करके प्रेरित करेंगे इसके लिए करीब एक हफ्ते के बाद अभियान चला कर प्रत्येक वार्ड वाइज एक वार्ड सदस्य सहित वार्ड के सामाजिक बुद्धिजीवी एवं प्रभावी लोगों के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा।

लुम्बिनी प्रदेश सरकार से एमाले के चार मंत्रियों का इस्तीफा

- गठबंधन टूटने के बाद प्रदेश की राजनीति में बढ़ी हलचल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश में राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन में बदलाव के बीच नेकपा (एमाले) के चार मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मंत्रियों के इस्तीफे के बाद प्रदेश सरकार के समीकरण बदलने लगे हैं और नई राजनीतिक रणनीति पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, केंद्र स्तर पर बदले राजनीतिक समीकरणों का असर लुम्बिनी प्रदेश सरकार पर भी पड़ा है। इसी के तहत एमाले से जुड़े चार मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों ने कहा कि पार्टी के निर्णय और बदलते गठबंधन की स्थिति को देखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया है, हालांकि युवाओ को अवसर देने के लिए भी यह कदम उठाया गया है, बताया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मंत्रियों के इस्तीफे से प्रदेश सरकार पर दबाव बढ़ सकता है और आने वाले दिनों में सरकार के बहुमत को लेकर नई स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वहीं, अन्य दलों के बीच सत्ता संतुलन को लेकर बैठकों का दौर जारी है। प्रदेश की राजनीति में आए इस घटनाक्रम पर सभी दलों की नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि जल्द ही सरकार के भविष्य और नए गठबंधन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय सामने आ सकते हैं।

लुम्बिनी प्रदेश में पांच नए मंत्रियों ने ली शपथ

- राजनीतिक फेरबदल के बीच मंत्रिमंडल का विस्तार, सरकार को मिली नई मजबूती

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश में राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया। प्रदेश प्रमुख ने नव नियुक्त पांच मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह प्रदेश प्रमुख कार्यालय में आयोजित हुआ, जहां मुख्यमंत्री सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न दलों के नेता उपस्थित रहे। हाल ही में गठबंधन में हुए बदलाव और कुछ मंत्रियों के इस्तीफे के बाद सरकार ने मंत्रिमंडल को नया स्वरूप दिया है। नव नियुक्त मंत्रियों को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे सरकार के कामकाज को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

शपथ ग्रहण के बाद नए मंत्रियों ने प्रदेश के विकास, सुशासन और जनसेवा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना और रोजगार सृजन के क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए मंत्रियों के शामिल होने से सरकार और अधिक मजबूत होगी तथा प्रदेश के विकास कार्यों को गति मिलेगी। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद लुम्बिनी प्रदेश की राजनीति में स्थिरता आने की संभावना बढ़ गई है। लुम्बिनी प्रदेश में हुए इस नए राजनीतिक घटनाक्रम पर आम जनता और राजनीतिक दलों की नजर बनी हुई है। आने वाले दिनों में सरकार की प्राथमिकताओं और नई नीतियों को लेकर महत्वपूर्ण फैसले सामने आ सकते हैं।

क्रिप्टो निवेश और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी का खेल, पांच गिरफ्तार

- बगहा पुलिस ने संगठित साइबर गिरोह का किया पर्दाफाश, मोबाइल और डिजिटल साक्ष्य बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। क्रिप्टोकरेंसी निवेश और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का बगहा पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के पांच सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है। गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल ने बताया कि मामले की सूचना मिलने के बाद रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी के नेतृत्व में साइबर थाना की विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी जांच, डिजिटल दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विश्लेषण के आधार पर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित डीएसजे एक्सचेंज, बीजी वेल्थ शेयरिंग और यूएसडीटी क्रिप्टो निवेश जैसी योजनाओं के माध्यम से लोगों को कम समय में अधिक लाभ का लालच देकर निवेश करने के लिए प्रेरित करते थे। गिरोह के सदस्य व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ते और ऑनलाइन ट्रेडिंग, नेटवर्किंग तथा मल्टी-लेवल निवेश योजनाओं में पैसा लगाने के लिए उकसाते थे। व्हाट्सएप-टेलीग्राम के जरिए फैलाया जा रहा था जालः एसपी ने बताया कि निवेशकों को बड़े मुनाफे का सपना दिखाकर उनसे मोटी रकम जमा कराई जाती थी।

पूरा नेटवर्क डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपितों के पास से पांच मोबाइल फोन, एक डायरी तथा कई महत्वपूर्ण डिजिटल दस्तावेज बरामद किए हैं।

घरेलू गैस के 28,464 एवं वाणिज्यिक गैस के 1,366 सिलेंडर उपलब्ध

- जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 28,464 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1,366 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि 3 जून को जिलेभर में कुल 11,316 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

श्री सिन्हा ने बताया कि गैस आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित प्राप्त 12 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही शिकायतों के निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

भीषण गर्मी के बीच रामनगर में झमाझम बारिश, लोगों को मिली राहत

- मौसम हुआ सुहावना, किसानों के चेहरे खिले
- बारिश होने से तापमान में दर्ज की गई गिरावट

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बीच गुरुवार को रामनगर क्षेत्र में हुई जोरदार बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी। दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में घने काले बादल छा गए। इसके बाद तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश ने पूरे इलाके का मौसम खुशनुमा बना दिया। बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। पिछले कुछ दिनों से प्रचंड धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था। बारिश के बाद बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई।

किसानों के लिए भी राहत भरी खबरः बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली। खेतों में नमी बढ़ने से धान की नर्सरी और अन्य फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश खेती-किसानी के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी।

कुछ जगहों पर जलजमाव की समस्याः हालांकि तेज बारिश के कारण नगर के कुछ निचले इलाकों और सड़कों पर जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी क्षेत्र में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इससे लोगों को गर्मी से और राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भोला बाबू कॉलोनी में मुख्य नाले में बम पुलिस की कच्ची दीवार ढह जाने की जानकारी पर पहुंचीं महापौर

- कई फीट लंबी कच्ची दीवार के मलवे के गिर जाने के बाद महापौर की त्वरित पहल से मुख्य नाला सफाई के बाद सुचारू हो सकी जल निकासी व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 24 अंतर्गत भोला बाबू कॉलोनी स्थित नगर निगम के बम-पुलिस स्थल के समीप मुख्य नाले की कई फीट लंबी कच्ची दीवार के गिर जाने से नाले की जल निकासी व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो रही थी, इसकी जानकारी देते हुए महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि दीवार गिरने के बाद उसके एक बड़े अंश भाग से मुख्य नाले में पानी का प्रवाह अवरुद्ध हो गया था जिससे मैन्युअल लेबर के द्वारा सफाई करने में काफी परेशानी हो रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही महापौर गरिमा देवी सिकारिया तत्काल मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित नगर निगम सफाई निरीक्षक और सफाई कर्मियों को तत्काल समस्या के निराकरण का कार्य शुरू करने का सख्त निर्देश दिया। महापौर के निर्देश पर मुख्य नाले में गिरे कच्ची दीवार के मलबे को तेजी से हटाने का कार्य शुरू कराया गया। उसे औजार की सहायता से टुकड़ों में तोड़कर नाले में जमा मलबे की सफाई कर अवरुद्ध जल निकासी व्यवस्था को पुनः सुचारू किया गया। त्वरित कार्रवाई के कारण संभावित जलजमाव की समस्या पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर मौजूद नागरिकों ने महापौर की सक्रियता और त्वरित निर्णय क्षमता की सराहना की और कहा कि समय पर हस्तक्षेप नहीं होता, तो यही मलवा यूं ही पड़े पड़े बरसात के समय मुख्य नाले की जल निकासी में अवरोध का मुख्य कारण बनता। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में भी भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक निगरानी और जरूरी पहल करने का आदेश महापौर श्रीमती सिकारिया द्वारा जारी किया गया है।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में विश्व पर्यावरण दिवस मना कर दिया गया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति के हमारे जीवन में महत्व को बताते हुए, ब्रह्मकुमारी आश्रम, उप शाखा- सुख शांति भवन, नागा रोड, रक्सौल के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे जन-जन को संदेश देते हुए ज्ञानू दीदी ने पर्यावरण के सुरक्षा पर बल देते हुए कहा कि धरती एक प्यारी सी बस्ती है, जिससे जुड़ी हम सब की हस्ती है, आकाश उड़ान देता है, धरती प्राण देता है और वृक्ष हर सांस में जीवन का वरदान देता है।

अतः वायु, जल, भूमि, अग्नि, आकाश ना हो तो जीवन नहीं चल सकता, लेकिन आज मानव अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति, जो हमारी जीवन दायिनी है, उसको नष्ट कर रहा है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, जो प्रकृति हमारी इतनी सेवा करती है तो उसके संरक्षण का दायित्व भी हम सब का है, ताकि हमारा आज और आने वाला भविष्य सुखद, सरल हो और सभी के लिए ये पर्यावरण सुखदाई, आनंदमई हो जाए।

फिर ज्ञानू बहन ने मानव के कृत्यों का एहसास कराते हुए कहा की बचाना है, हवा को धुआं हो जाने से, नदियों को नाला हो जाने से और खाने को जहर हो जाने से। फिर अपने प्रेरणादाई शब्दों से सब की आंखे खोली और कहा कि आज मनुष्य बरगद, नीम, आम, इमली, पीपल, जैसे बड़े पेड़ काट के नया घर बनवा रहा है और घर में छोटे पौधे लगा रहा है, फिर सोच रहा है कि इतनी गर्मी क्यों लग रही है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो प्रकृति के प्रकोप को मनुष्य नही सह पायेगा।

इसी शुभ संकल्प के साथ सभी ने पौधारोपण बड़े ही उमंग उत्साह से किया और कहा कि हर एक व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुखिया प्रमिला देवी ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

मुंगेर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढी दक्षिणी पंचायत की मुखिया प्रमिला देवी ने पंचायत वासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत खुद पेड़ लगाकर उपस्थित लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। मुखिया प्रमिला देवी ने कहा कि आप सभी अपने-अपने घर के आसपास एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। पेड़ लगाकर हम पर्यावरण को बचा सकते हैं और स्वस्थ तथा स्वच्छ रह सकते हैं। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया रविंद्र मंडल, स्वच्छता पर्यवेक्षक श्रवण कुमार, आईटीसी मिशन सुनहरा कल, वाश आई संस्था के प्रतिनिधि तथा दर्जनों पंचायत वासी महिला-पुरुष मौजूद रहे। सभी ने मुखिया के साथ मिलकर पौधारोपण किया और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया।

कटारिया पंचायत पहुंची स्वास्थ्य किरण रथ, सैकड़ों लोगों का हुआ निशुल्क स्वास्थ्य जांच

मुंगेरः। चलंत स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत ह्यस्वास्थ्य किरण रथ मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत कटारिया पंचायत पहुंचा। रथ पर तैनात चिकित्सकों की टीम ने सैकड़ों ग्रामीणों का निशुल्क स्वास्थ्य जांच किया और जरूरत के अनुसार दवाइयों का वितरण भी किया।

इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि सरकार की यह अच्छी पहल है, जिसके तहत अब घर तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। लोगों की जरूरत के अनुसार जांच कर दवाइयां दी जा रही हैं, जिससे उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा। आज हमारे गांव में स्वास्थ्य किरण रथ पहुंचकर सैकड़ों लोगों के बीच निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की स्वास्थ्य सेवा से उन्हें बड़ी राहत मिली है और वे समय पर उपचार ले पा रहे हैं।

1 से 30 जून तक चलाया जाएगा खेत बचाओ अभियान

मुंगेरः। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर देशभर में 1 जून से 30 जून तक ह्लखेत बचाओ अभियानह्व शुरू किया गया है। अभियान का उद्देश्य किसानों को खेती की वैज्ञानिक और प्राकृतिक विधियों से जोड़ना है। इस अभियान के तहत किसानों को मिट्टी जांच की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगिता बढ़ाना, रासायनिक खाद पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती अपनाना, धान-रागी को बढ़ावा देना, दाल-तेलहन को फसल चक्र में लाना और खेती को लाभदायक बनाना शामिल है। किसान क्रेडिट कार्ड का महत्व, केसी सुविधा, ड्रोन तकनीक की उपयोगिता और सरकार की बीमा योजनाओं के बारे में भी किसानों को प्रेरित किया जाएगा। जिला कृषि कार्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र, आत्मा, नाबार्ड, बैंक आदि किसान समूहों के माध्यम से जून भर गांवों में प्रचार-प्रसार, गोष्ठी और प्रशिक्षण करेंगे। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, मुंगेर 1 जून से सक्रिय है। 3 जून को केवीके मुंगेर और आरआरएस के वैज्ञानिक ईओ अशोक कुमार और डॉ. रजनीश कुमारी ने धरहरा ब्लॉक के हेमजापुर गांव में अभियान के तहत प्रशिक्षण दिया, जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया।

मामूली विवाद में युवक पर हमला, हाथ-पैर में गंभीर चोट

सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के मिरहट्टी गांव में मामूली विवाद को लेकर एक युवक के साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल युवक की पहचान मिरहट्टी गांव निवासी विक्की कुमार के रूप में हुई है। विक्की कुमार ने बताया कि वह गांव के पोखर के पास एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोग अचानक पीछे से आए और उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने उसके साथ जमकर मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की जानकारी मिलने पर उसकी मां मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में उसे लेकर सुल्तानगंज थाना गई। पुलिस ने मामले की जानकारी लेने के बाद घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुल्तानगंज भेजा। चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। मारपीट की घटना में विक्की कुमार के हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पौधारोपण एवं प्रभात फेरी का किया गया आयोजन

बोधगया।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को मगध विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर निर्माण के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा।

डीएम ने आरसेटी की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा बैठक की

युवाओं- महिलाओं को ब्यूटी पार्लर, डेयरी, गाय पालन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण, ऋण सुविधा से जोड़ने पर दिया जोर

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेरः। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा बैठक बुधवार 4 जून 2026 को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संस्थान द्वारा संचालित स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यूको आरसेटी के निदेशक ने बताया कि युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ब्यूटी पार्लर, गाय पालन, डेयरी प्रबंधन सहित विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बेरोजगारों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार प्रखंड और पंचायत स्तर तक करने और प्रशिक्षित लोगों को उद्योग विभाग से जोड़कर ऋण सुविधा दिलाने का निर्देश दिया। साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार और सरकारी योजनाओं से समन्वय कर अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने को कहा।

सर्वर फेल होने से ब्रह्मशिला गैस एजेंसी में हाहाकार भीषण गर्मी में घंटों कतार में खड़े रहे उपभोक्ता

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। नगर स्थित ब्रह्मशिला गैस एजेंसी में गत बुधवार को तकनीकी खराबी के कारण गैस उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एजेंसी का सर्वर और ऑनलाइन लिंक सुबह से ही ठप रहने के कारण गैस बुकिंग, रसीद निर्गत करने तथा वितरण संबंधी कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए। इसके चलते गैस लेने पहुंचे सैकड़ों उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में घंटों इंतजार करना पड़ा। सुबह से ही एजेंसी परिसर में गैस उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई थी। लोग अपने घरेलू कार्यों को छोड़कर समय पर एजेंसी पहुंचे थे, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण अधिकांश उपभोक्ताओं का काम नहीं हो सका। कई लोग निराश होकर वापस लौट गए, जबकि कई उपभोक्ता घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। उपभोक्ता वरुण कुमार, संजय कुमार, मनोज कुमार, राशिद आलम, मंजू देवी और प्रियंका कुमारी सहित अन्य लोगों ने बताया कि गैस वितरण के लिए आवश्यक डीएससी नंबर रसीद कटने के बाद ही प्राप्त होता है, लेकिन सर्वर लिंक फेल होने के कारण रसीद निर्गत नहीं हो सकी। इससे पूरी प्रक्रिया बाधित हो गई और उपभोक्ताओं को काफी असुविधा झेलनी पड़ी।

गर्मी की तपिश के बीच महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से आए लोगों को सबसे अधिक परेशानी हुई। लोगों ने कहा कि अक्सर तकनीकी समस्याओं के कारण गैस वितरण व्यवस्था प्रभावित होती है, जिससे उपभोक्ताओं का समय और श्रम दोनों बर्बाद होते हैं।इस संबंध में एजेंसी के बुकिंग क्लर्क डब्लू कुमार ने बताया कि तकनीकी कारणों से सुबह से ही सर्वर और लिंक फेल है, जिसके कारण ऑनलाइन कार्य प्रभावित हुआ है। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उनकी गैस बुकिंग से संबंधित पर्चियां जमा कर ली गई हैं। जैसे ही सर्वर और नेटवर्क व्यवस्था सामान्य होगी, लंबित बुकिंग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करते हुए गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा अपनाई गई जीरो टॉलरेंस की नीति, एक गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के प्रति जिला प्रशासन द्वारा अपनाई गई जीरो टॉलरेन्स की नीति के तहत विगत दिनों मुंगेर किला के उत्तरी किला गेट पर स्थापित हाइट गेज को क्षतिग्रस्त कर वाहन लेकर फरार होने वाले वाहन चालक को जिला एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया गया है। डीएम निखिल धनराज निप्पाणीकर ने बताया कि मुंगेर किला परिसर के उत्तरी प्रवेश द्वार पर ऐतिहासिक संरचना की सुरक्षा एवं भारी वाहनों के अनियंत्रित प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से हाइट गेज लगाया गया है। विगत दिनों एक वाहन चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उक्त हाइट गेज को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था।

घटना के बाद संबंधित वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा तत्काल जांच प्रारंभ की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी एवं मोटरयान निरीक्षक द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों तथा वाहन संख्या के आधार पर वाहन एवं चालक की पहचान की गई। इसके उपरांत संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक गौतम कुमार को बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवक को आवश्यक दण्डात्मक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

आरोपी के विरुद्ध ऐतिहासिक धरोहर एवं सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाने के आरोप में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि ऐतिहासिक धरोहरों, सार्वजनिक संपत्तियों तथा संरक्षित स्थलों को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुंगेर किला जिले की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है तथा इसकी सुरक्षा और संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील किया है कि वे यातायात नियमों का पालन करें ।

केयाल पंचायत में स्वच्छता अभियान और ठोस अपशिष्ट नियमावली 2026 की जानकारी दी गई

करपी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत केयाल में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत स्वच्छ गांव, स्वच्छ जलवायु अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में स्वच्छता पर्यवेक्षक पिन्टु कुमार ने ग्रामीण जनता को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को गीला, सूखा, सेनेटरी और विशेष घरेलू कचरे के स्रोत पर पृथक्करण तथा हरे, नीले, लाल एवं काले डस्टबिन के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।पिन्टु कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करें, और अपने गांव को स्वच्छ बनाने में सहयोग दें। अभियान के तहत 1 जून से 5 जून तक पंचायत में विशेष सफाई और जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

बाढ़-सुखाड़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा प्रभारी सचिव ने दिए कई सख्त निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। जिले मे संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर सदस्य राजस्व पर्षद सह प्रभारी सचिव, डॉ. आशिमा जैन ने की। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी गीतांजलि ने ढढळ के माध्यम से जिले में आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियों, उपलब्ध संसाधनों और कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी सचिव के मुख्य निर्देशः1.वर्षा की निगरानीः सभी बीडीओ-सीओ वर्षामापी यंत्रों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें और वर्षा आंकड़ों का निरंतर विश्लेषण करें।2.संवेदनशील वर्गों की सूची, नदी किनारे और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, बच्चों, दिव्यांगजनों, वृद्धजनों की पहचान कर सूची तैयार करें।3.राहत सामग्री का सत्यापनः * 2570 पॉलीथिन शीट, लाइफ जैकेट, नावों, गोताखोरों व अन्य संसाधनों का भौतिक सत्यापन कराएं। 4.दवा की उपलब्धताः स्वास्थ्य विभाग जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे। दवा नहीं होने पर अग्रिम व्यवस्था करे।5,विभागीय समन्वयः सभी विभाग तैयारियों का पुन सत्यापन कर अद्यतन प्रतिवेदन दें। आपदा प्रबंधन में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। प्रभारी सचिव ने जिला स्तरीय वरीय प्रभारी पदाधिकारियों को नियमित अंतराल पर प्रखंडों में तैयारियों की समीक्षा कर सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस ने आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन होगा। जिला प्रशासन आपदा से निपटने के लिए पूर्णतः सजग है। बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, पीएचईडी, जल संसाधन, समाज कल्याण, पंचायती राज, ऊर्जा, मत्स्य, पशुपालन व अग्निशमन विभाग ने तैयारियों का ब्योरा दिया। उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, सभी बीडीओ, सीओ एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टोयोटा ने लॉन्च की नई इनोवा क्रिस्टा, प्रीमियम स्टाइलिंग और नए फीचर्स से हुई और आकर्षक

पटना/ नई दिल्ली टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत की लोकप्रिय एमपीवी नई टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को नए डिजाइन एलिमेंट्स और अतिरिक्त सुविधाओं के साथ लॉन्च किया है। कंपनी का कहना है कि यह अपडेट ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं, जिससे वाहन का लुक, आराम और सुविधा पहले से बेहतर हो सके।दो दशकों से अधिक समय से भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए इनोवा क्रिस्टा विश्वसनीयता, आराम, सुरक्षा और दमदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों स्तरों पर कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।नई इनोवा क्रिस्टा में नया और अधिक आकर्षक रेडिएटर ग्रिल, अपडेटेड फ्रंट बंपर गार्निश और रियर बंपर गार्निश दिए गए हैं, जो इसकी रोड प्रेजेंस को और मजबूत बनाते हैं। इसके साथ ही वाहन का मस्कुलर और प्रीमियम लुक पहले से अधिक प्रभावशाली नजर आता है।इंटीरियर की बात करें तो इसमें नया ड्यूल-टोन लेदर सीट अपहोल्स्ट्री, ग्रेस कॉपर फिनिश के साथ अपडेटेड इंस्ट्रूमेंट पैनल, डोर ट्रिम्स और बेजल्स दिए गए हैं। वुड-पैटर्न हाइलाइट्स, एसी कंट्रोल्स और स्विचेज की नई फिनिशिंग केबिन को अधिक प्रीमियम बनाती है।ग्राहकों की सुविधा को बढ़ाने के लिए नई इनोवा क्रिस्टा में वायरलेस चार्जर और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स भी जोड़े गए हैं।इस अवसर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स, सर्विस एवं यूज्ड कार बिजनेस) सबारी मनोहर ने कहा कि ब्रांड इनोवा की अब तक 13 लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं और इनोवा क्रिस्टा ने एमपीवी सेगमेंट में विश्वसनीयता, आराम और वैल्यू के नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि नए अपडेट्स ग्राहकों को ताजगी का अनुभव देंगे, जबकि वाहन की वे सभी खूबियां बरकरार रहेंगी जिन पर वर्षों से भरोसा किया जाता रहा है।नई इनोवा क्रिस्टा में टोयोटा का भरोसेमंद 2.4-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है। यह इंजन दमदार प्रदर्शन, स्मूथ ड्राइविंग और लंबी दूरी की यात्राओं में बेहतर आराम प्रदान करता है। वाहन की प्रमाणित ईंधन दक्षता 15 किलोमीटर प्रति लीटर तक है।सुरक्षा के लिहाज से इसमें 7 एयरबैग, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और ब्रेक असिस्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं।नई इनोवा क्रिस्टा प्लेटिनम व्हाइट पर्ल, सुपर व्हाइट, सिल्वर मेटैलिक, एटीट्यूड ब्लैक माइका और अवांट-गार्डे ब्रॉन्ज मेटैलिक रंगों में उपलब्ध होगी।

सुल्तानगंज स्टेशन पर आरपीएफ की कार्रवाई, अवैध हॉकर व धूम्रपान मामले में 7 लोग पकड़े गए

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए कुल सात लोगों को पकड़ा। आरपीएफ पोस्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन में बिना अनुमति के सामान बेच रहे 3 अवैध हॉकर को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद तीनों हॉकरो को पीआर बांड पर मुक्त कर दिया गया तथा उन्हें निर्धारित तिथि पर रेलवे न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। वहीं स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान करते 4 व्यक्ति को भी पकड़ा गया। आरपीएफ ने संबंधित व्यक्ति से नियमानुसार जुमार्ना वसूल किया और बाद में उसे छोड़ दिया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे परिसर में नियमों के उल्लंघन के खिलाफ नियमित रूप से अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों से रेलवे नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

मलमास मेले का एसडीएम-एसडीपीओ ने किया निरीक्षण सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक

अरवल। जिले के ऐतिहासिक मधुश्रवा मलमास मेले का अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संयुक्त निरीक्षण किया।अधिकारियों ने मेला परिसर में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सतर्क एवं सक्रिय पुलिसिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

नीलाम पत्र वाद का जल्द करें निष्पादन : आयुक्त

मुंगेर । मुंगेर -सह -भागलपुर आयुक्त प्रेम सिंह मीणा की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रमंडल मुंगेर एवं भागलपुर अंतर्गत सभी जिला पदाधिकारी सभी पुलिस अधीक्षक एवं सभी अपर समाहर्ता के साथ वीसी के माध्यम से नीलाम पत्र वाद की समीक्षात्मक बैठक की गई। समीक्षात्मक बैठक के सभी जिलों के अद्यतन प्रतिवेदन पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। आयुक्त ने प्रत्येक कोर्ट में की संख्या घटाने के लिए नीलाम पत्र वाद पदाधिकरियों की संख्या बढ़ाने हेतु निर्देशित किया। जिससे केसों का सभी नियमों का अनुपालन करते हुए स-समय निष्पादन किया जा सके। साथ ही नीलाम पत्र वाद पदाधिकरियों को नियमित सुनवाई करने का निर्देश दिया गया। जिससे कुल केस निष्पादन की संख्या को बढ़ाया जा सके। रजिस्टर 9 एवं रजिस्टर 10 का मिलान सुनिश्चित करने को कहा गया। लंबित बॉडी वारंट एवं लंबित वारंट एक्सक्यूसन। की संख्या को घटाने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया । पुराने लंबित केसों की समीक्षा के क्रम सभी नियमों का अनुपालन करते हुए नियमित सुनवाई करने एवं स-समय निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अवसर पर आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार उपस्थित रहे।

मोटोरोला ने एज 70 प्रो प्लस किया लांच, एआई पर खेला बड़ा दांव

आसनसोल। मोटोरोला ने गुरुवार को अपने प्रीमियम स्मार्टफोन पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस लॉन्च किया है। यह एक फ्लैगशिप डिवाइस है, जो एडवांस एआई क्षमताओं, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी और प्रीमियम क्राफ्ट्समैनशिप को 44,999 रुपये की प्रभावी शुरूआती कीमत पर पेश करता है।साल 2026 के सबसे स्टाइलिश फ्लैगशिप किलर के रूप में पेश किए गए इस स्मार्टफोन में क्वाड 50 मेगापिक्सल प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है।

इसमें 50 मेगापिक्सल का सोनी लिटिया 710 मुख्य सेंसर, 50 गुना सुपर जूम प्रो के साथ 50 मेगापिक्सल का 3.5एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस, 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड व मैक्रो कैमरा और 50 मेगापिक्सल का ऑटोफोकस सेल्फी कैमरा शामिल है। यह डिवाइस सभी कैमरों से 4के 60एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है और बेहतर फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के लिए इसमें मोटोएआई-संचालित इमेजिंग फीचर्स दिए गए हैं।

मोटोरोला ने इस फोन के साथ अपनी नई कलेक्शंस बाय मोटोरोला डिजाइन भाषा पेश की है, जिसमें पैंटोन-क्यूरेटेड रंगों के साथ सैटिन-लक्स, स्कल्प्टेड वुड और ट्विल इंस्पायर्ड फिनिश शामिल हैं।

बैंकिंग सेवाओं एवं वित्तीय समावेशन को लेकर डीएलसीसी की बैठक

डीएम ने दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय सभाकक्ष मे जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस की अध्यक्षता में सभी बैंकों की जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त शैलेश कुमार, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक तथा जिले के विभिन्न बैंकों के समन्वयक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक के दौरान वित्तीय समावेशन, ऋण वितरण, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार तथा जनहित से जुड़े अन्य विषयों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन, प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने और बैंकिंग सेवाओं को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।प्रशासन और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयास से विकास को गति देने पर भी जोर दिया गया।

सासाराम बाईपास निर्माण में विलंब पर उठे सवाल, जवाबदेही तय करने की मांग तेज

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास जिले के सासाराम बाईपास (बेदाझमोकर, कि.मी. 0.00 से 9.00) के निर्माण कार्य में हो रहे विलंब को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में रवि कुमार सिंह द्वारा 16 मार्च 2026 को लोक शिकायत पोर्टल पर दर्ज शिकायत में परियोजना की धीमी प्रगति और समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कार्य अधूरा रहने का मुद्दा उठाया गया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अनुबंध अवधि समाप्त होने के बावजूद बाईपास का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो सका, जिसके कारण आम जनता, स्थानीय ग्रामीणों एवं दैनिक यात्रियों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अधूरी सड़क, यातायात बाधा, वैकल्पिक मार्गों पर दबाव तथा सुरक्षा संबंधी समस्याएँ क्षेत्र की प्रमुख चिंताओं में शामिल हैं।शिकायतकर्ता ने मांग की है कि परियोजना में हुई देरी की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, मूल अनुबंध अवधि एवं दिए गए समय-विस्तार (ए७३ील्ल१ङ्खल्ल) को सार्वजनिक किया जाए, तथा विलंब के लिए जिम्मेदार ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही अनुबंध की शर्तों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने और परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने की भी मांग की गई है।

सुनवाई के दौरान बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड की ओर से बताया गया कि कुल 9.00 किलोमीटर में से 8.82 किलोमीटर कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 0.18 किलोमीटर कार्य रेलवे अनुमोदन में देरी के कारण लंबित है। विभाग ने इसे 31 मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हालांकि, शिकायतकर्ता का कहना है कि मूल प्रश्न अब भी अनुत्तरित है कि परियोजना में विलंब के लिए वास्तविक जिम्मेदारी किसकी है और क्या किसी स्तर पर कार्रवाई की गई है या नहीं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला केवल सड़क निर्माण का नहीं बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता, सार्वजनिक धन के उपयोग और सुशासन से जुड़ा हुआ है। लोगों ने मांग की है कि सभी संबंधित दस्तावेज एवं जवाबदेही से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की देरी की पुनरावृत्ति न हो।

शिक्षकेतर कर्मचारी संघ ने कुलपति से की मुलाकात विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से कराया अवगत

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।आज विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित कुलपति कार्यालय में मगध विश्वविद्यालय शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी से शिष्टाचार भेंट की तथा कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर एक मांग-पत्र सौंपा। संघ के अध्यक्ष सुबोध कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय कर्मियों की समस्याओं एवं उनके समाधान से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की है। संघ के अध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने स्थित सड़क पर वाहनों की तेज गति के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने वहां अविलंब स्पीड ब्रेकर निर्माण कराने की मांग की ताकि विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने, विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करने, कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) संबंधी लंबित मामलों के समाधान तथा पदोन्नति से संबंधित प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग रखी है। संघ के सचिव दीपक कुमार ने कर्मचारियों के हितों से जुड़े अन्य विषयों पर चर्चा करते हुए अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु बैठक आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान से कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने संघ के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की जायज मांगों एवं समस्याओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार करेगा तथा नियमों एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सभी घटक संस्थान की प्रगति में समान रूप से सहभागी हैं और कर्मचारियों के हितों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग
विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत भवन प्रमंडल सं0–2, पटना
निविदा आमंत्रण सूचना सं0–02 वर्ष 2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत भवन प्रमंडल संख्या–2 भवन निर्माण विभाग, पटना।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि: 24.06.2026 2:00 बजे अप0 तक ।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 25.06.2026 3:00 बजे अप0 तक ।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 25.06.2026 (3:30 बजे अप0)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विद्युत भवन प्रमंडल संख्या–2, पटना। एवं विद्युत अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, विद्युत भवन अंचल, पटना।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान क्रमांक 5 के अनुरूप।

क्रम सं0	कार्य का नाम	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	परिणाम विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter E-3 of Civil Court Danapur	2,40,972.00	4,900.00	500.00	20 Days
2	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter D-4 of Civil Court Danapur	2,34,539.00	4,700.00	500.00	20 Days
3	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter D-2 of Civil Court Danapur	2,40,972.00	4,900.00	500.00	20 Days
4	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter D-1 of Civil Court Danapur	2,34,539.00	4,700.00	500.00	20 Days
5	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter C-3 of Civil Court Danapur	2,40,972.00	4,900.00	500.00	20 Days
6	S/R with E/W & E/I in Judicial Quarter B-3 of Civil Court Danapur	2,40,972.00	4,900.00	500.00	20 Days
7	S/R with E/W & E/I in Staff Qtr 382/800 at LBS Nagar Patna	1,10,286.00	2,300.00	500.00	20 Days
8	S/R with E/W & E/I in Staff Qtr 353/800 at LBS Nagar Patna	1,04,017.00	2,100.00	500.00	20 Days

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत भवन प्रमंडल सं0–2, पटना

PR- 005015 (BCD) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष का मिला मार्गदर्शन

राष्ट्रीय नेतृत्व का मार्गदर्शन बिहार भाजपा के लिए गौरव का विषय : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को बिहार प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया तथा बिहार सह प्रभारी दीपक प्रकाश की उपस्थिति रही।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्ययोजना को गति देने तथा प्रदेशभर में संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि यह बिहार भाजपा के लिए अत्यंत प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों की इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करता है तथा कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाता है।

प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियानों, आगामी कार्यक्रमों तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों को संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रियता के साथ कार्य करने और भाजपा की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित है और इसकी सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासित संगठन तथा समर्पित कार्यकर्ता हैं। ऐसे समय में जब पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व भी हमारे बीच से है और केंद्र सरकार का नेतृत्व भी भारतीय जनता पार्टी के हाथों में है, तब यह प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी के लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है।

बैठक में संगठनात्मक समन्वय, जनसेवा, सामाजिक संपर्क और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर भी चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनता के बीच भाजपा की नीतियों और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

मगध विश्वविद्यालय के मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं का कुलपति एवं कुलसचिव ने किया निरीक्षण

कार्य संस्कृति एवं समयबद्ध निष्पादन पर दिया जोर

प्रातः किरण संवाददाता

बोधगया।आज मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी एवं कुलसचिव डॉ. बिनोद कुमार मंगलम ने विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित प्रशासनिक भवन की विभिन्न शाखाओं का विस्तृत निरीक्षण किया है।निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाखाओं में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों से संवाद स्थापित कर कार्यालयीन कार्यों की प्रगति, संचिकाओं के निष्पादन तथा कार्यालय व्यवस्था की समीक्षा की।

कुलपति प्रो. केशरी ने सभी शाखाओं में उपस्थित कर्मियों से मुलाकात करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनोन्मुखी बनाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समयबद्धता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक उन्नति में प्रशासनिक कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी यह सुनिश्चित करे कि उनके स्तर पर लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन हो तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान शाखाओं में कर्मियों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। कुलपति ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित उपस्थिति एवं कार्य के प्रति समर्पण ही किसी संस्थान की सफलता का आधार होता है। उन्होंने सभी कर्मियों से आपसी समन्वय, सौहार्दपूर्ण वातावरण एवं अनुशासित कार्य संस्कृति को बनाए रखने का आह्वान किया है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बिनोद कुमार मंगलम ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन लंबित संचिकाओं एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के त्वरित निष्पादन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी शाखा प्रभारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि प्राप्त होने वाली संचिकाओं एवं पत्राचार का यथाशीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि कार्यालय की दक्षता बढ़ाने के लिए समयबद्ध कार्य संस्कृति को अपनाना आवश्यक है।

पैक्स चुनाव परिणाम घोषित, चिताबकला, गोपालपुर और बार पंचायत में नए अध्यक्षों का हुआ चयन

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड क्षेत्र में संपन्न पैक्स चुनाव के मतगणना परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए गए। परिणामों की घोषणा होते ही विजयी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। विभिन्न क्षेत्रों में समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और पटाखे फोड़कर जीत का जश्न मनाया।

चिताबकला पंचायत में हुए मुकाबले में जितेंद्र यादव ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी रेणु देवी को 60 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की। मतगणना में जितेंद्र यादव को 256 मत प्राप्त हुए, जबकि रेणु देवी को 195 वोट मिले। जीत की घोषणा के बाद उनके समर्थकों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

वहीं शेरघाटी नगर परिषद क्षेत्र के गोपालपुर पैक्स में राहुल कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। राहुल कुमार को कुल 557 मत प्राप्त हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राधेश्याम सिंह को 308 तथा दीपक कुमार को 64 मत मिले। राहुल कुमार ने राधेश्याम सिंह को 249 मतों के बड़े अंतर से हराकर जीत हासिल की।

बार पंचायत में भी चुनावी मुकाबला दिलचस्प रहा। यहां सुबोध सिंह ने 537 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि नितिन कुमार को 227 मत मिले। सुबोध सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 300 मतों के भारी अंतर से पराजित कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी स्नेहिल आनंद ने परिणामों की आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि गोपालपुर नगर परिषद क्षेत्र से राहुल कुमार, चिताबकला पंचायत से जितेंद्र यादव तथा बार पंचायत से सुबोध सिंह विजयी घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्सव का माहौल बना रहा।

प्रभारी मंत्री का स्वागत स्टेंडिंग कमेटी की सदस्या सारीका वर्मा ने किया

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।गया जी भगवान विष्णु नगरी मे आए बिहार सरकार के कृषि मंत्री सह गया जिला प्रभारी मंत्री विजय सिन्हा का अभिनंदन एवं स्वागत गया के अतिथि निवास मे नव निर्वाचित नगर निगम स्टेंडिंग कमेटी सदस्य सारिका वर्मा ने किया है।कृषि मंत्री को अंग वस्त्र एवं गुलदस्ता देकर अभिनंदन किया है और नगर निगम की विकास पर चर्चा कि सारिका वर्मा एवं समाजसेवी सुनिल बम्बईया।

जिला उपाध्यक्ष जदयू (युवा) एवं कमल प्रकाश ने सशक्त स्थायी समिति सारिका वर्मा विजय होने पर सम्मानित की गई

गया जी।नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति के चुनाव में सरिका वर्मा को शानदार विजय प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की गई। आशा है कि आपके नेतृत्व, समर्पण एवं जनसेवा की भावना से नगर निगम क्षेत्र विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर रोहित कुमार जिला उपाध्यक्ष जदयू (युवा) एवं कमल प्रकाश ने अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की है।

स्टाइल, परफॉर्मेंस और एआई का संगम

गयाजी : मोटोरोला ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, प्रीमियम डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और एडवांस्ड एआई फीचर्स के साथ पेश किया गया है। फोन में क्वाड 50 एमपी प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसमें 50 एमपी सोनी लिटिया 710 मुख्य कैमरा, 50 एमपी 3.5एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा, 50 एमपी अल्ट्रा-वाइड प्लस मैक्रो विजन कैमरा और 50 एमपी ऑटोफोकस सेल्फी कैमरा शामिल हैं। सभी कैमरे 4के 60 एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करते हैं। मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस में 6.8 इंच सुपर एचडी प्लस एक्सट्रीम अमोलेड 144एचजेड 1.5के क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें 5200 निट्स पीक ब्राइटनेस, एचडीआर10 प्लस और गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन मिलता है। यह स्मार्टफोन मीडियाटेक डीमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम प्रोसेसर, 12जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम, 256जीबी युएफएस 4.1 स्टोरेज और 4600एमएम एसक्यार वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम से लैस है। फोन में 6500एमएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी दी गई है, जो 90 वाट टबोर्पावर फास्ट चार्जिंग और 15 वाटवायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करती है। मोटोरोला एज 70प्रोप्लस आईपी68 प्लस आईपी69 रेटिंग, एमआईएल- एसटीडी-810 एच ड्यूरेबिलिटी, डॉल्बी अट्मॉस स्टीरियो स्पीकर्स और मोटो एआई 2.0 फीचर्स के साथ आता है। यह एंड्राइड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है तथा 3 साल के ओएस अपग्रेड और 5 साल के सुरक्षा अपडेट्स के साथ उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन 11 जून 2026 से फ्लिपकार्ट, मोटोरोलाडॉटइन.और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसकी प्रभावी शुरूआती लॉन्च कीमत 44,999 रुपए रखी गई है।

मिशन 5 घंटे योजना राज्य के विकास को नई गति दे रहा है: मंगल पांडेय

- डबल इंजन की सरकार में राजधानी पटना तक का सफर अधिकतम 5 घंटे में पूरा करने का सपना हो रहा साकार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य व पथ निर्माण मंत्री श्री मंगल पांडेय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047के संकल्प एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के सुशासन में बिहार पथ निर्माण विभाग मिशन 5 घंटे योजना राज्य के विकास को नई गति दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी द्वारा जिसकी नींव पूर्व में रखी गई, उसे सीएम सम्राट चौधरी एक नए आयाम पर ले जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक योजना की नींव आज एक वटवृक्ष समान विकास की नई अवधारणा बन चुकी है। योजनाअंतर्गत राज्य के सबसे सुदूर जिले से भी राजधानी पटना तक का सफर अधिकतम 5 घंटे में पूरा करने के लिए सड़कों को चौड़ा और सुगम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पथ निर्माण विभाग की हालिया उच्चस्तरीय समीक्षा के अनुसार, राज्य के सभी जिला मुख्यालयों को फोरलेन सड़कों से जोड़ा जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि 2026 तक बिहार के किसी भी जिले से पटना मात्र 5 घंटे में पहुंचा जा सके। कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन चालू होने से उत्तर बिहार-पटना की दूरी 60 किमी कम होगी। बख्तियारपुर-ताजपुर पुल से समस्तीपुर-बेगूसराय से पटना केवल 1.5 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। पूर्णिया से पटना अब 6-7 घंटे नहीं बल्कि 3 घंटे में, किशनगंज से 8-9 घंटे नहीं, 4.5 घंटे में सफर पूरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सहयोग से बिहार को 5 एक्सप्रेसवे की भी सौगात मिली है। पटना-पूर्णिया 215 किमी 6-लेन एक्सप्रेसवे का भूमि अधिग्रहण भी तेज है। रक्सौल-हल्दिया, गोरखपुर-सिलीगुड़ी, बक्सर-भागलपुर, वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे काम जारी है।

सीमांचल और शाहाबाद की जनता भी कनेक्टिविटी लाभ से जुड़ रही है। यह केंद्र-राज्य डबल इंजन सरकार का प्रतिफल है। श्री पांडेय ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के विजन को मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी आगे बढ़ा रहे हैं। 5,000 किमी सिंगल लेन सड़कों को डबल लेन किया जा रहा है।

भारतीय महिला फेडरेशन के संघर्ष, एकजुटता और सशक्तिकरण के 72 वर्ष

पटना। आज भारतीय महिला फेडरेशन छ्थ्र्ष के 72वें स्थापना दिवस पर बिहार महिला समाज के राज्य कार्यालय में झंडोत्तोलन एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। हमारी लीडर पुरखिन अरुणा आसफ अली जी के समतामूलक समाज और महिलाओं के सम्मान का संघर्ष ही हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है।बिहार महिला समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती अनिता मिश्रा के नेतृत्व में सामुहिक रूप से झंडोत्तोलन किया गया, जिसमें पूर्व महासचिव डॉ. शरद कुमारी, अधिवक्ता साथी शगुफ्ता रशीद, साथी वीणा जी, संगठन की वरीय सदस्य धनराजो देवी, अनुराधा , सोनी, मिनता, लाली, मुन्नी, अंजली, सिमरन, शाहीन सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और किशोरियों ने भाग लिया।

झंडोत्तोलन के बाद उपाध्यक्ष अनिता मिश्रा ने संगठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा पूर्व महासचिव डॉ शरद ने संगठन की राष्ट्रव्यापी उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए महिलाओं और किशोरियों को संगठन की मजबूती, एकजुटता और संघर्ष के लिए अपील किया। अधिवक्ता साथी शगुफ्ता रशीद जी ने महिलाओं के संघर्ष में कानून की भूमिका पर चर्चा किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री डॉ अशोक चैधरी, मदन सहनी एवं डॉ श्वेता गुप्ता ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

- शिक्षण संस्थान पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण, जाँचोपरान्त दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : अशोक चैधरी
- मुजफ्फरपुर में आगजनी की घटना दुखद, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध : मदन सहनी
- युवाओं को रोजगार और बच्चों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : श्वेता गुप्ता

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री डॉ अशोक चैधरी, मंत्री मदन सहनी एवं मंत्री शडॉ श्वेता गुप्ता ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित मामलों के त्वरित एवं विधि सम्मत समाधान सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मीडिया से बातचीत में अशोक चैधरी ने कहा कि खान सर के शिक्षण संस्थान पर हुआ हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा जांच के उपरांत जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मुजफ्फरपुर की आगजनी की घटना पर भी गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है, तो दोषियों खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री मदन सहनी ने कहा कि मुजफ्फरपुर की आगजनी की घटना अत्यंत दुःखद है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। सरकार घायलों के समुचित एवं बेहतर उपचार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार आवश्यक कदम उठाने के प्रति संकल्पित है।

डॉ श्वेता गुप्ता ने कहा कि युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट और कठोर है। इस कुप्रथा में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 : जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक आज सघन पौधरोपण करेगा ग्रामीण विकास विभाग

पटना।ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाए।

उन्होंने कहा है कि अधिकारी और कर्मचारी लगाए जाने वाले पौधों की प्रजातियों का स्थानीय स्तर पर निर्धारण करेंगे और इसकी रिपोर्ट भी विभाग को उपलब्ध कराएंगे। सभी जिला पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक, उप विकास आयुक्त-सह-अपर जिला कार्यक्रम समन्वयक को भेजे गए पत्र में श्री कुमार ने कहा है कि पौधरोपण अभियान में फलदार, छायादार और पर्यावरण हितैषी पौधों को शामिल किया जाए। कार्यक्रम विद्यालय, कॉलेज, पंचायत, स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी केंद्रों आदि के परिसर में आयोजित होंगे। पौधरोपण अभियान में महिला, युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगा।

निफ्ट में गया का जलवा: कला संस्कार के 30 में 30 छात्र सफल

- छोटे शहर के सपनों ने भरी बड़ी उड़ान, फैशन टेक्नोलॉजी की दुनिया में चमके गया के युवा
- शानदार रैंक तक, कला संस्कार ने रचा सफलता का नया इतिहास

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी। कभी डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों तक सीमित समझे जाने वाले गया के छात्रों ने अब फैशन और डिजाइन की दुनिया में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। शहर के गेवाल बिगहा स्थित कला संस्कार संस्थान ने इस बार निफ्ट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी) प्रवेश परीक्षा में ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसने पूरे जिले को गौरवान्वित कर दिया है। संस्थान से परीक्षा में शामिल सभी 30 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल कर 100 प्रतिशत रिजल्ट दिया है।सबसे बड़ी उपलब्धि संस्थान की छात्रा जारा फातिमा के नाम रही, जिन्होंने पूरे देश में ऑल इंडिया रैंक (अक्क्र)-6 हासिल कर गया का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। वहीं ओमांशी अग्रवाल (अक्क्र-11), आस्था प्रिया (अक्क्र-39), आन्वी (अक्क्र-64), रिया (अक्क्र-91), सुमेधा (अक्क्र-94) और सत्यम (अक्क्र-99) ने भी टॉप-100 में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।संस्थान के संस्थापक राजेश राठौर ने बताया कि इस वर्ष 30 विद्यार्थियों ने निफ्ट प्रवेश परीक्षा में भाग लिया था और सभी ने सफलता प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि गया जैसे शहर में फैशन शिक्षा के बढ़ते दायरे और युवाओं के बदलते सपनों की कहानी है।राजेश राठौर ने कहा कि छात्रों की लगन, शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाया है।

अब ये छात्र देश के प्रतिष्ठित निफ्ट कैंपसों में दाखिला लेकर फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन, स्टाइलिंग और फैशन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में करियर बनाएंगे।

एक समय था जब बड़े शहरों के छात्रों का दबदबा निफ्ट जैसी परीक्षाओं में देखा जाता था, लेकिन अब गया के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कला संस्कार के इस शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी महानगर की मोहताज नहीं होती।

छात्रों की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवारों में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे गया जिले में गर्व की भावना है। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और गया को फैशन शिक्षा के मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाएगी।

एनडीए सरकार के फैसले ने गरीब मरीजों के चेहरे पर लायी मुस्कान : निहोरा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष, गंभीर एवं असाध्य बीमारियों से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए जीवनरक्षक सहारा बनकर उभरी है। नीतीश कुमार के शासनकाल में 2006-07 में शुरू की गई इस योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा है कि किसी भी गरीब परिवार को आर्थिक अभाव के कारण गंभीर बीमारी के इलाज से वंचित न होना पड़े। माननीय नीतीश कुमार ने हमेशा यह माना है कि स्वास्थ्य सेवा किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर नहीं, बल्कि उसके अधिकार पर आधारित होनी चाहिए। यही कारण है कि राज्य की वर्तमान एनडीए सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ पहुंचाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी की सरकार ने इस योजना के तहत आय सीमा को बढ़ाकर ढाई लाख रुपये से चार लाख रुपये वार्षिक कर दिया है। यह निर्णय इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को गरीब और मध्यम आय वर्ग के परिवारों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बढ़ी हुई आय सीमा के कारण अब बड़ी संख्या में ऐसे परिवार भी सहायता के दायरे में आए हैं जो गंभीर बीमारी की स्थिति में इलाज का खर्च वहन करने में कठिनाई महसूस करते हैं।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि पात्र मरीजों को समय पर सहायता मिले और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक पहुंचे। राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, इलाज की बेहतर व्यवस्था और गरीब मरीजों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस योजना के तहत पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में करीब 55 हजार से अधिक जरूरतमंद मरीजों को 400 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आई राहत, आशा और विश्वास की कहानी हैं। जिन परिवारों के सामने गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट खड़ा हो जाता था, उनके लिए यह योजना संबल और सुरक्षा कवच का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिक के दुख-दर्द में सहभागी बनना भी है। मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष इसी मानवीय सोच और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496